

सं० 33] No. 331 नई विस्तो, शनिवार, अगस्त 16, 1986 (श्रावण 25, 1908) NEW DELHI, SATURDAN, AUGUST 16, 1986 (SRAVANA 25, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिल्लस कि जह अलग संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paring is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड । PART III—SECTION 1

रुच ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग मई दिल्ली-110011, दिमांक 18 जुलाई 1986

सं० पी० 208/प्रशा०-3--विल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में प्रतिनियुन्ति आधार पर गए श्री कथामीरी लाल के प्रत्याविति होने पर उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 18 जुलाई 1986 (पूर्वाङ्ग) से डेस्क अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० गी० जैम अवर सचिव (का० प्रशा०)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण प्रशा० सुधार, लोक शिकायन तथा पेशन मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० जी०श्रो० काम्पलेक्स
नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 जुलाई 1986
सं० आर-26/65-प्रशासन-5--राष्ट्रपति ने श्री आर०
एन० सिन्हा, पुलिस अधीक्षक को दिनांक 25 जून, 1986 पूर्वाह्म
से अगले आदेश होने तक, तबर्ष आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण
1-196G1/86

ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापमा में स्थामापन पुलिस उप-महा-मिरीक्षक के रूप में मियुक्त किया है।

सं० ए-19014/1/84-प्रणासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर श्री समीरभ मुखर्जी, भा० पु० सेवा (पश्चिम बंगाल-एस० पी० एस०-1970) पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सा० अ० स्कंध, कलकत्ता की सेवाएं दिनांक 30 जून 1986 अपराह्म में पश्चिम बंगाल सरकार की सींपी जाती है।

> धर्मपाल भरूला प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

गृह मंत्रालय

महामिदेशालय के० रि.० पु० बल मई दिल्ली-110003, दिमांक 21 जुलाई 1986

मं० श्री० दो०—2235/86—स्थापना—-राष्ट्रपति जी ने डाक्टर रनजीन सिह को अस्थायों रूप में आगामो आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटो आफिसर ग्रेड—II (डी० एस० पी०/कम्पती कमाण्डर) के पद पर दिनांक 30 जुन 1986 प्रविद्वा से सहपं नियुक्त किया है।

(21959)

1

2

दिनोंक 22 जुलाई 1986

सं० श्रो० दो० 448/69-रथापना—नेन्द्रीय रिष्वं पुलिस बल के श्री एस० बी० लाल, सहायण निदेशक (प्रशासक) महा-विदेशालय, के० रि० पु० बल, वई दिवली की सेवाएं दिमांक 11-7-86 (अपराह्म) से प्रविधियुक्ति अधार पर तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को सौंगी राती हैं।

सं० पी० सात-1/85-स्थापना-1 (भाग-3)--राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्मलिखित निरीक्षकों की पुलिस उप-अक्षीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदीक्षति करते हैं।

इन कर्मचारियों ने उनके नाम के आगे लिखे यूनिट में दर्शायी गयी तारीख ने अपना कार्यभार संभान लिया है .

ऋ० सं०	श्रिकारी का नाम		कार्यभार संभालने को भारीख _
1	2	3	1 _

1	2		3	1 _
	 सर्वश्री			
1.	चन्दर देव सिंह्	35	बटा०	3-4-86 (पूर्वाह्म)
2.	ष्टितेन्दर सिंह	22	बरा०	3-5-86 (")
3.	जी० बी० तिवारी	8	बटा०	1-4-86 (")
4.	बी० के० कालिया	78	बटा०	17-4-86 (")
5-	हरीनद्र सिंह खली	7	बटा०	3-5-86 (अपराह्न)
6.	होश्यार सिह	21	बटा०	12-4-86 (पूर्वाह्न)
7.	राम निवास	27	बटा०	14-6-86 (")
8.	ई० निर्मल राज	23	बटा०	9-4-86 (")
9.	सतीन्द्र सिंह	1	बटा०	23-4-86 (")
10.	आर० के० देमवाल	30	बदा०	11-6-86 (")
	सरदारा सिंह		: बटा ०	22-4-86 (")
12.	जास राम सि ह राव त	12	बंदा०	1-4-86 (")
13.	आर० एल ० जोशी	42	षटा०	25-4-86 (ধাণাত)
14.	भुवनेश्वर प्रसाद	21	बटा ०	15-4-86 (पूर्वाह्न)
15.	बिज य क ुमार	38	बटा०	17-4-86 (")
16.	एच० एन० सिंह्	44	बटा०	1-4-86 (")
17-	सी०बी०एस० राठोड	30	बटा०	12-4-86 (अपराह्म)
18.	राजभान सिंह	80	बटा०	17-4-86 (पूर्वाह्र)
19.	*-	7 1	बटा०	19-5-86 (")
20-	के० के० वेलू	68	बटा ०	1-4-86 (")
21.		1 3	३ बटा ०	4-4-86 (")
$22 \cdot$		43	बटा०	7-5-86 (")
	सोहन सिंह विष्ट	7.8	बटा०	19-5-86 (")
24.	आर० के० यादव	43	बटा ०	7-4-86 (")
25.	एस० एस० यादव	85	बटा ०	7-4-86 ("')
26	रामाधर राय		बटा०	1-4-86 ("' ')
27-	एम ०एस ०एम ०नायर	3 () बटा ०	10-4-86 (पूर्वाह्न)
28.	राम बलीर्भमश्रा	22	षटा०	15-4-86 (")
29.	के० एन० राव	84	बटा०	25-4-86 (")

यर्वश्रो		
30. एम० अध्दुल हकीम	27 वटा०	29-4-86 (पूर्वाह्म)
3.1. पी० वी० पिल्ले	46 बटा०	4-4-86 (")
32. एम० सी० कृष्णैया	80 बटा०	27-4-86 (")
33. बचन यादी	70 बटा ०	11-4-86 (अपराह्न)
34. अगर०सी० पन्त	72 बटा ०	17-4-86 (पूर्वाह्र)
35. गुरुषक्स सिह	81 बटा०	15-4-86 (")
36. हरी सिंह	70 बटा ०	16-4-86 (अवसाह्य)
37 वी०के०मिश्रा	83 बटा०	23-4-86 (पूर्वाह्न)
38. गैलेन्द्र प्र ताप	23 ৰহা০	28-4-86 (")
39. एम०पी०मिनोचा	27 बटा०	30-4-86 (")
40 सूरेन्द्र सिंह	85 वटा०	18-4-86 (")
41 राम सिंह्	31 बटा०	7-4-86 (")
42 कंबर सिंह	49 बटा०	23-5-86 (")
43 दत्ता राम	50 बटा०	29-4-86 (")
44. सी०पी० मिश्रा	50 बटा ०	26-4-86 (अपराह्म)
45. एस० पी० पाठक	८७ बटा०	25-4-86 (पूर्वाह्न)
46 गुरमीत सिंह दोद	77 बटा ०	10-4-86 (")
47. वी० वै० नादाजी	69 बटा ०	3-4-86 (")
48. टी० एस० नेगी	८५ बटा०	8-4-86 ('')

3

सं० भ्रो० दो०-2236/86-स्थापना-1--राष्ट्रपित जी ने डाक्टर ई० लोकभाधन को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक रिजर्व पुलिस अल में जनरल ड्यूटी आफिसर, ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिशांक 3 जुलाई 1986 (पूर्वाह्म) से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिमांक 23 जुलाई 1986

संव भोव दोव-2237/86-स्थापना-I--राष्ट्रपित जी ने डाक्टर चन्द्र प्रकाण बनोधा को अस्थायो रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर, ग्रेड--II (डीव एसव पीव/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर विधाक 4 जुलाई 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

> किशन नान उप निदेशक (स्थापना)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली, दिनांड 11 जून 1986

मं० ए-12011/2/85-प्रशासन-II--राष्ट्रपि समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्त्रान्तिक स्थायी अतिरिक्त सहायक निदेशकों को समन्वय भिदेशालय (पुलिस बेतार) में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- रुपए

के वेतनमान में 6 जून 8 6 पूर्वाह्न से अगले आयेशों तक स्थाना-पन्न रूप में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री एल० बी० पंजा
- 2. श्री के० साइफ्रुल्ला
- 3. श्री कें ० के ० सर्मा
- 4. श्री शेर सिंह

बी० के० दुवे निदेशक पुलिस दूर-संचार

महामिदेशालय

केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 जुलाई 1986 सं० ई-32015 (2)/14/84-कार्मिक- --राष्ट्रपति, श्री एम०ए० जब्बार, सहायक कमांडेंट (त्रदर्थ कमांडेंट) को दिनांक 27 जून, 1986 (पूर्वाह्म) से नियमित आधार पर के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, एच० एफ० सी० एल० दुर्गापुर में उप कमांडेंट के रैंक में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015 (3)/15/84-कामिक-I--राष्ट्रपति, श्रीबी० लुइस राज, सहायक कमांडेंट (तदर्थ कमांडेंट) को दिलांक 30 जूम् 1986 (अपराह्म) में अनन्तिम आधार पर के० श्रौ० मु० ब० यूमिट, एम० पी० टी०, मद्राम में उप कमांडेंट के रैंक में नियुक्त करते हैं।

सं र् ई-32015 (3)/9/85-क्रामिक- - -राष्ट्रपति, श्री एम एल ० अक्रोल, उप कमांडेंट को दिनोक 10 जुलाई, 1986 (पूर्वाह्म) में नियमित आधार पर के श्रीं मुं ब व यूनिट, एच ० एफ ० सी ० एल ., बरौनी में कमांडेंट के रैंक में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015 (2)/2/86-कामिक-I---राष्ट्रपति, श्री आर० एम० मामंत, सहायक कमांडेंट को प्रोप्तित पर दिनांक 1 जुलाई, 1986 (पूर्वाह्म) में नियमित आधार पर कें० श्रीं० सु०ब० यूमिट, एस० पी० एम०, होणंगाबाद के कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1986

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-II--अधिवर्षिता की आयु होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप श्री श्यामल राय ने 30 जून, 1986 के अपराह्म से के० औ० सु०व० यूनिट, एच० ई० सी०, रांची के कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

डी० एम० मिश्रा महानिदेशक

महालेखाकार का कार्यालय, लेखा तथा अधिकरण जम्मू तथा कम्मीर श्रीनगर, दिमांक 18 जुलाई 1986

शुद्धि-पत्न

सं प्रणा - I (लें एवं अ) / 60 (28) / 86-87/ 1513--भारत के राजपत्र भाग-III पृष्ठ 17986 (श्रंग्रेजी) सप्ताह के अन्त 3-5-86 पर प्रकाशित अधिसूचना का गुढ़ि-पत्न ।

श्री श्रोंकार नाथ मुक्, लेखा अधिकारी की पदान्नित की तिथि 24-4-86 की बजाए 27-2-86 (पूर्वाह्न) पढ़ी आए।

अ० कु० भर्मा वरिष्ठ उप-म**हा**लेखाकार (लेखा तथा अधिकरण)

महालेखांकार का कार्यालय (ले० प्रो०)-I उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1986

सं० ए० जी० (ले॰ प्री०)-I/प्रशासन/13.7/543---निम्तिलिखित लेखा परीक्षा अधिकारी निवर्तन की आयु प्राप्त कर नाम के आगे लिखित तिथियों से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

- श्री रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 2, उ० प्र० में 31 मार्च, 1986 (अपराह्म)
- 2. श्री राम अवतार अग्रवाल, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, उ० प्र० से 30 अप्रैल 1986 (अपराह्म)
- 3. श्री ए० एल० महेम्बरी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, उ० प्र० से 30 अप्रैल 1986 (अपराह्म)
- 4. श्री माधव विद्याधर गोरे, कार्यालय महालेका नार (ले॰ प॰) 2, उ॰ प्र॰ में 30 अप्रैल, 1986 (अपराह्न)
- 5. श्री राम किशन, कार्यालय महालेखाकार (ले० ५०) 1, उ० प्र० में 31 मई, 1986 (अपराह्न)
- 6. श्री एस० यू० सिंहीकी, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 1, उ०प्र० से 30 जूल 1986 (अपराह्म)
- 7. श्री हरपु लाल मिश्रा, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 1, उ० प्र० म 30 जून, 1986 (अपराह्म)
- 8. श्री एम० पी० श्रीवास्तव कार्यालय महालेखाकार (से०प०) 1, उ०प्र० मे 30 जून 1986 (अपराह्म)
- 9. श्री एम० सी० श्रोबास्तव, कार्यालय महालेखाकार (ले०प०) 2, उ०प्र० से 30 जून 1986 (अपराह्म)
- 10. श्री कें० डी० सिंह, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 2, उ० प्र० से 30 जून 1986 (अपराह्न)

सं ा ए जी (ले प्रीं) — प्रशा / 13.7/543— निम्न-निखित सहायक नेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न नेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर उनके सामने निखित तिथि में नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. आनन्द स्वरूप मिश्रा

1-5-1983

2. राधे श्याम मिश्रा

8 - 5 - 1986

3. मो० याकुन

15-5-1986

4. स्वराज मंकर शुक्ल	14-5-1986
 बिशाम्भर नाथ शर्मा 	1-5-1986
मो० यहिया	5-5-1986

सं० ए० जी० (ले० प्री०)—I/प्रशा० /13.7/543— निम्नलिखित कार्यावह लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के आगे उल्लिखित तिथियों से स्थायी लेखा-परीक्षा अधि-कारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

सर्वश्री---

1.	एस० यू० सिद्दीकी	1-1-1986
2.	ए० एन० गंगुक्षी	1-1-1986
3.	के० टण्डन	1-1-1986
4.	एस० वी० भागीव	1-1-1986
5.	आर० सी० सक्सेना	6-1-1986
	एम० एम० राजप्रोहित	1-2-1986
7.	एम० पी० श्रीवास्तव	1-3-1986
	जी० एन० दुवे	1-4-1986
9.	राम जी श्रीवास्तव	1-5-1986
10.	एस० सी० श्रीवास्तव	1-5-1986
_	के० बी० एल० वर्मा	1-5-1986
12.	कें ० पी० श्रीवास्तव	1-6-1986

बी० के० चट्टोपाध्याय वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रणासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिशांक 25 जुलाई 1986

मुद्धि-५स

सं० 55/जी/86---इस कार्यालय के दिलांक 26-6-86 के राजपत्र अधिसूचना संख्या 32/जी/86 में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं:-

बास्ते : 30 जून 1985 (अपराह्म)

पढ़ा जाए : 30 नवम्बर, 1985 (अपराह्न)

डी० सेन संयुषत निदेशक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय सायन

बम्बई, दिनांक 23 जुलाई 1986

सं० 15/33/82-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा भ्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय बम्बई ने श्री जोसफ, एम० मनोहरन को सहायक अनुसंधान श्रिधकारी क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र महास में जो कि इस महानिवेशाल का अधीनस्थ कार्यालय है के अन्तर्गत दिनांक 14 जुलाई 1986 से अगले आदेण जारी होने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करता है ।

> एस० वी० **हेगडे**पाटिल उप-महानिदेशक श्रौर विभागाध्यक्ष

वाणिज्य मंद्राश्वय

मुष्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई दिल्ली, दिमांक 23 जुलाई 1986

सं० 1/17/86-प्रणासन (राज०)--राष्ट्रपति, कृमारी मंजुला सुजात्मनियम्, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में उप सचिव को मुख्य नियंत्रक, ग्रायान एवं नियंति के कार्यालय, नई दिल्ली में उप सचिव के वेतन पर 26-6-86 के पूर्वाह्म से, ग्रागले श्रादेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियंति के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजीव ले।चन मिश्र मुख्य नियत्नक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

वस्थ आयुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 18 जुलाई 1986

सं० 2 (15) त्थापना-एक/86/2863--श्री स्रो० एल० हैविड, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, श्रेणी एक, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, दिनांक 31-5-1986 के अपराह्म में सेवा-निवृत्ति की श्रायु पूरी करते हुए सेवा से निवृत्त हो गए ।

> अरुण कुमार वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1986

सं० ए०-6/247 (536)/65—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (श्रिभ०) श्री ए० एन० माठे को दिनांक 19 मई, 1986 के पूर्वाह्म से छः महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित प्रबन्ध किए जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, तदधें आधार पर ६० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 सपए के नेतनमान में सहायक निरीक्षण (निरीक्षण अधिकारी) (श्रिभ०) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप ए ग्रेड- HI) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं।

श्री ए० एन० साठे ने 19 मई 1986 के पूर्वाक्ष से निरीक्षण निवेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी दिन से उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार स्म्भास निया है।

सं० ए०-17011/35/71-प्र०-6-राष्ट्रपति, सहायक मिरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री एम० संथूर को दिनांक 2 जून, 1986 के पूर्वाल में 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300 के वेलन माम में भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए, के ग्रेड-III की इंजीनियरी णाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण/मिरीक्षण अधिकारी । (इंजी०) के पद पर स्थानापश रूप से 6 मास के लिए अथवा नियमित व्यवस्था होने तक जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री संधूर ने दिनांक 30 मई, 1986 के अपराह्न को जयपुर में सहायक निरीक्षण अधिकारी का पद्भार छोड़ दिया श्रीर विनांक 2 जून, 1986 के पूर्वाह्न से मुख्यालय में सहायक निरोक्षण (इंजी०) का पद भार सम्भाल लिया।

दिनांक 21 जुलाई 1986

मं० ए-6/247 (419)/63--पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निरीक्षण अधिकारी (इंजी-नियरिंग) तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (इंजी-नियरिंग) (भारतीय निरीक्षण सेवा का ग्रुप-ए) श्री एस० एस० पुरी का दिनांक 31 मई 1986 को निधन हो गया है।

> आर० पी० शाही उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मतालय इस्पात विभाग लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 21 जुलाई 1986

स० ई-I-12 (77)/86 (.)—श्री सी० आर० मंडल, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक द्वारा अपने पद का कार्यभार सम्भाल लेने के फलस्वरूप श्री बी० एन० मंडल जिन्हें अवकाश रिक्ति पर सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर दिनांक 11-3-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया था, को एतद्वारा 700-900 रुपए के वेतनमान में अधीक्षक के उनके मूल पद पर दिनांक 2-6-86 के पूर्वाह्न से प्रत्यावर्तित किया जाता है ।

दीपक कुमार घोष लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खांन विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 जुलाई 1986 सं 4705बी / ए-19012(पी॰ डी॰ एम॰)/86-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ही० भो०), श्री पी० ही० महन्त को कलाकार के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-40-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 14 मई, 1986 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ग्रमित कुशारी निवेशक (कार्मिक) कृते महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 जुलाई 1986

सं • 4665वी/ए-19011 (1-जे • श्रार • पी •)/79-19ए-मारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री जे • रेमंडपीटर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 8-12-85 (ग्रापराह्म) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया ।

सं० 4676 बी/ए-19011 (1-एस० श्रार० के०) /85-19ए--राष्ट्रपति जी श्री सोना राम किस्कू को भूबेज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूबेज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रोज-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम बेतन में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 8-4-86 के पूर्वाह्म से मियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4690बी/ए-19011(1-ग्रार० के०)/85-19ए---राष्ट्रपति जी श्री रवीन्द्र कुमार को भूवैज्ञानिक (कनिष्ट) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 र० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थाना-पन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 30-4-86 के पूर्वान्न से नियुक्त कर रहे हैं।

> श्रमित कुशारी निवेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 15 जुलाई 1986

संबंधिकी विभाग के दिनांक 20-5-86 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 12015/3/85/ग्राय० एस० एस० के संदर्भ में, श्री पो० ग्रार० सरकार, सहायक खनिज ग्रर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यकी सेवा ग्रेड अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उपखिनज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय खान ब्यूरो में उपखिनज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीयस ांख्यिकी सेवा ग्रेड-III के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 4-6-1986 के अपराह्म से नियुक्त किया गया।

दिनांक 21 जुलाई 1986

सं० ए-19011/303/85—स्था०ए० पी० पी०—िदिमांक 10-10-1985 (अपराह्म) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति **लेने**

पर श्री जी एस रेड्डी, स्थामी सहायक खान आभियन्ता एवं स्थानाण्य सहायक खान नियंत्रक को एतव्हारा दिनांक 11-10-1985 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है श्रीर तदनुसार उमका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

> पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिमांक 16 जुलाई 1986

सं० ए-19012 (216)/85-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्री इ० आर० चारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू०) की भारतीय खान ब्यूरो में स्थाना-पक्ष का में दिलांक 16-6-1986 के अपराह्म से सहायक खनन भूबिजानों के पद पर पदोन्नित प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा, सहायक प्रणासप अधिकारी **कृते** महानियंद्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1986

सं 0 17/4/86-एस-4--पदोन्नति के परिणामस्वरूप श्री कें आर पास्त्री, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक ने 20-6-1986 (पूर्वाह्म) को मुख्य अभियन्ता (पिष्वभी क्षेत्र) आकाश-वाणी तथा दूरदर्शन, बम्बई के कार्यालय में सहायक श्रीभयन्ता का कार्यभार संभात लिया है।

> बी० एस० जैन, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिवांक 18 जुलाई 1986

सं० 6/71/56-सिबन्दी-I--सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने के फलस्वरूप श्री सम्यद अहमद ने 30 जून, 1986 के अपराह्म में फिल्म प्रभाग, बम्बई के निर्देशक पद का कार्यभार त्याग दिया।

> न्रेन्द्रनाथ शर्मा, प्रशासकीय अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

कृषि मंद्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषणत एवं निरोक्षण निदेशालय प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1986

सं० ए०-31014/1/86-प्र० I--कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार ने निम्नलिखित अधिकारियों को प्रश्येक के सामने लिखी तारीख से विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मुख्य रसायनज्ञ के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया है: सर्वश्री--

 एस० आर० मुखाओं 	7-4-85
2 आर० रामाकृष्णन	7-4-85
3 जी० सी० सिंह	7-4-85
4 एस० एन० मोहिन्द्रु	7-4-85
5 जी० सी० जोशी	14-10-85

उपरोक्त अधिकारियों का मुख्य रसायनज्ञ के पद पर स्थायी होने की तारीख से निचले पद पर ग्रहणाधिकार, यदि कोई है, तो स्वतः समाप्त माना जाएगा ।

> जे० कुष्णा, निदेशक प्रशासन **कृते** कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधाल केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० पी० ए०/81 (3)/86-आर-4-नियंतक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री एन० जे० हटकर, अस्थायी फोर-मैन (बी) भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को, दिनांक 1 फरवरी 1986 पूर्वाह्म से आगामी आदेश जारी होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी) पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०ए/81 (3)/86-मार-4-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्न-निखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर इसी अनुसंधान केन्द्र में दिनांक फरवरी, 1, 1986 (पूर्वाह्न) में मिग्रम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ऋमांक	नाम	वर्तमान पद
1	2	3
1. Цо	री—- जी० वि० प्रसाद के० पाटिल	एस० ए०/सी० एस० ए०/सी०

N 44. 7, 166		11
न ऋमांक	नाम	वर्तमान पद
1	2	3
सर्वश्र		
3.	ए० बी० माने	एस० ए०/सी
	आर० सी० सेनापति	ग्स० ग्० /सी०
	यु० श्रीधर	एस० ए०/सी०
	डी० एस० हरीते	एस० ए०/सी०
7.	एन० जे० णाह	एस० ए०/सी०
8-	एम० पी० मोगल	एस० ए०/सी०
9-	एम० एम० के० सूरी	एस० ए०/सी०
10.	के० पी० इप्पन	एस० ए०/सी०
11.	के० गंगाधरत	एस० ए०/सी०
12.	श्रीमती सुगंधी वेंकटेश्स्वरन्	एस० ए०∕सी०
13.		एस० ए०/सी०
14.	श्रीमती ए० ए० अर्गेकर	एस० ए०∕सी०
15.	पी० एस० खोदादे	एस० ए०/सी०
16.	जे ० राधाकु ष्ण	एस० ए०/सी०
17.	वि०एल० संत	एम० ए०/सी०
18.	आर० सी० शर्मा	एस० ए०/सी०
19.	एस० एस० - रांगणेकर	ड्रामन/सी०
20.	एम० वाय० वालके	एस० ए०/बी०
	जी० पी० गुप्ता	एस∘ ए०/बी०
	बी० जी० नाईक	एस० ए०/सी०
23.	एस० डी० गोडे	ड्रामन/सी०

सी० जी० सुकुमारन, उप स्थापना <mark>प्र</mark>धिकारी

परमाणुकर्जाविभागं क्रयं और मंडार निदेशालय

बम्बर्ड-400 001, दिनांक 16 जुलाई 1986

सं० ऋसंनि/41/2/85-प्रशा०/3647-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और मंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री जी० कुप्पुस्वामी को इसी निदेशालय में दिनांक 28-4-(पूर्वाह्न) से 6-6-1986 (भ्रपराक्ष) 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880 -40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भ्राधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापंत्र से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री वी० बी० प्रभ के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त श्रवधि के लिए भंडार श्रधि-कारी के पदंपर तदर्थ स्राधार पर पदोन्नत किया है।

> बी॰ जी॰ कुलकर्णी, प्रसासन अधिकारी

न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1986

सं० एन०पी०बी०/3(236)/86-स्थापना 1/6047-निदेणक, (ग्रिभियांतिकी), न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बई एतद्द्वारा इस बोर्ड के निम्नलिखित कर्मचारियों को फरवरी 1, 1986 के पूर्वाह्म से श्रमले श्रादेश तक के लिए इसी बोर्ड में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रिधकारी श्रभियंता ग्रेड "एस बी" पर नियुक्त करते हैं।

ऋमांक	 नाम	 वर्तमान ग्रेड
1 _१ श्री जेकब 2. श्रीटी०ए	भ्रज्ञहाम ० पासनिवस्यू	क सहायक ''सी'' क सहायक ''सी''

-----समाहसालय केन्द्रीय उत्पाद ग्रुल्क,

सहायक कामिक श्रधिकारी (निदेशक श्रभियांक्रिकी)

नागपुर, दिनांक 24 जुलाई 1986

सं 14/86—प्रणासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समूह 'ख'के पद पर पदोन्नत होने पर श्री के एस॰ पाटिल, उप कार्यालय अधीक्षक स्तर-I ने दिनांक 30-6-86 के अपराह्म में प्रणासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के पद पर प्रभाग-चन्द्रपुर में कार्यभार ग्रहण किया ।

सं० 15/86—समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क; नागपुर के श्री डी॰ डब्ल्यू॰ मोजरेकर, प्रशासनिक ग्रधिकारी समूह 'ख' निवर्तन की ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-6-1986 के श्रपराह्म में शासकीय सेवा से निवृत्त हो गए ।

दिनांक 25 जुलाई 1986

सं 0 16/86—वित्त मंत्रालय के स्रावेश क 0 16/86 विनोक 14-7-1986 (फा० सं० ए-12026/2/85-प्रशा०-II ख) के स्रनुसार पदोन्नत हीने पर श्री पी० व्ही० ठाकरे, प्रशासनिक श्रिधकारी केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समूह — 'ख' ने विनोक 18-7-86 को स्रपराह्म में मुख्य लेखा स्रिधकारी समूह 'क' का कार्यभार ग्रहण किया ।

धार० के० धादिम, उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना)

केन्द्रीय जल स्नायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक जुलाई 1986

सं० ए-19012/1136/85-स्थापना -पांच--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री कृष्ण कुमार श्रीवास, पर्यवेक्षक को श्रीत-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-

40-1000-द० रो०-40-1200/- स्पए के वेतनमान में 16-8 1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थाई तथा तद्यं श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई 1986

सं० ए-19012/1141/85-स्थापना--पांच मध्यक्ष, केन्दीय जल श्रायोग श्री हरी दयाल, पर्यं वेक्षक को श्रितिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 17-9-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रविध के लिए श्रथवा पद के नियमित साधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो पूर्ण श्रस्थायी तथा नदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री महादेव ग्रय्यर, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, मान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 25 जुलाई 1986

कम्पनी श्रधिनियम 1956 मुख्गानन्द एजेंसिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 1716/टी० ए०—III/560——(560) कम्पनी प्रिष्ठिन्यम की घारा 560 की उपधारां (3) के प्रमुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भवसान पर मुख्यानन्द एजेंसिस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

हैदराबाद, दिनांक 25 जुलाई 1986 कम्पनी श्रिधिनियम 1956 टी० के० मुदलियार एजेंसिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 1717/टी०-III/560--(560) कम्पनी प्रधिनियम की धारा 560 की उपधारां (3) के धनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन माह के ध्रवसान पर टी० के० मुदलियार एजें सिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण द्रिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

हैदराबाद, दिनांक 25 जुलाई 1986 कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 खालडिन ग्रपरटस फेबरीकेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 3275/टी० ए०-III/560 (560)--कम्पनी स्विन्नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अव-सान पर खालंडिन अपरटस काबरिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हैदराबाद, दिनांक 25 जुलाई 1986

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 जिक्स एण्ड सिरामिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 1005/टी ए०-III/560--(56) कम्पनी ग्रिधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के ग्रवसान पर श्रिक्स एण्ड सिरामिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी ।

> मार० के० भट्टाचारजी कम्पनियों का रजिस्ट्रार, भान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय, प्रायंकर प्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1986

आयकर

फ़ा॰ सं०-म्रा॰ म्रा॰/१/ज्यूरिस॰/8687/598--म्रायकर मियम, 1961 (1961 की 43वीं) की धारा 124 की उपधारा (1) के मधीन प्रदत्त गक्तियों और उससे सम्बन्धित मन्य गक्तियों का प्रयोग करते हुए म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-१ नई दिल्ली यह निदेश वेते हैं कि निम्नलिखित म्रायकर वार्ड/सर्किल दिनांक 23-6-86 से सर्जित किए जायें।

- 1. डिस्ट्रिक्ट--5(ए)
- 2. डिस्ट्रिक्ट--5(बी)
- 3. 医徒奏者之一-5(代制)
- 4. डिस्ट्रि**ब**ट--5 (डी)
- डिस्ट्रिक्ट--5(ई)
- डिस्ट्रिक्ट--5(एफ़०)
- 7. डिस्ट्रि**म**ट--- 5 (जी)
- 8. डिस्ट्रिक्ट--5 (एच)
- 9. डिस्ट्रिक्ट--5 (माई)

- 10. डिस्ट्रिक्ट--5(जे)
- 11. डिस्ट्रिक्ट--5(के)
- 12. डिस्ट्रिक्ट--5 (एल)
- डिस्ट्रिक्ट~~5(एम)

फ़ा॰ सं॰ म्रा॰ मा॰ - 9/ज्यूरिस/86-87/599--म्राय कर म्रधिनियम 1961, (1961 की 43वीं) की धारा 124 की उपधारा (1) के म्रन्तर्गत प्रदत्त शिक्तयों और इससे संबं-धित मन्य शिक्तयों का प्रयोग करते हुए भ्रायकर म्रायुक्त दिल्ली-9, नई दिल्ली यह निदेश देते हैं कि निम्नलिखित भ्रायकर वाडों/ सिकलों का दिनांक 23 जून 1986 से सर्जन किया जाये:--

- डिस्ट्रिक्ट—8(ए)
- डिस्ट्रिक्ट--8(बी)
- डिस्ट्रिक्ट—8 (सी)
- डिस्ट्बर--8(डी)
- डिस्ट्रिक्ट--8(ई)
- डिस्ट्रिक्ट--8(एफ)
- 7. डिस्ट्रिक्ट--8(जी)
- डिस्ट्बट—8 (एच)
- डिस्ट्बट--8(ग्राई)
- 10. डिस्ट्बट--8(जे)
- 11. डिस्ट्रिक्ट--8(के)
- 12. डिस्ट्रिक्ट--8 (एल)
- 13. डिस्ट्रि**य**ट--8(एम)

का० सं०-म्रा० म्रा०-9/86-87/600--म्राय कर म्रिधिनियम, 1961 (1961 की 43वीं) की धारा 124 की उपधारा (1) के म्रन्तर्गत प्रदत्त शिक्तयों का एवं इससे संबंधित मन्य गिक्तयों का प्रयोग करते हुए म्राय कर म्रायुक्त, दिल्ली-9, नई दिल्ली यह निदेश देते हैं कि दिनांक 23 जून, 1986 से निम्नलिखित म्रायकर वार्ड/सिक्लों को समाप्त कर दिया आए:--

- 1. विस्ट्रिकट--- 5 (1)
- 2. विस्ट्रिकट--5(2)

- 3. डिस्ट्रि**स्ट--**5(3)
- 4. **डि**स्ट्रिक्ट---5(4)
- डिस्ट्बर—-5(5)
- 6. डिस्ट्रि**क्ट--**5(6)
- 7. 皆代çaz---5(7)
- 8. डिस्ट्बट--5(9)
- 9. डिस्ट्रिक्ट--5 (10)
- 10. डिस्ट्रिक्ट--- 5 (11)
- 11. डिस्ट्रिक्ट--5(12)
- 12. डिस्ट्रिक्ट- 5(13)
- 13. डिस्ट्रिषट--5(14)
- 14. डिस्ट्रिक्ट--5(15)
- 15. डिस्ट्वट--5(16)
- 16. डिस्ट्रिक्ट--5(18)
- 17. डिस्ट्रिंबट--5 (19)
- 18. डिस्ट्रिक्ट--8(1)
- 19. डिस्ट्रिक्ट--8(2)
- 20. डिस्ट्रिक्ट--8(4)
- 21 डिस्ट्रिक्ट--8(6)
- 22. डिस्ट्रिक्ट--8(7)
- 23. डिस्ट्रिक्ट--8(8)
- 24. डिस्ट्रिक्ट--8(9)
- 25. डिस्ट्रिक्ट--8(10)
- 26. डिस्ट्रिक्ट--8(11)
- 27. डिस्ट्रिक्ट--8(12)
- 28. डिस्ट्रिक्ट--8(13)
- 2 9. डिस्ट्रिबट--- 8 (14)
- 30. डिस्ट्रिक्ट--8(16)
- 31. डिस्ट्रिक्ट---8(17)

32. डिस्ट्रिक्ट--8(17)प्रति०

बलवन्त सिंह ग्रायकर ग्रायुक्त विल्ली-9, नई दिल्ली प्ररूप बाइं.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कामृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंल्⊸ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० 1-37ईई/8775/85-86.-अतः मुझे, श्र० प्रसाद, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मूक्य 1.00.000/- रु से अभिक है

श्रीर जिसकी समें फ्लैट नं ।, जो, 10वीं मंजिल, जयबन्त अपार्टमेंटस्, दादरकर कम्पाउण्ड, तुलसीवाडी, नाडदेव रोड, वम्बर्ड-34 में स्थित हैं (श्रीप्रक्रमस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क-ख के अधीन बम्बर्ड स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 14-11-1985

हां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित आफार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से बिधिक है और जन्तरिक (जन्तरिकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्त्रविक रूप में कथित नहीं किन्ना नया है हिन्स

- (क) अन्तरण के हुई किसी नाय की बाबत, उक्स निधिनयन के जभीन कर देने के अन्तरक के श्रावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के निष्ह;

कतः ४४, उक्त ऑभनियम की धारा 269-म को अनुसरण को, मी, धक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हो भीन, निस्तिकिकित व्यक्तिकों स्थावि ■—

- 1. मैसर्स जयबन्त डेबलपमेंट कारपोरेशन।
- (अन्तरक)
- श्रीमती यशोमती गी० शहा श्रीं र श्री प्रमोद शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निक्ति में किए जा उक्तें ।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंड नं० 1, जो. 10वीं मंजिल, जयबन्त अपार्टमेंटस्; दादरकर कम्पाउण्ड, तुलसीवाडो, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8264/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां**क**: 10-7-1986

इसम् बार्ड्ः टीः **एन**्यस् प्राचनन्त्राननन्त्रानन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) भी अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 सं० अई-1/37ईई/8632/85-86.--अनः, मुझें, प्र० गद,

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या पर्लंट नं ।, जो 17वीं मंजिल, जयवन्त अपार्टमेंटस्, दादरकर कम्पाउण्ड, तुलसीवाडी, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-11-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्धरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्छ जिथिनयम को जभीन कर दोने के जन्दरक के खिरूब में कनी करने या उससे वक्षने में सुविधा नो लिए; क्रीड्/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विभा के सिए;

अतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण नें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थातु ॥— मैसर्स जयवन्त डेवलपमेंट कारपेरिशन।

(सन्तरक)

 श्रीमली सुरेखा एम० णहा, हसमुख आर० णहा, भूपेन्त्र आर० शहा, ढनेण भार० शहा, रेखा डी० शहा, के० एच० शहा श्रीर ए० बी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पकरा सभ्योरित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन की नगिप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में जिल्लाक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के काय विचित्त में किए भा सकेंगी।

स्पर्धाकरण:---इसभे प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त ब्राधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या व्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो 17वीं मंजिल, जयवन्त अपार्टमेंटस्, धादरकर कम्भाउण्ड तुलसीवाडी, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैमाफि क० सं० अई-1/37ईई/8130/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी; महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जींग रेंज-ा, जम्ब्रह

दिनांक: 10-7-1986

मुक्त वार्षं ही तुन् वृद्ध व्यवन्त्रवास्था

लावकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

बाइत चडका

फार्यां वय , सहायक भायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, धम्बई धम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 सं• ग्रई-1-37ईई/8694/85-86---अतः मुझे, ग्र० प्रसाद,

जायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च को नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 33, जो 10वीं मंजिल, मातृ मन्दिर, 278, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है तारीख 8-11-1985

को पृथों कर सम्पत्ति के उष्तित बाबार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रममान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) बौर बंतरितीं (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग से उच्च बन्तरण निर्मित के बास्त्रिक हम से किया नहीं किया कमा है हि—

- (क) मन्तरण वं हृदं किसी भाग की बाबत : उक्त किसियम के बुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बुधने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, वा अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ क्निएडिटी द्वारा प्रकट महीं किया ब्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बतः केत, उक्त नाँभिनियम की भारा 269-ग के नमुसरक कें, ने, अक्त नाँभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेश कुमार जे० दाणी।

(अन्तरक)

 श्री योगेश जे० सहा, जितेन्द्र जे० सहा, विलीप जें० सहा श्रीर बिपीन जे० सहा ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरित

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पर्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां कारता हुं:

जनतु सम्परित् को अर्थनु को सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेपु ६---

- (क) हम ब्यूना में राज्यक में प्रकाशन की ताडींचा है 48 दिया की अपूर्धिय ना तत्क्ष्यकारी व्यक्तिस्तों पूर ब्यूना की तासील से 30 दिन की जनकिं, को भी नवित्र नार में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वित्र व्यक्तिस्त्रों में के किसी व्यक्तिय हुवाया
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त जिंदिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

फ्लैट नं० 33, जो, 10वीं मंजिल, मातृ मंन्दिर, 278, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकि का० सं० अई-1/37ईई/8186/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-1985 को रजिस्टटर्ड किया है।

> अ० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1986

प्रारूपः आह्रं .टी .एन .एस् . -----

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जूलाई 1986

निदेश सं० ग्राई-1/37-ईई/8656/85-86--ग्रतः म्झो, ग्र॰ प्रसाद

बायकर धिभिनियम, 1961 (1961 का 43) हैं जिले कार्में हुए ने बरवाए 'क्यू धिथियप' का एक एक हैं), की धरन 269-क् में बनीय प्रकास प्रतिभक्तारी को पह पिल्यान कार्में का कारण है कि स्थानर संस्थित, प्रियम उच्चित स्थानर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट सं० 705 जो बी-विंग-7वीं मंजिल श्रीपल नगर, एन० एस० रोष्ठ और जे० एम० मेहता रोड का जंक्णन, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269-क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 6-11-

को पूर्वोक्त संपत्ति के ब्रिया नाकार मुख्य से कह के क्यमनान प्रतिकान के निर्म नंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित वाचार मूल्य उपके क्यमान प्रतिकास से, ए'से क्यमान प्रतिकास का पत्तिह प्रतिकास से अपिक है और अन्तरक (सन्तरक) और नग्तिशियों (जन्तिरिश्यों) के बीच ए'से क्यक्ति के बिए तक पाना गया प्रतिकास, निम्निसिक्त उप्योचन से सक्त सम्बद्धन सिन्दित में वास्तिवक रूप से क्रिया वहीं किया प्रया है के

- (क) नम्बद्धम से हुन्दै किसी बाय की बावत्। क्या अभितिन्त्रम में वर्षीय कहा क्षेत्र में न्याहरू में शामित्य में कभी करने या उत्तर्ध क्यां में सुविका के विक्तः सीहर्/का
- (य) द्रेस किसी बाब या किसी थन वा धन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या प्रयोगनार्थ अंतरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, श्रियाने में स्विभा वी शिष्ट;

जतः अव, अका जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण पं मैं. अक्त जिभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अभीतः :---

- (1) श्री मन्भाई एच० शहा और त्विन चन्द्र एघ० शहा (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रिती बी० मेहता, श्रीमती चन्द्रावती के० मेहता श्री भरत के० मेहता और कीर्तिलाल ग्राई० मेहता ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालेग :-

- (क) इस सूमना को साजपण में प्रत्यापाप की दाखीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबका की सर्पाक्त से 30 किन की क्यांचित की धी स्वाधित होते, के धीक्रण क्यांचितकों में से किएते व्यक्ति होते, के धीक्रण क्यांचितकों में से किएते व्यक्तिक स्वाधितकों में से किएते व्यक्तिक स्वाधितकों होते.
- (ण) ६ स भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकारण: -- क्समे प्रयासका खब्दा आर वदा का, जा जनत स्विधिनयज्ञ, के सध्याम 20-क में परिभाषित हो, बहुदि सर्थ हागा को उस सम्यास में रिया गया हो।

अनुसूची

पलैट सं० 705 जो 7वीं मंजिल, बी-विंग, श्रीपल नगर, 12 हार्कनेस रोड (जे० मेहता रोड) बम्बई-6 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/8152/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

दितांक : 9-7-1986

प्रकृत कार्ष्यः हो । एतः एतः न्यान्यान्यान्य

बावकर व्यक्तिगयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

नारत चरकार

कार्यालन, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8806/85-86--मतः, मुझे, भ० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार बृज्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 73 जो 7वीं मंजिल, ए-विंग, मित्तल टावर्स, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 15-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिया बाकार मूल्य से कम के दश्यमान नितिक्त को लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाबार क्यूप, उसके क्ष्यमान प्रतिक्त से ऐसे क्यमान प्रतिक्त का पन्तह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय शया गया प्रतिक्रस, निम्नीसिश्चित उद्योक्य से उक्त अम्तर्व लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरम वे हुए किवी बाब की बाबत्_{त विश्व} बहुँगर्रेश्वम के अभीत कर दोने के बन्दरम के समित्य में क्वी अपने ना प्रवत्ने नलने के सुविधा के सिद्द करें/बा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी वन या नाय नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तिमें, अर्थात हिन्स (1) प्रार० कोतीलाल एण्ड कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रर्वन डेवलोपमेंट इन्स्टीटयूट

(ग्रन्तरिती)

(3) मन्तरिती

(वह ट्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के । कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की जनिभ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए का सकेंबे।

अनुस्ची

कार्यालय सं० 73. जी 7वीं मंजिल ए-विंग मित्तल टावर्स, प्लॉट सं० 210 नरीमन पॉइंट बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कि सं अई-1/37-ईई/8294/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

म० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

विनोक : 10-7-1986

प्रकृष कार्यः, हर्तः, एक्, एसः, क्रान्तः

आपकर अधिनियस, 1964 (1961 का 43) की भारा २६९-म (1) में जभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्षण आयुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-1, अम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० ग्नर्ध-/37-र्षर्ध/5134/85-86--मतः मुझे निसार महमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस सं० 156 जो 15वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स-6 नरीमन पाँइट बम्बई-21 में स्थित है) (और इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 22-11-1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्ष्यकात प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित्त बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एमे क्ष्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नोसिसित उच्चवेय से उच्च अन्तरण लिखिस के बासाविक रूप से कियत महाँ किया गया है है—

- (क) निराहर से हुई किसी नाय की बाबत, खबर अभिनियम में अभीत कह दोने ही स्त्यहरक में सावित्य में कभी कहने वा उससे नुक्रम में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसं किसी आव या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं लिए?
- , अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीत, निम्नसिवित अक्तिकों स्त्र विवास क्रम्स

- (1) मेसर्स विषय माता एवसपोर्टस ।
 - (भ्रन्तरक) इ मार्केटिंग प्राइवेट
- (2) मेसर्स प्रसमन एडवर्टाइयजिंग एण्ड मार्केटिंग प्राइवेट निमिटेड ।

(भन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितियों । (बह व्यक्ति जिसके ग्रीधभोग गें सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्मत्ति में हित- वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। एया हैं।

नन्ध्वी

कार्यालय प्रिमायसेस सं० 156 जो 15वीं मंजिल मेकर चैंबर्स--6 नरीमन पॉइंट बम्बई-21 में स्थित है । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-1/37-ईई/8402-ए/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

The state of the s

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

माब्कर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के स्थीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज−1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8801/85-86---- श्रतः मुझे निसार ग्रहमद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त विसका उचिन्न बाबार मृज्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 304 जो तीसरी मंजिल इमारत मेकर चेंवर्स-5 प्लॉट नं० 221 बक्बे रेकलमेशन स्किम नरीमन पाईट वस्वई-21 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-11-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्या के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गईं है और मुक्ते वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया करा निच्चितवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिजित में वास्तिक में वास्तिक को वास्तिक रूप से करियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाब की बाबत, उनव नीधीनबंध के वधीन कर दोने में बन्धरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; जोर/मा
- का एस जिल्ली काय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिल्हें भारतीय जायकर अभिनेत्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिय क्यारा प्रकट नहीं किया एका अपने मां सुविधा की जिला:

नतः नकः, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृ के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीत, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहन कुंडोमल परवानी पुत श्री धनश्यामदास परवानी जो मास्टर राजेश कुमार और श्री भरत-कुमार (उर्फ भरतमल या राजकुमार) के पिता और पालक। मझदा लिसिंग लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सचना चारी करके पूर्वीक्त सन्वीता से वर्षन से रैसड़ कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के सर्चन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए वा सकते।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्त विश् विसम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्च होगा, को उस सुध्यास में दिया गया है।

वग्तुकी

कार्यालय सं० 304 जो तीसरी मंजिल इमारत-मेकर चेंबर्स--5 प्लाट सं० 221 बकवे रेकलमेशन स्किम नरीमन पांईट बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/8289/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वामा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर बाबुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं, अई-1/37ईई/8799/85-86 ग्रतः मुझे ग्र॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट सं 105, जी पहली मंजिल उद्यान दर्शन इमारत सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई—28 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूषी में पूर्ण रूप से विजत हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 15—11—1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रिटिफस को लिए बन्सिरित की महै हैं और क्र्फे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास से, एसे क्यामान प्रतिकास का पंत्र प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कम निम्नलिबित उद्दोष्य से उक्त जन्तरण लिखित में आस्त-विक रूप से किया नमा हैं:---

- (क) बस्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उसके बिधिनियम के अधीन कार दोने के बस्तरक बी दावित्य में कार्यों कारने या उससे बचने में स्विधा जी निए; ब्राह्म/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए चा कियाने में सुविधा के किए;

बतः अब, उक्त अधिित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिलिश व्यक्तितमों, अर्थात ----

3--196 GI/86

(1) मैसर्स फेरानी डेव्सोपर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स थ्राँटी कन्ट्रोलम प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की समित सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासीस से 30 दिन की समित को भी
 समित को संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्थानता में से सिसी स्थानत स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 विश्व की भीतर उच्चत स्थावर सम्मत्ति में दिलबद्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वाय वधोहस्ताक्षरी के पास् जिलित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया

जन्सूची

क्लेट सं० 105, जो पहली मंजिल उद्यान दर्शन इमारत सुयामी रोड, प्रभादेवी, बम्बई--28 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कि के सं श्रई-1/37-ईई/8289/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बस्बर्ट

दिनांक 10-7-1986

प्र**रूप शार्च**े, टी., एन., एस., हा 🗕 -

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/8834/85-86--ग्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट सं 503 जो, 5वीं मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत सवानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18-11-1985

करे प्विंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्ञयमान प्रितिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का शृंद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दृश्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दृश्तिकल अप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण लं हुन्द्र किसी आन की वायत , उक्त धीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करड़े या उत्तर्ध क्त्रने में सुनिधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भेन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया आता बाहिए था छिपाने में सुविधा के निर्दे

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, टक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स फेरानी डेव्हले। पर्स

(ग्रन्तरक)

(2) हाउसिंग डेव्हर्लापमेंट फायनान्म कारपोरेणन लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिप कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति 🕉 अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अधिभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदां का, जो अन्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे। ओ उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 503, जी 5वीं मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत सयानी रोड प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई 1/37-ईई/8321/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

प्रकृप बाइ ., टी. एन. एस.,-----

नामकर अभिनियम, 196! (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सुन्तः

बारत प्रस्कान

कार्यालय, सहायक जायकर बागुक्त (विद्रासिण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8866/85-86 श्रतः मुझे ग्र० प्रसादः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट मं० 603 जी 6ठी मंजिल उद्यान दर्णन इमारत, सयानी रीड, प्रभावेबी वम्बई-265 में स्थित है (और इससे उपाबज प्रवृसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा भ्राकिर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-11-85

का पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान शितफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शितफल से एसे दश्यमान शितफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है अ—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्म नास्तिमी को जिन्हों भारतीय बाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर निभिन्मम, 1957 (1957 का 27) क अधीननार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए का, कियाने में सुविभा भी सिए;

चताः वष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स फेरानी डेव्हलीपर्स

(ग्रन्तरक)

(2) हाउसिंग डेब्हलीयसं फायनान्स कारपोरेशन लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्थन वी लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त संपत्ति में नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्ति।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

धनु मूची

फ्लेट सं० 603, जो छठी मंजिल उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रीड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 1/37-ईई/8352/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1; बस्बई

दिनांक: 10-7-1986

प्रकृत आहे..टी..एन . एस_{...=}------

बायकर वर्गिशनयम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के वर्षीय सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रर्ड-1/37-ईई/8615/85-86--श्रतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचार 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विशास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट सं० 1010 जो, पहली मंजिल, उद्यान दर्शन इसारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारतामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कदा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-11-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमनान् प्रतिकल के लिए अप्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार् मृत्य, जनके स्वयंजान प्रतिकास से, ऐसे स्वयंगान प्रतिकत्त को पन्तर प्रतिकात से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अप्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पासा गया प्रतिकत, निम्निसित स्वस्थित सही सिका स्था है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत सकत बहुधन नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सम्मित में कबी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; सीक/बा
- (क) एंकी किसी बाय या किसी घन या अन्य बास्तियों करे, बिन्हें भारतीय बामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वर्गः, सकत सीधिनियस की धारा 269 स से अनुसरफ़ के, में, सकत अधिनियम की धारा 269 म की बद्धारा /३) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स फरानी डेब्ह्लिपर्स

(ग्रन्तरक)

(2) डॉ॰ श्राशा पोतनीस

(ग्रन्तरिती)

की वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप :----

- (क) इस सूचमा के राजवन भें त्रकाशन की सारीस से 4.5 दिन की अवधि वा तस्त्रभ्वनधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद की समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त के विकासी भें से किसी व्यक्ति दुवास;
- (स्) इस मूपना के राज्यन से प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थु कि की जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाल िस्ति में किस का प्रकार की स्था

श्यक्षीकरणः — इसमे अग्रवस्त शब्द जिल्ला पत्ती ता जा अग्रवस्त अभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या श्या हैं।

अनुसूची

फ्लेट सं० 101, जो, पहली मंजिल उद्यान दर्शन इमारत सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क०सं० ग्रई-1/37-ईई/8114/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 10-7-1986

प्राह्म आहं. टी. एन. एत. ------

मायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के लभीन मचना

वारक र अधन

कार्यालय, सहायक भागकर नागुमल (चिरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8652/85-86--ग्रतः मुझे, अ० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∴69-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 403 जो, 4थी मंजिल उद्यान दर्शन इमारत, सवानी रोड प्रभादेवी बम्बई-28 में स्थित है। (और इससे उपावध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-11-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यक्षात्र प्रिष्ठिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्म, उसके रश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह भितात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (गंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उक्षेष्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज्ञान्त्र से हुई किसी काय की बाबता, उनस विविद्य की वर्षीय कर देने के जन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) एंकी किसी अध्य या किसी थन या अन्य बास्तियाँ को खिन्हें भारतीय आव-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उथत निधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारेहर था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-श को उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स फेरानी डेव्हलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स हिरा इंटरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत सम्मति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व के 45 विन की जविधि या तत्सम्बन्धी स्विकतां कर सूचना की तामीन से 30 विन की बव्धि, को भी वव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए था स्कींगे।

क्यक्टीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों भीर पर्वी का, को स्थक अभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषितः हैं, यही स्थि होगा थी उस मध्याय में विका गया हैं।

अससची

फ्लेंट सं० 403 जो 4थी मंजिल उद्यान दर्गन १मारत सयानी रोड; प्रभादेवी; बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37–ईई/8148/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6–11–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ग्र० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1; बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

प्रकृष बाह्र दी . एत . एस . --------

बाधकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की वधीन स्वना

ब्रास्त बहुकार

कार्यावच, तहायक नायकर नायकर (निद्रांतिक) प्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं ॰ ग्रई-1/37-ईई/8832/85-86--ग्रतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

गामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम्' कहा गया हु"), कौ भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मस्व 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 604. जो, 6ठी मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत, स्यानी रोड, प्रभदेवी, बम्बई—25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्मिरित के जियत बाजार मूख्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूख्य उसके क्षयमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिशत से विश्वक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तस पासा नया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से बास्तिबक रूप से अर्थन वहाँ किया बना है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आयः की वायतः, अक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने था उससे बचने में मुसियः के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भून या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना भाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः पव, उक्त विभिनियम की भाषा 269-ग के बन्दरण में, बी, उक्त व्यक्तियम की भाषा 269-म की उक्तारा (1) को अभीन, निम्नजिनिक स्थामसभा_य अभीन ध— (1) मेसर्स फेरानी डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) हाउसिंग डेव्हलोपमेंट फायनान्स कारपोरेशन लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

का बहु सुधना जारी करके पृशांकत सम्मत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां क्रक करता हां।

जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा नभोहस्ताकारी के पास लिसित में किए या सकेंगे।

स्पन्नतिकर्ण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पत्नों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, मही वर्ष होया को अध्यान में दिवा वक्त ही।

मन्स्ची

फ्लेट सं० 604, जो, 6ठी मंजिल; उद्यान दर्शन इमारत; प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई/8319/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक : 10-7-1986

मोहर

प्रकल कार्द्र , टॉंच पुण : पु<u>ष्ठ⊕क्त्राक्त</u>ाक

नायकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बासकर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/8833/85-86--श्रतः मुझे, घा प्रसाद,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है" कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेष्ट सं० 504, जो, 5वीं मंजिल, उद्यान दर्णन इमारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूणं रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 18—11—85,

की पृथिक्त सम्मित्त के उपित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के निए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्विक्त सम्मित का उपित बाबार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकत से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उट्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उस्कें अधिरिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दाधिरल में कमी करने या उससे तकते में मित्रिक्षा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था जिपाने में साविधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ए वी अनुसरण मों, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) मेसर्स फ़ेरानी डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) हाउमिंग डेव्हलोपमेंट फायनान्म का रपेरिशन लिमिटेड (अमारिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकावन की सारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तानीस से 30 दिन की वनिष, को मी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की शारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 विभिन्न में किए ला सकोंचे।

रपण्डीकरणः -इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, को सक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लेट सं० 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सयानी रोड, प्रभादेवी, वस्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-1/37—ईई/8320/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11— 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

स्र० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ंग्रर्जन रेंज-1, वस्वई

दिनांक : 10-7-1986

:मोहर

प्रक्य **मार्ड**. टी. एन. एस. -----

मायकर नांभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक जायकर जायकत (निश्लेकण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986 निवेश सं० ग्रर्ह-1/37–ईई/8657/85–86–-ग्रत: मुझे, ग्र० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अभिनियम' अक् गया हैं), की भाषा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य क. 1,00,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 502, जो, 56ों मंजिल, पराग इमारत, 27, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में और पूणं रूप से विणित हैं), /और जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 6-11-1985,

का पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बत्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्सरण में हुन्हें किसी साथ की बाजता, असत सिंधिनयम के माधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; मार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

कतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, संभित् हिन्स (1) श्रीमती नवलबेन एन० वोराओरश्री निर्मिण जे० वोरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्दूर यू० थडानी।

(भ्रन्तिरती)

(3) भ्रन्तिरती ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में आहे भी नाकंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सरबन्धी व्यक्तियों पार स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश में हितबहुध किसी बन्य स्थिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्थळीकरण .— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ ज्ञांगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

ब्लाक सं० 502 जो 5वीं मंजिल, पराग इमारस, 27, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि क. सं० श्रई-1/37/ईई-8153/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद मक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनर्रेज-1, बम्बई

दिनांक : 9-7-1986

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थरा 269 व (1) के जबीत स्वना

साउत उद्यक्तर

कार्यासन्, सहान्क नायकर नान्त्रस (रिनर्डाक्षण)

अर्जन रेंण-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8730/85-86---अतः मुझें, अ॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उध्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको फ्लैट सं० ए-121, जो, 1.1वी मंजिल, विनार इमारन, सी० एसं० नं० 336 श्रीर 506, दादर वायगांव डिविजन, सिवरो श्रॉम रोड श्रीर रफीक किदवई रीड, वडाला, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनसुची में श्रीर पूण-रूप में विजन है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 11−11−85, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रविक्त के निए मंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का वन्तर श्री किया गया प्रतिफल से विष् तथा करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का वन्तर श्री कारित से विष्क है और मन्तरण के निए तथ भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्धे स्था उक्त बन्तरण के निए तथ भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्धे स्था उक्त बन्तरण के सिख तमें वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है हि—

- (क) जंतरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या इसते बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

सतः अग, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्सरण रॅ, गॅ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की जयभारा (1) के बभीनः निश्नसिक्त व्यक्तियों स्वर्थात् ६— 4—196 GI/86 (1) मेमर्स दिनेश चन्द्र विजयकुषार ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयिकशीन ए० रूपानी श्रीर बानीक ए० रूपानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के हिंगए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में की हैं भी बाक्षेप 🌤

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निकित में किए वा सकोंगी।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलैट सं० ए-121, जो, 14, मंजिल, चिनार इमारत, व्लॉट नं० सी० एस० नं० 336 और 506, दादर बायगाव डिविजन, सिवरी कॉस रोड और रफीक फिदवई रोड, वडाला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8221/85-86 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है!

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनरंक: 10-7-1986

अरूप् नार्च .टी.एन.. एवं . ------

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

जिदेश सं० अई-1/37-ईई/8762/85-86--जतः, मुझे. **श**० प्रसाद,

बायकर सिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा १७९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका निमत बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी फ्लैट सं० 7, जो, 15वी मंजिल, अवंती अपार्ट-मेंट्स, बी-विंग, फलन्क रोड, सायन, बम्बई-22 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारतामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा, 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 14-11-1985,

की प्रांकित सम्मतित के उचित बाकार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कर संपित का उपित प्राज्ञत प्राज्ञत प्राप्त मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्राप्त के दिश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्राप्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त कर्षिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिमित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वें सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुमरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, विक्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती गालिनी सरभुखलाल জিজুबाछिया । (জনসংক্র
- (2) श्रीमतो एषा एक्सी एपता ग्रोर श्री रक्सी एतीयात शहा ।

(अन्तिरिती)

(3) अन्तरितियों।
(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पृबेक्ति सम्पि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के राम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इसस्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर विशेष स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

पलैट सं० 7, जो, 15वी मंजिल, अवंती अपार्टमेंट्स, बी-विंग, फर्लैन्स रोड, सायत, बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि क० सं० अई-1/37-ईई/8271/85-86 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 को रजिल्टई लिया गया है।

अ० प्रसाद सिक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिशांक : 10-7-1986

ग्र० प्रसाद.

इंडल हाई'.डी. एन एह. ----

णावकर श्विनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन स्थ्ना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, बस्वई वस्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/8637/85-86--अतः, मझे,

भागापर अधिनयम, 196! (1961 का 43) (जिस इसवी इसकी पत्रचात् 'उकत अधितियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उभित्त बाजार मृत्य 1,00,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी पलैट सं० 3, जो, बी-विंग, 7वी मंजिल, तेहमी टेरेस, डॉ० बी० ए० रोड, खोदादाद सर्कल, बम्बई-14 में स्थित है (ग्रौर इतसे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीए पूणें रूप विंगत है) /ग्रोर जिसका करारभामा आयकर ग्रीधित्यम, 1961 की बारा 269 कख ने अधीम, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिपस्ट्री है, दिनांक 5-11-1985;

कां प्याक्त संप्रित कं उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मृक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उराजे क्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का यंद्र प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कलारितयां) कं बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया यथा प्रदिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव का बावता उनके का प्रांतिका के ब्यान कर दने के बन्दरक के बर्धरक में क्षानी कप्तने या उससे इसने में सुनिया का वृद्धि का क्षान का वृद्धि का क्षान का वृद्धि का व्यान का वृद्धि का का व्यान का वृद्धि का वृद्धि का व्यान का वृद्धि क
- ्क) इंदी किसी बाब या किसी पर वा बन्ध वास्त्वां का, पिन्ह नारतीय आव-के का धारित्या 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उपा अधिनियम की धारा 269-घ की जणधारा (1) के क्यीन, निम्निविद्य व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्री भूपेन्द्र के॰ कामदार और श्रीमती सूहारिनी बी॰ कामदार ।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमती ज्योति एच० दवे श्रीर श्रो हरोष एम० दवे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के तिए कायवाहिए करता हा।

तक्त सम्बन्धि के वर्षन के तम्बन्ध में काई भी बाक्षेष है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिता हों से किसी व्यक्तिता हुं हों से भीतर पूर्वोक्स
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पोत्य में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यव्याकरण -- इतम प्रयुक्त शब्दों हीर पक्षें का, थी सबस् हरियासम्, के स्थाय 20-क में परिभाषिक हैं नहीं सूर्य होना जा उस स्थाय में दिया स्था हैं।

अनुसुद्ध

फ्लैट सं० 3, जो, बी-विग, 7वी मंजिल, तेहमी टेरेस, 805, डा० बी० ए० रोड, खोदादाद सर्केल, बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8134/85-86 ऋौर जो पक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रजिस्टई किया गया है ।

> अ**० प्र**माद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयुका (नि**रीक्षण**) अर्जन रे**ज-1, बम्बई**

दितंक: 10-7-1986

प्रकृष वाही. टी. एस. एस्. १४४० ----

बायुकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाग

मार्क स्रकाड

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निडींबान)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 10 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8881/85-86--अतः मुझे, भ्राट प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु'), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतः करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको पलैट सं० 2ए, जो, पहली मंजिल, वसंत इसारत, वसंग विला को-आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 3-वो, जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूण रूप से बिणत हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिशांक 20-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल ने, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्सूझ प्रतिकत से अधिक है जीए अन्तरक (अन्तरकों) बीड अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अत्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकत विस्नतिविध उच्चेष्य से उच्त अंतरण सिवित में बार्शक कर से अधिक नहीं किया गया है है—

- [क) चंतरण वं हुई किती नाव की वावत, अवक अधिनियम के मुधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; कार/था
- (७) एसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य बास्तुओं की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

श्रद्ध श्रव उक्त विश्वतिषम की भार 263-ग के अनुसरण को अर्था, श्राचक विश्वतिक्य की बारा 269-म की उपधारा रिश्टें को समीत्, निस्तिनिव व्यक्तियों, वर्धात ए—- (1) श्री एच० के० मेठना।

(अन्तरक)

- (2) श्री होमी मेहना एण्ड सन्स प्राइनेट लि॰। (अन्तरिती)
- (3) श्री तुलसीयानी सी० छान्निया, अर्जन सी० छान्निया श्रीर नारायणदास सी० छान्निया। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती रानी एन० छात्रिया, अजय एन० छात्रिया, विजय एन० छात्रिया श्रीर संजय एन० छात्रिया।

का वह सूचना पा<u>री</u> कारके पृत्रों वत संपरित को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिप, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कर्तात्वया में से कियी व्यक्ति सुवादा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकति।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उन्त आंधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, यही अर्थ हारेत को जान आयाद माँ दिया मना है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 2ए, जो, 1पहली मंजिल, इमारत 'वसंत", वसंत विला को०-ऑप० हार्जिंसग सोसायटी लि०-3-बी, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० मं० अई--1/37-ईई/8366/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20--11-1985 को रजिस्टई किया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिमांक : 10-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संबंधर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां र 9 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8964/85-86--अतः; मुझे, श्र॰ प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्क्पित्त, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी पलैट सं० 45. जो, 9वी मंजिल, श्रमीता इमारत, 7; जनरल जे० बी०-मार्ग, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कुछ के श्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिशांक 26-11-1985,

कां पृथेकित सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कमं के रहममान शितफास के जिए अंतरित की नहीं है और मृझे यह विश्यास करने का कारण है कि बचापृशेषित सम्मतित का उचित बाजार भृष्य . उसके क्ष्यमान प्रतिफास में, एमें स्वयमान प्रतिफास का पन्छ । शित्यक से सांभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच रोसे अन्तरण के सिए तय पाया चया अतिफास, निम्मविधित उक्ष्योसमें से उच्छ अन्तरण खिक्ति में बास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है इ—

- (स) अस्तरचा से सूचू किसी आध्य कर्त बावका. उच्चत अधिक्रिक्स के संशीत कर दोने के अन्तरक के वर्तियस्य मो कनी क्षत्रके या उससे बचने मो सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एंडी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाशनार्थ अन्तरिती व्जारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिया के किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की लगभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दिनेशा जे० दलाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पृष्यादेवी ए० बिसानी श्रोर कमलिक्शोर एच० विचानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों । (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के **टिए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारी खंध के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारा के पाउ विकास में किए जा सकती।

न्यव्हीकरणः---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पत्नी का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, वहां अर्थ हारेगा आ उस ८ ध्याय माँ दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट सं० 45, जो, 9वी मंजिल, इमारत "अमीता", 7, जनरल जें० बी० मार्ग, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8448/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज—1, बम्बई

दिनांक : 9-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.----

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंल-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ज् 1986

निदेः: सं० अई-ा/37-ईई/8732/85-8----अतः मुझे, ग्र**० प्रसा**द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० गार्यालय न० 17, जो 5वी मंजिल, दालामत टाँवर्स, प्लाट सं० 211, परीमन पाँइंट, बम्बई—21 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूण रूप ने वींगत है), स्रौर जिसान करारतामा आयकर स्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के लायलिय में रजिस्टी है, दिशांक 11-11-85,

को पूर्वीयत सम्पत्ति के जीयत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कामण है कि यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का जीयत बाजार मूल्य, जनक श्रमान प्रतिफल सं, एसे श्रमान प्रतिफल के पहर प्रतिशत से बांधक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्ति एंडिटा) के दान एसे अन्त एम दें । अप प्रति प्रति है कि दान एसे अन्ति अन्तरण लिखित में बास्ति मुझ कर से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- ्खा एसी किसी बाथ या किसी धन या बन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री हरेश अस्पनानी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दिपक इण्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काण्याहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप "--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन कीं अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जीतर अवत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यापत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में वि थे जा सकीं।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रजुत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अभे हतेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार्यालय सं० 17, जो, 5वी मंजिल, दालामल टाँवर्स, 211 नरीमन पाँइंट, वम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसािक कर मंर एई-1/37-ईई/8223/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> अ० प्रमाद गक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 9-7-1986

मोहर 🕹

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.------

माबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत बच्छार

कार्यासम्, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंड-1, बम्बई

बम्बई, दिगांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अर्द-1/37-ईई/8787/85-86--धत, मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1, जो, पहलो मंजिल, मार्बेल श्रर्च, 52, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 15-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह जिदबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नोसिस्त उद्देष्य से उस्त कन्तरण मिणिक में मारहा विकास क्या से कामत नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाधत, स्वक्त श्रीधनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निए;

अत: आक, उसत औधीनयम की धारा 269-ग के अनूसरण हैं. में, उस अभिनेश्वम की पाल 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निकालिसिल व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री । मलजी। सिंग (हिं० अ० कु०)। (अन्तरक)
- (2) एवं बीर आईंर इन्सुनेटर्स भाइवेट लिर भीर एचंर एलंर रेचाट इंजीनियरिंग प्राइवेट लिर्स (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को नइ स्वता पारी कर्जे पृथोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवदा संवर्ष्टि के अर्थन औ संबंध के कोई भी आसाँप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्यं वंधी व्यक्तिसारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इर सूचना इ राज्यत्र में प्रकाशन की लारांध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए का सकींग।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियस, को अध्याय 20-क में परिशाधित तै, वहीं कर्भ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अम्भाषी

ल टप नं ० १, जो, पहली मंजिल, मार्बेल अर्च, 52, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि कं कं अई-1/37-ईई/8276/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रिष्टर्ट्ड क्या गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जभ रोज-1, बस्बई

दिनाँक : 10-7**-**1986

अ**रूप आह**ें_द**ी. एवं. एवं** , जनननप्रशासनना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से बधीन स्चना

भारत करकार

कार्यात्रय, सङ्घायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुल ई 6

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8982/85-86--अतः मुझ, अ० प्रसाद,

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पन्ति, विसका उचित नावार मूच्य 1,00,000/- साल संज्ञीक हैं

ग्राँग जिसकी पलैंट सं० 3, जो, 7वी मंजिल, स्कायस्क्रपर—बो, सिघ वर्क को०—अप० हाउडिंग सोप्रायटी लि०, वार्डन रोड, वस्वर्ध—26 में स्थित है (कोग इसमे उपावद्ध अनुसूची में भ्रांग पूर्ण रूप से विभिन्न है) /ग्रींग स्थित कराग्यामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को घारा 269 कख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिंग्ट्रों हैं, दिमांक 26—11—1985,

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिसित उद्वेद्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धद्रम संबुद्ध किसी बाय की बावद्य, उपक मिनियम से वंशीन कार दोने के बन्दारक को दारियल में कमी करने या असब बचने में ब्रिया के निर्देश और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी वन या जन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय सम्बक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ४(1) श्रीमतो सरोज दिवान ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो मधु बार० मार्राडया श्रीरश्री राकेश एम० मार्राडया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथाँकत इन्सील, से अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

वच्य बन्धीतः में वर्षन के सम्बन्ध में कोई वी बाओप:----

- (क) इस न्या के राज्य के प्रकारक की वार्ष से 45 विन की व्यक्ति या तत्त्रं वंधी व्यक्तियों पर स्वात की तानील से 30 विन की जनिय, यो भी अविष् वाद के बनाय होती हो, से भीतर प्रांक्त व्यक्तियों के किसी स्वक्ति हनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में त्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी नन्त व्यक्ति ह्यारा, अभोहस्ताक्षत्री के शस सिवित में किसे वा स्थोंने।

स्वयं करणः - इतमें प्रयुक्त कर्मा और पर्यो का, जो उपके विश्विद्या के अभाव 20-क में प्रिशाणित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस सध्यास में विका प्रयाहते।

वभूसूची

फ्लैंट सं० 3, जो, 7वी मंजिल, स्फायस्क्रपर—बी, वार्डन रोड, (सिध वर्क को०-अपि० हॉंडिसिंग सोसायटी लि०), बम्बई-26 में स्थित है।

अनुमूची जैमा ि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8467/85-86 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 26-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 10-7-1986

प्रारूप बाईं.टीं.एन.एस....----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8647/85-86--- अतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

भागकर विभिनियम_ः 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें असके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-स कें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाबार स्वा 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० 14 जो, 2री मंजिल, न्यू सागर दर्शन को-श्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबव प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 5-11-1985

को पूर्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापनींक्त सम्पत्ति का उचित बाकर क्ष्म, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दक्ष्यनान प्रतिफल का कंद्र प्रतिकत से अधिक है जोर संचरफ (संतरका) जोर संच-रिती (संतरित्रों) के बीच ऐसे संचरण के निष् तब नावत क्या कांद्रकम, निम्नानिकत उपयोक्त से स्थल वंदरण किंदिक से बालाईक्क क्य से कहनद नहीं किया कम है के

- (क) बन्तरण में हुन्दें किसी बाय की वासत, संबद्ध वरिपनियम के वर्षीय कर दोने के वंतरण के द्वित्रक में कर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के किए? मरि/या
- (म) एनी किसी बाय या किसी धन या कर्य जारितकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिन्हों में 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा के लिए।

(1) बी० के० श्रारोरा।

(भ्रन्तरक)

(2) लिना चोकसी और राजेंद्र चोकसी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुपना जारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के बधन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

जबरा सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह⊸ा

- (क) इस सुजना को राजपण को प्रवाधन की तारीख से 45 विन की जनीं का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुबना की तामीज से 30 विन की जनीं , को भी तर पृत्रों कर मांसमाप्त होती को, को भीतर पृत्रों कर महिल्ला में के निकार की कार्या के स्वाराह

स्पक्तिस्थः -- इसमें प्रवृक्त कव्यों और वर्षों का, थो उक्त अधिनिक्य के स्थाय 20-क में परिश्राधित हैं के वहीं सर्थ होगा थो उस अध्वाय में विमा क्या है।

नग्स्की

प्लैट नं० 14, जो; 2री मंजिल; -यू सागर दर्शन को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 81/83, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसाकी सं० श्चई-1/37-ईई/8143/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-7-1986

प्रकार कार्यो हो हो । इस : अस्तर सम्मान

माणकर माधितियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8974/85-86----- श्रतः मृंझे, ग्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, जो, 7वीं मंजिल, स्काय-स्क्रंपर-बी, भुलाभाई बसाई रोड, बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपावद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1861 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 26-11-1985

को पूर्वोत्रत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृष्य, उशके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकृत से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरित (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया बबा बितियत निकालिबात उव्देश्य से उच्छ अंतरण कि सिवा में बास्तियत करण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अञ्चरण से हुइ किसी बाब की बाबत, अव्यक्ष अधिनियम के जचीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या स्वतं व्यक्षे में सुविधा के लिए; बाक्र/बा
- (व) एंची किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, वा धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा वी किया

बतः अय उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के व्यन्सरण के, भें, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वर्धार, सिम्मीविवित व्यक्तिवाँ, नवाँच के—

(1) श्रीमती सरोज के दिवान।

(भ्रन्तरक)

(2) मधु ब्रार० मार्राडिया और श्री राकेश एस० मार्राडिया।

(ग्रन्तरिती)

(3) सिंध-वर्क को-म्रांप० हार्जिसग सोसायटी लि०। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में

सम्पत्ति है)

(4) सोसायटी के सदस्य।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि

वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को गह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की जनित वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जनित, जो भी शनिथ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिव को भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित में हिराबब्ब किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकरी।

स्पल्डीकरणः --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका मना है।

नमृत्यो

पर्लौट नं० 3, जो, 7वीं मंजिल, स्कायस्क्रंपर-बी, भुला-मा३ देसाई रोड, बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० भई-1/37-ईई/8559/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्च० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 10-7-1986

मोहर 🖫

प्रकार आहे. टी. एवं . एतं . -----

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत परकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-1 बम्बई बम्बई; दिनांक 10 जुलाई 1986

निवेश सं० ऋई-1/37-ईई/8707/85-86---अतः महो, अ० प्रसाद,

कायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारूज हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित वाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं कार्यालय कमरा नं 29, जो, जांली मेकर चेंबर-2, 225, नरीमन पांइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 8-11-1985। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित कि गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वर्ष से उच्यत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विवन के अपीन कर देने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बियु; बार/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्च नास्तिकों का? जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया वाना जाहिए था, किया में कृषिणा के विष्

वर्ताक अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के वनुवरक् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मार्शल प्रोडयूस क्षोकर्स कंपनी प्रायवेट लिमिटेड।
 (अन्तरक)
- (2) श्री रामचंद नारायणदास (8 नांमिनीज श्रिनण कें श्रजूमल, श्रमरीता कें श्रजूमल, गिरीण श्रार० श्रजूमल, हर्षद श्रार० श्रजूमल, नंदिनी बी० श्रजूमल, श्रमिताभ बी० श्रजूमल, सी०कें० श्रजूमल और मानव कें श्रजूमल)। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वींकत सभ्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों स्थान पर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियें द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त कन्धों और पदों का, जो उक्त कांध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युकी

"कार्यालय कमरा नं० 29, को, जॉली मेकर चेंबर-2, 225, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसाकी क्र॰सं॰ ग्रई-1/37-ईई/8198/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्च० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 1**8-**6-1986

प्रकृत कार्य हो है । **एक्**य एक्ट - म न - स-

बावकात जीपीनियम, 1961 (1961 का 43) वहीं पाडा 269-च (1) के अभीत सुच्चा

भारत सरकार

कार्याजय, जहायक नायकर बायुक्त (निद्रांशाण)

श्चर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/8751/85-86---श्रतः मुझे श्र० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 806 जो 8वीं मंजिल रहेजा सेंटर नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 13-11-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य है कम के इच्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विक्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मृन्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मृत्रित्यम् व न्यीन् कृद देथे के नृत्युक के दावित्य में कमी करने मा अनुस्ते वसने में दुविता के सिए; मीत्र/दः
- (क) एसी किसी अाथ का किसी भन का जन्म जारितकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्क अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के शिक्क

लदः सन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) मेससं सुरेंद्र इंडस्ट्रियल प्रायवेट लि० (प्रोप्रायटर आंफ़ सुनील ट्रान्सपोर्ट कंपनी) (अन्तरक)
- (2) मेसर्स श्राणिमा सिटेक्स प्रायवेट लि०। (भन्तरिती)
- (3) मन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति से वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत सम्पत्ति की क्षर्यन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचवा की सामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति प्वारा कथांहस्ताकारी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 806 जो 8वीं मंजिल रहेजा सेंटर नरीमन पांइंट बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/8242/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक 13-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्च० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-7-1986

प्ररूप वाद . टी. एन. एस -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 2 ज्लाई 1986

निदेश सं० अई० 37ई०ई०/8711/85-86 अतः मुझें, अ० प्रसाद,

बाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी, सं० कार्यालय कमरा नं० 29, जो जाली मेंकर चेंम्बर्स नं० 2, 223, नरीमन पॉइट, बम्बई-21 में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध अनस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजिल्ट्री है, तारीख 8-11-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खकत नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के शिवप्तु और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गुया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए;

अकः जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) **मार्शल प्रोडयू**स क्रोकर्स कम्पना प्रा**इ**वेट लि०। (अन्धरक)
- (2) श्री रामचन्द नारायणदास । (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (**1**) इस स्**प**ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्**ष्ध** किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ~- इसमें प्रयुक्त क्रव्यो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिक्षाचित हों, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में विया गया हो।

अनुस्ची

कार्यालय कमरा नं० 29, जो, जांलो मेकर चेंबर्स नं० 2, 223, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०सं०अई-1/37-ईई/8282/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई,

तारीख: 10-7-1986 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिमांक 10 जुलाई 1986 . निदेश सं० अई-1/37-ईई/8952/85-86—अत: मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 18, जो, 7वी मंजिल, मात मंदिर, 278, ताढदेव रोड, बम्बई-7, में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 25-11-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविय, रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाग्नित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

नतः अव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत्:—— (1) प्रकाश कें ल्या।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूदर्शन कुमारी एस० अगरवाल, श्री संजयकुमार एस० अगरवाल, ग्रीर श्री राकेश कुमार एस० अगरवाल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो, 7वी मंजिल, मातू मंदिर, 278, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाकि क०सं० मई-1/37-ईई/8437/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई और दिनांक 25-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जंभ, रेंज-1 अम्बर्फ

तारीख: 10-7-1986

मुक्त बार्व हा . एव . एव हा स्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड हे दिशांक 10 जन्मही

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश मं० अई-1/37-ईई/9014/85-86--- अतः, मुर्झे,

घ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिक्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं कार्यालय नं 121, जो, 12वी मंजिल, सी-विंग, मिलल कोर्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा 'आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तर्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी ट्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती रसिका के० गरोडिया । (अन्तरक)
- (2) श्री देवेंद्रकुमार डी० जैन और श्रीमती मंजू भाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनं की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

أنجي

कार्यास्य नं० 121, जो, 12वी मंक्रिल, सी-विंग, मिसल कोट, नरीमन पहिंट, बम्बई-21 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क०सं० अई-1/37-ईई/8499/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1, बम्बई

कारीख: 10-7-1986

प्रकर बार्ड .टी .एन .एन .------

करम्बार अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) स्त्री भारा 269-म (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्याक्षमः, राष्ट्रामक आवकर आवक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/8786/85-86—अत:, मुझे, भ्राव प्रमाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल जिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार ब्रुक्व 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं० कार्यालय नं० 71, जो, 7वी मंजिल, श्रीप्रेस हाँ उस, नरीमन पाँइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीप जिसका कराप्तामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री हैं, दिनांक 14-11-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य ते कव के जावजान बितिफक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निसित उक्देश्य से उक्त अन्तरण कि विष् तब वासा गया प्रतिफल, निम्निसित उक्देश्य से उक्त अन्तरण कि विष् ते विष् से किया से बास्तिक रूप से किया नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किती कार्य की, वायरा, उच्च विभिनियम की अभीत कर दोने को अन्तरक कें दायित्य में कभी करने वा उससे वचने में तृत्रिधा के विद्यु: क्षीर/वा
- (क) होती किसी साथ या किसी भन या क्ष्म सास्तिकों को निन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उधत अधिनियम, या भग- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तर्भरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया नाना चाहिए था, कियानं में सुविधा के लिए;

अतः अनं, उक्त अविनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भः, गः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण को उपधारा (1) अ अभीग, निष्मिधिक स्पन्तियों, अर्थात् क--- (1) श्रीमती अश्रुदा बी० पटेल, बिपीन आई० पटेल (मितिप ट्रस्ट के द्रस्टी), कन्हैयालाल के० मोदी, श्रीमती फेनी एस० बुन्शा ग्रीर श्री जैनसिन्ह बी० स्खाने।

(अन्तरकः)

(2) मेमर्म बालक्षण पेपर मिल्स् लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उपत सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में कमाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इतत्वमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच विविध में किस् वा सकर्ति।

स्पाक्तीकरण :—-इतर्ने प्रयुक्त सुख्यों और वर्गों का, भी उक्त विभिनियस, के कथ्याय 20-क में परिशायित हैं, यहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्वा है ≣

नपुज्बी

कार्यालय नं० 71, जो, 7वी मंजिल, फीप्रेस हाँउस, प्लाट नं० 215, नरीमन पाँइट, अम्बई-21 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-1/37-ईई/8275/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> अ० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई,

तारी**ख**: 10**-7-**1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,------

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० श्रई०-1/37-ईई/880ई/85-86—श्रतः मुझे, श्र० प्रमाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 305, जो, 3री मंजिल मेकर चेंब्रसं-5, प्लॉट न० 221, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 15-11-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ट्यूबेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चें लिए;

बतः ककः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कै अभीन जिल्हा जिल्हा व्यक्तिसों, अर्थात :—— (1) श्री गोपालदास यू० श्रहुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर एन० भोईर और श्रीमती मनाली एम० भोईर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वशिकरणः — इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

कार्यालय नं० 305, जो, 3री मंजिल, इमारत मेकर चेंबसं-5 प्लॉट नं० 221, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37- ई/8292/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक् श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंप-1 बस्बई

तारीख: 10-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8829/85-86---ग्रतः मुझे, ग्र**०** प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फायनल प्लांट नं० 821, टीपीएस-4, कालेज लेन, पोर्तगीज चर्च के पास, दावर, बम्बई-28 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है): और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 10-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतौरत को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, भीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्काम, निम्निनिकत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती श्रवंना श्रगापिटो एफ० पॉल डिसोझा की पत्नी, कारमो श्रगापिटो एफ, पॉल डिसोझा के पुत्र, ऑप जोसेफ श्रगापिटो एफ० पॉल डिसोझा, के पुत्र। श्रीमती शांतीदेवी श्रमरनाथ सिंग और श्रीमती श्ररूणा भास्कर शेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

५. यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पारंपरिक जमीन और प्रिमायसेस जिसका सिटी सर्वे नं॰ फायनल प्लॉट नं॰ 821, टीपीएस 4, कॉलेंज लेन, पोर्तगीज चर्च के पास, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं०श्रई-1/37-ईई/8616/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1986

प्रकार जार[े]ं टी_ट पुष्_ठ पुष्_ठ » का »

मध्यकर वामिनियम, 1961 (1961 मा 43) पा धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० श्रर्ध-1/37-ईई/8954/85-86—-श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रांधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 46 जो 10वीं मंजिल, हनुमान गरन को-भ्रांप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 87/87-ए, बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 25-11-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विद्यास करने का जारण हैं कि यसायूकाकत सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य उसके श्रूषमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिश्वत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अरुपिंग्जों) के बीच एंसे अन्तर्थ के लिए तब बाबा गया प्रतिक का , निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्य भिवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ छ हुई कियो मान की नामत उपक अधि-। नवस की मधीन कर दोनें को सन्तरक के दामित्त मी कमी करने या उसके बखने में सुविभा के लिए; मधि-वा
- (क) एंसी विक्ती माय या किसी धन वा बन्य मास्तियों की, जिन्हों शारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च मिनियम, वा धूम्ब कम लोधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाया बाहिए वा, कियाने में सुविधा में शिवा

क्षातः श्रेष , स्थल विधिनियम की नाश 269-म वी विष्युष्य में , में , उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविषय स्थितियों, विधिति हैं---

(1) श्रीमती भगवंती एम० हेमनानी।

(ग्रन्तरक)

(2) रजनीकांत सी० णहा, श्रीमती, हेमलता स्नार० णहा, और हेमंत स्नार० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह बूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मात्त के वर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां कारता हुं।

बन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की जनभि, को भी जन्मि बाद में सजाप्त होती हो, भी भीतर पूनों बद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्यूथ किसी बन्म स्थित युवास, अभोइस्ताकरी के पाद सिवित में किए था सकत्ये।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 46, जो 10वीं मंजिल, हनुमान शरन को-भ्रांप० हार्जीमग सोसायटी लि०, बोमनजी पेटीट रोड, वम्बई-36 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकि किश्वं भाई-1/37-ईई/8439/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-85 को रिजस्टर्ड किया गया है

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 9-7-1986

माहर :

मुक्त मार्च हो दुन , एस

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सूचका

भारत सरकार

कार्याध्य, सहायक मायकर आयुक्त (निरीकान)

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9018/85-86--श्रतः मुझे ग्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्राचात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बंधीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० बी-2 जो 21वीं मंजिल, प्रिथ्वी अपार्टमेंट, श्रल्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं और इसमें उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 29-11-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पबह प्रतिकात सं विध्व है और वंतरका (अंतरकां) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिबत उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिपिनयम के बधीन कर दोने के बंतरक के दाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तिनों कारे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, बा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना भाहिए था, फियाने में सुविधा थे थिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, कैं. उपत अधिनियक की भारा 269-च की उपभारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री के॰एम॰ पटेल और श्री डी॰एम॰ पटेल (ग्रान्तरक)
- (2) श्रीमती दिव्या राज भोजवानी और श्री ग्रजंन बी० भोजवानी।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

क्ष्मक सःयक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तिसर्वों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत व्यारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निधित में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, आ उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया यथा है।

बन्स्वी

फ्लंट नं० बी-2, जो 21वीं मंजिल, प्रिथ्वी श्रपार्टमेंट, श्रन्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क्र०सं०भ्रई-1/37-ईई/8503/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी त्रम्बई द्वारा दिनांक 29-11 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 10-7-1986

- III COLOR CONTRACTOR SPANISH SPANISH

प्रकार : भारतीय दी व एन व एस व करण्या

शायकार म⁹धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्थ, तहायक बायकर लाक्ष्य (विद्रौधाण)

श्चर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

निवेश मं० श्रई-1/37-ईई/8765/85-86---अतः मझे, ग्र॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

अर जिसकी सं फलेट नं ए/3 जो 11वीं मूं जिल, मातृ श्राशिण इमारत, नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत हैं) और जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 14-11-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मृत्य से कम के द्वरपमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाग्वींक्त संपित्ति का अचत बाजार मृत्य, उसके द्वरपमान प्रतिकत से, एंचे ख्यमान प्रतिकत का पम्बह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंचे बन्तरक के लिए तम पावा बमा प्रतिकत्त कर से कियत नहीं किया गया है इ——

- (क्षः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के सन्तरस्य के दायित्व में आमी कारने या उससे वयने में सुविधा के लिए; और, मा
- (धा) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

सतः सम, उन्त निमिनियम की भारा 269-म सै मनुसरम मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंस व्यक्तियाँ, अधीत् संस् (1) श्रीमती कलावंती डी० शेठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रचला बी० गुप्ता और श्री राधेश्याम वी० वैशा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेकित सम्पत्ति के वर्जन के बिध् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्याग अवोहस्ताक्षरी के पार विवेध में किए का सर्वार्थ।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शोगा, को उस अध्याय में दिया समा हो।

अनुस्ची

फ्लेट नं० ए/3, जो 11वीं नीजिल, मातृ श्राणिश इमारत, नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसाकि अ०सं० ग्रई-1/37-ईई/8256/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 9**-**7-1986

मोहरः

प्ररूपः आइ. दी. एन . एत . -----

(1) श्री रामास्वामी दोराईस्वामी।

(2) श्री रसिक जे० वाडिया और श्रीमती हसूमती ग्रार० वाडिया।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8849/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लेट नं 31, जो, 3री मंजिल, लेन्डमार्क इमारत, कारमायकेल रोड, श्रांफ पेडर रोड, वम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूणं रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायवण श्रिधित्यम, की धारा 269 के, खे के ग्रधीन बजर्म्ड स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 19-11-1986 को पूर्विकत सम्पत्ति के जोचत बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृष्टे यह विश्वास कर्ने हैं। तारण ही कि यथापविकत संपत्ति का उपाय शिक्त कार्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की शायत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विध: के लिए, और/या
- (छ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किन्यों दें से किसी काकिन क्यारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

रू. श्रीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्या

पलेट नं० 31, जो, 3री मंजिल, लेंन्डमाकं इमारत, कारमायकेल रोड, ग्रांफ पेडर रोड, बम्बई में स्थित है। ग्रनसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/8336/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

श्चर प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-1 बम्बई

हत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को, अमुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 9-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रशास कि विश्व का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्वना

भारत सरवार

कायानम्, सहायवः वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1 वम्बई वम्बई दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/8735/85-86---ग्रतः मुझे, ग्र० प्रसाद,

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीधोनयम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 8, जो, 3री मंजिल, दि इंटरप्रायजेस को-ग्रॉप० सोसायटी लि०, प्रभादेवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विर सावरकर मार्ग, बम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 11-11-1985

का वावालय में रजारट्रा है, विसास 11-11-13-33 को वृद्धीता रंग्यारित में सीपत बाजा महत्य में काम को कानकान इतिकश्च को किए अन्यापित की नहीं ही बीप मुख्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि वथापुर्वोचन सम्पत्ति का उपित बाजार क्ष्म, उसके व्यवस्थ अतिकाम से, यांचे व्यवसान अतिकास का पंत्रह प्रतिस्था से अधिक ही गौर अंतरका (अंतरका) बीप अंतरिसी (अन्तिरिहिल्ली) को दीच लामे वानका के लिए नव एला भूला पतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण शिक्षिण को पाम्यापक स्थ से कथित नहीं किया गया ही :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निया; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए. था, छिपाने में सुविष्ण के लिए:

कतः जब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जी, भी, उत्रत अधिनियम की धारा 269-**व की उपधारा (1) के** के क्यों , निक्कित्वित व्यक्तियमें, अर्थात :— (1) श्री उल्हास एस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जिलास वि० भांडे और श्रीमती शितल डब्ल्यू भांडे।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ना यह स्थना शारी काल प्रतिकासकारित के अधिन क्षांतिक कार्यवाहियां वारता हूं।

जनत सरक्षार में बार्क के त्यारक व कार्य में आक्रीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (अ) इस सूचना के राज्यपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पान निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रश्वत सब्दो हीए उत्ते हरः, जो उत्तर तिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ तोगा जो उस अध्याप में दिया गया है :

अनुसूची

यूनिट नं० 8, जो, 3री मंजिल, दि इंटरप्रायजेस, को-ऑप० सोसायटी लि०, प्रभादेवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विर सावरकर मार्ग, वम्बई-25 में स्थित है।

ग्रनुसूची जमाकी क०सं० ग्रई-1/37-ईई/8226/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 11-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 वम्बई

तारीख: 10-7-1986

प्रस्थ माड. टर्डे. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के वधीन स्वना

धारक नदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० श्रर्ष-1/37-ईई/9004/85-86--- अत: मुझे, भा प्रसाद,

नायकर लिभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 19, जो, 7वीं मंजिल, श्रब्दुल कोई, सूर्यवंणी हॉल लेन, श्रॉफ़ विर सावरकर मार्ग, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 28-11-1985

का प्रांता स्पृत्ति हैं। बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम भी गावल, उक्त अभिनियम के अभीत कार वार्ग के जन्मप्रक औ दासिल में कनी करने या उत्तरी क्वने में सुविधा के निम्ह कोप/म.
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी पत या बन्य ब्रास्तियों को, चिन्हें भारतीय आमकर जिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त जिमित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती दतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे किए:

असः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की अनुसरम मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती मिरा डी० गायतोंडे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मिनू अर्धेशिर पारडीवाला और श्रीमनी गिता एम० पारडीवाला।

(श्रन्तिश्री)

को यह शुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुई !

उक्त संपत्ति के वर्षन यो तार्थ में कोई भी खाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविथ, जो भी जयिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंधित में द्वितबहुए किसी अन्य स्थावत युवारा अभोष्ठस्ताक्षरी के पार्र्य लिखित में किए आ अर्कांगे।

रपष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर जिभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होना को उस अध्यास हों दिसा नवा है।

ममुस्ची

फ्लेट नं र 19, ओ, 7वीं मंजिल, श्रब्दुल कोर्ट, सुर्यवंशी हाल लेन, ग्रॉफ़ विर सावरकर मार्ग, बम्बई-28 में स्थित है।

भ्रनुसूत्री जैमाकी क्र०सं० भ्रई-1/37-ईई/8489/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी दम्बई द्वारा दिनांन 28-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्व० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजी रेंज-1 बस्बर्ट

तारीख: 10-7-1986

Color Mario Color September and Administration of the Color of the Col

प्रकृष शाह[ा] सी एन एस : चन-नन

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (१) के जधीन सुचना

Mileta Masona

कार्यासय , भहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जूलाई 1986

निदेश मं० अई-1/37-ईई/8948/85-86---अत: मुर्से, अ॰ प्रसाद

बायकर अधिनिरुम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'तत्स्त अधिकियत्त' अहा प्रमा है"), की भाव 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी वहें, यह दिश्वास करने का कारणा है कि स्थार सम्बंधिः विस्तिक सम्बंधि मृत्य 1,00,000/- क. में अभिक ही

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 1514, जो, 15वी मंजिल, मेकर चेंबर्स-5, प्लाट नं० 221, नरीमन पांइंट, बम्बई-2 में स्थित है। श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और दिहरा उलारमामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 जाब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 25-11-1985 1

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को लिकत साजार मल्य से कम के उप्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्न के और गभी यह विश्वास करने का कारण है कि गंशापर्वेकिन सम्पन्ति का उचितः बाबार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिशी (अन्तरितियाँ) के शीच एशे अन्तरण के लिए तय **पाया** गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उद्ते जन्तरक जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🐉 🏗---

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; खर/या
- (स्र) एसी किसी लागमा धनमा अन्य आस्तियोँ का, जिल्हां धारतीय जायकर अधिनियम. (1922 का ।।) या उक्त विधीलयम, बः धनकार अभिनियम, (1957 का 27) 1957 के प्रयोजनार्थ कन्सरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नका धर का किसा भागर काहिक बा. कियाने के mathematical Const

बतः मद्, उत्कल अधिनियस की पारा 269-य 🖷 अनुसरण , मैं. सक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) काँ काशीन निम्नलिकित व्याविक्तयों, अवशीत क्राप् 7-196GI/86

- श्रीमती पृष्पा वि० शेवकरामानी । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स पेरसोपोलीस होल्डींग्ज प्रायवेट लि॰ । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाधाप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीं व 4.5 दिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति दुवर्श;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिप्दित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त सिंभिनेयन, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा, जो उस अध्वाय में विया ंश्रा ह

अनुसुची

कार्यालय नं० 1514, जो, 15वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स-5, प्लॉट नं 221, मरोमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/8333/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 10-7-1986

मोहर 🗜

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कामसिय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/8947/85-86---- मुझे, अ० प्रसाद.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव कायलिय नंव 1513, जो, 15भी मंजिल, मेकर भेंबर्स-5, प्लॉट नंव 221, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 25-11-1985।

को पृथिक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्वेश्य से उस्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्या है है

- (क) ब्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बर्स: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) बै बधीन, निम्नलिकित व्यक्तिंग्ये अर्थात —

एस.---- (1) श्रीमतो पुष्पा वि० शेवकरामानी

(अन्तरक)

(2) मेसस फलोरा फाउंटम प्रॉपर्टीज प्रायवेट লিও। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोष्ट भी माक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हुवारा;
- (का) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध जिस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों और, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कार्यालय नं 1513, जो, 15वीं मंजिल, मेक्न चेंबर्स-5, प्लॉट नं 221, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है। अनुसुची जैसाकी कर्न अई-1/37-ईई/8432/85-86 क्यार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1985 को रजोस्टई एया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

मारीख . 10-7-1986 मोहर: alonet terlemande

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8998/85-86—-अत: मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्ते परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पलेट नं० 64, जो, 65ो मंजिल, प्रेम कोर्ट को-आंप० सोसायटी लि०, पेडर रोह, बम्बई-26 में स्थित है) श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे बर्णित है), श्रीर जिसका उरारनामा आयगर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजींस्ट्री है, दिनांक 21-11-

को पूर्धिस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए इन्लिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरबमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सोधितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ृलिखित में बास्तिबद्ध एप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

असः अभः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म करी उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीद्ः— (1) श्रीमती निर्मला एम० पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री किलमोहत एन० गुप्ता और श्रीमती राधि-कारानी बीज गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्यक्ति के वर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रम्स्यी

फ्लैंट नं० 64, जो, 6ठी मंजिल, प्रेम कोर्ट को-आप० सोसायटी लि०, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी ऋश्मं० अई-1/37-ईई/8383/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 9-7-1986

प्रकृष् नाष्ट्रं . ही . वृत्त . वृत्तु . ------

बायकर मधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांस्य, तहायक नायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 9 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8776/85-86—अत: मुझें, अ० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्वार जिसकी सं० कार्यालय नं० 911, ज , 9वी मंजिल, इमारत तुलसीयानो चेंबर्स, प्लॉट नं० 212, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 वा,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिलांक 14-11-1985।

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य हं कम के दश्यमाम इतिकल को लिए बन्तरित की गई है बीर मुखे यह विश्वास कको का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उपित साजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बंदरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक का से काश्य स्वीक स्वीध सहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरक से हुदै किसी काम की बावर, सकत विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा सससे वचने में सुविधा के सिक्; और/वा
- (क) एसी किसी बाय मा किसी भन मा बल्य बास्सियों करें, बिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निएक

जनः नव, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नम्बरण मी, मी जनत निधिनियम की धारा 269-व की संप्रधारा (/) इ नधीन: निज्नीलिखित व्यक्तियों, जर्वात् हु--- (1) श्रोमतो ग्रंजली ए० लाउड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो संतीय आए० गुप्ता ।

(ब्रन्तरितो)

का यह सूचना चारी कारको पृत्रोंकत संस्थित को कार्यन की विक्र कार्यनाहियां करता हो।

चनत संपर्धित के अर्थन के संबंध में कोई भी गातीय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना को सामील स 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त हमती हो, के भीतर प्रविक्ष क्यिं क्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यवित द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास किसी किस का सक्षेता।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों कार पर्यों का, जो उक्त बाँधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया शवा है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 911, जो, 9वी मंजिल, इमारत तुलसी-यानी चेंबर्स, प्लॉट नं० 212, नरोमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाको करुमंद्रअई 1/37-ईई/8265/85-86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9~7~1986

म,हर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-च (1) के संचीत संज्ञ्जा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई धम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8692/85-86—-अतः मुझें, अ० प्रसाद.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'रुक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2-ए, जो, अजीत विला, 7, भ्रोवेंदून रोड, गावदेवी, बम्बई-7 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुभुची में भ्रौर पूर्ण एप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिषयम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 8-11-1985।

की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिखत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण वे हिंद निक्की बाव की बावब उक्क बरिदिन्यम के वृथीन कर दोने के मृन्दारक की वासित्य में कमी करने या उक्की वचने में सुविधा की लिए; अडि/या
- (स) शेबी विस्ती बाब या विस्ती वृद्ध था कृत्यु बाहिसाओं का, विन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोचनार्थ नन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया चाना चाहिए वा कियाने में सुविधा से लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् ।:—— (1) श्री विलोचन केणवज्ञाल ध्रुवा।

(अन्तरक)

(2) कुमारी कैलाम पी० जोशी और श्री अभिजीत ए० शेठ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में की इर्ग भी आक्षोप हिल्ल-

- (क) इसु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निक्षित में किए जा सकाये।

स्पंद्रीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2-ए श्रजीत विला, 7, श्रोबेंदून रोड, गामदेबी, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/3;-ईई/8184/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 8-11-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

ना**रीख:** 11-7-1986

मोहर ।

एक्स बार्च . स्ते . एन् . एस् , क्या -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामयः, सहायक मायकर मायुक्त (निर्मालक)

अर्जन रेंज-1; बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 9 जुलाई 1986 निर्वेण सं० अई-1/37-ईई/8822/85-86--अत: मुझें, ग्र**ासार**,

अपनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सकम अधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 92, जो, कमल को-आंप०, हाउसिंग सोमायटी लि०, 69, वालकेण्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णन है), ग्रीर जिमका करारवामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क. ब के ग्रधीन बम्बई स्थित-सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 18-11 1985।

को वृथेंकित संस्थित के उचित गाणार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए गंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त संपत्ति का उचित गाणार गृज्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास से, एखे स्थ्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रातेशस से प्रतिका है और अन्तर्भ (अन्तर्भो) धीर अन्तरिता (अन्तरित्रों) के भीग ऐंडे अन्तर्भ के लिए तय गामा गया प्रति-कल निम्नित्रित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण के लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण के क्रूड़ किसी बाव की वासक, क्या अवितिव्स के अवीत कर दोने के बंतरक के दावित्स में कसी करने वा उससे वसने में सुविधा के सिए;। और√गः
- (य) प्रेची किसी नाय या किसी थन वा नन्त नास्तियाँ।
 की; जिन्ह भारतीय पामकर प्रसिनियमः। 1922
 (1922 का 11) या उत्तत प्रसिनियमः। वा धन
 कर निर्मित्तमः। 1957 (1957 का 27)
 बो प्रजोधनार्थः जन्तरियौ हुनाद्या प्रकट नहीं किथा
 गवा था या किया जनत चाहिए या, छिपाने में
 सुविधा के खिए।

वर्ष अव : तक्त विधिवयम की भारा 269-म की वर्षरण वीं , मीं , उक्त व्यिधिनयम की भारा 269-म की उपधार (1) के अधीन , निम्निसिसिस व्यक्तियों , वर्धीन :---

(1) मेसर्स एस०डी० शेठीया एण्ड कंपनी प्राइवेट लि०।

(सन्दरक)

(2) श्री जतीन सी० झवेरी भीर श्रीमती हसीता जें० अवेरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की जनिध, को भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वित्तकों में से किसी क्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकरणः स्वामं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत विश्वियम, के अध्याय 20 के में पथा परिकारित ही, वहीं क्यें होगा जो उस वध्याव में जिया गया ही।

अनुसूची

प्लेट नं० 92, जो, हमार को-आंप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 69, बालकेश्वर रोड, बम्बई-G में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-1/37-ईई/8310/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 18-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

ारीख: 9-7-1986

मोहर 🖫

प्रकृष वार्षि हो . वृष ुवृष क्षान्त व्यापन

भ्थबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के अधीन सुखना

बारक करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/8958/85-86——अतः मुझे, अ० प्रसाद,

भीर धिसकी सं अपलेट नं 3, जा, 15वी मंजिल, कार पार्किंग प्लोट नं 53, तल माले के साथ, "बसंत" इमारत, प्लांट नं 101, जफ परेड, अम्बई-5 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारकामा आयकर संधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिलांक 26-11-1985।

को पूर्वोक्त सम्परित की उपित वाकार मृज्य से काम की कामकान प्रतिकाल की लिए अन्तरित की गर्द और भन्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्क्ड प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) और बंदरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गवा विकल्क, विम्नविद्या स्वादिक से उसके अन्तरण कि विदेश से नास्तरिक कर से कथित नहीं किया गया है :——

- ्रिक) सम्बद्धन वे हुन्। निक्की यान की वासरा, साम बहुन्द्रीयर के संबीध कर वार्ष के सम्बद्धन के परिचर को कभी करने वा एक्को वचने में कृषिया के जिल्ह; क्षोर/या
- (क) होंची किसी आन या किसी भन वा जन्म जास्तियों नरे, फिक्टे बारसीय जान-नार ब्राटिमियज , 1922 (1922 का 11) ना चन्स विधियम , वा भव-कर जीवियम , वा भव-कर जीवियम , 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ जन्मरिसी इनास प्रकट मही किना क्या वा वा किया बावा चार्डिए वा, कियाने जे स्थिता के सिक्ट;

बतः अष, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के बन्तरण पं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती संतोष कुमारी जैन।

अन्तरक)

(2) श्री वन्हैयालाल के० मोदी और श्रीमती कुमूद के० मोदी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तर्ह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह ब्रुपना शारी करने पूर्वोक्त सन्तरित से नर्बन में क्रिस कार्यवाहियां करका हूं ।

क्ष्मर सम्मत्ति के क्ष्मेंन के संबंध में कोई' थी बार्सक ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंध्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्त्यी

फ्लेंट नं० ७, जो, 15वी मंजिल, कार पार्किंग प्लॉट नं० 53 वल माले के वाय, "बसंत" इमारत, प्लॉट नं० 101, उफ परेड, अम्बई-5 में स्थित हैं।

शनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ःई-1/37-ईई/8442/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ं० प्रशाद रक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

तारीख: 10-7-1986

मोहरः

ध्रकष् **बाद**ै , टीं , प्रमुत एकहा चन्न

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारत 269-व (1) के अभीत सुचना

नारत सम्बार

कार्यासय, सहायक भागकर बायुक्त (विरीक्षक)

अजंन रेंज-1, ब वर्ष बम्बर्ष, दिनांकः 10 जुलार्ष 1986 निदेश मं० अई/1/37 ईर्ष/8973/85 86—अत: मुर्झे, अ० प्रसाद.

कायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके पश्चात 'उत्तत अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीर संधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूक्य 1,00,000/- ज. से अधिक हैं

श्रोर जिन्न में पनेट नं 52, जो, श्रोसियानीक अपार्टमेंट डा० राजावली पटेल रोड, ऑफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400 026 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचों में श्रार पूर्ण रूप वे वीणत है), श्रीर जिसका करारमामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के क्रायीलय में रजीस्ट्री है, तारीख 26-11-1985

को पृथीवत नम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमाब प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रथमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीन एसे जन्तरक अन्तरका) और वास्तरित (अन्तरित्यों) के बीन एसे जन्तरक अन्तरका लिए तय पावा गवा प्रतिकतः निम्नतिवित उद्देश्यों से उक्त बस्तरण विविध में वास्तिक रूप से किया नहीं किया पथा है ——

- (क) बलारण में सुर्व जिल्ली जाय की जलाइ. इक्ट जिल्लीमध्य के अधीन कर दोने के जलाइक के दावित्य में कभी करने या उससे अधाने में स्वित्रभा के जिला: भीड़/मा
- (क्) एसी किसी आय या किसी अन वा अन्य वास्तियाँ का जिस्हें भारतीय जाय-कार जिस्हिया, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) वैं प्रयोजनार्थ कर्निरिती द्वारा एक्ट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के जिए:

शक्षः शव, उक्त जीधीनयम की शास 269-ग के बनुसरण में, मंः उक्त आंधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन, निकासिक्स व्यक्तिक्सें क क्यांच क्र-- (1) श्रो क्रुवाणदास आर० कानानी श्रोर श्रीमती निसनी के० कानानी।

(अन्तरक्)

(2) श्रो रमेशचंद्र एन० कोठारी ग्रौर श्रीमती कुंजबाला त्री० कोठारी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की सविध या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाना की सामील से 30 दिन की सविध, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति कवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय जभोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्यीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्तों और पत्तों का, वो उक्त वीवृतियव के वध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में दिशा क्या हैं।

अन्स्ची

पलट नं० 52; जो, भोसियानोक अवार्टमेंट, हा० रणावली पटेल रोड, ऑफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अन्सूची जैसाको क०स० अई-1/37-ईई/84/58/85-86 भौर जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई क्षारादिनांक 26-11-1985 की रजीस्टर्क किया गया है।

> **अ० प्रसाद** सक्ष**म प्राधिकारी** महायक आयकर आयुक्त **(निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख:10-7-1986

प्रकर्भ बाही. टी. एत. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय. सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/8809/85-86--भ्रतः मुझे, भ्रा• प्रसाद,

शासकर किश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ज के अभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/र रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 34, जो, 65ी मंजिल, दर्या महल नं० 2, निपयनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं)और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनोक 15-11-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरक निखित भामतिक हुए में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाव की बावत उक्त विध-श्रीधनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुर्तिका के लिए: और/भा
- (वा) ऐसी किसी अप या भन या अन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृत नहीं किया बया वा या किया जाना चारहिए था, खियाने में सृत्रिधा है लिए;

(1) श्री वलीमोहमद जी० बदामिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल बी० शहा और श्रीमती इंदिरा के शहा ।

(भ्रन्सरिती)

(3) भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृशींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थन। की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मणि में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति सुवारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया नवा है।

जन्म चर्

फ्लेट नं० 34, जो, 6ठी मंजिल, दर्या महल नं० 2, 80, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

मनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/8217/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> भ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक : 10-7-1986

प्रस्य आहें.टी.एन.एस..----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वामकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० श्रई-1/37-र्डई/8616/85-86--अतः मुझे, श्र० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार भृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 92, जो, बी-क्लाक, कफ परेड सी० लॉर्ड को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 117, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 4-11-1985

का प्विकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को कायकान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे कायबान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कीचा गड़ी किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जेव, उक्त विधिवयन को बाग 269-न को जन्दरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) को अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्जात् ∷ — (1) श्रीमती लूलू मेहबूब ग्रली।

(भ्रन्तरक)

(2 मेसर्स दोदसाल प्राइवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

(3) श्री के॰ पी॰ सेनगुप्ता। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभीग में सम्पत्ति है)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में ऋदि औं नास्रोद 🗫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन को राजीस के 45 दिन की स्विच या तरसम्बन्धी स्पित्रियों का सामान की नामील से 20 दिन की स्विधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया हैं।

वम्सूची

पन्नेट नं० 92, जो. बी-ब्लाक, कफ परेड सी० लाड का०-श्राप० हार्जीसग सोसायटी लि० 117, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित हैं ।

श्रनुसूचो जैसा कि करु सं० श्रई-1/37-ईई/8115/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

प्रकप नाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986
निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/889/85-86--ग्रतः मुझे, ग्रुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1308, जो, प्रसाद चेंबर्स, धापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, विनांक 21-11-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निचित् उद्वोध्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरक ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् हि—

(1) मेसर्स मिरास इण्टरप्राइण ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स लालभाई कालिदास एण्ड कम्पनी । (ध्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वन्तः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तिस में किए का सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1308 जो, प्रसाद चेंबर्स, श्रापेरा हाउस, बम्बई--4 में स्थित हैं ।

अनुसूची जसा कि कि० सं० ग्रई-1/37—ईई/8379/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11—1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-7-1986

१क्य बाइंड ठीड एनड एस उन्नरक

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्वना

हारत तरका

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनोक 10 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8663/85-86--म्रतः मुझे, म• प्रसाद,

हाक्षकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्क विभिन्नियम' कहा न्या हैं), की भारा 269-क जे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं ० 6, जो, पहली मंजिल, विश्व को—
श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सी०-रोड, चर्चगेट, बम्बई—
20 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप
में विणत है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधित्यम,
1961 की धारा 269 कल के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 6-11-1985
को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य सी उक्त अन्तरण लिखित में
शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथ-अधिनियम के जधीन कर, दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स क्याने में सुविधा के लिए; श्रीप्र/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर ऑधिनियम, या अन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखत स्थलता , अर्थात् द्व-

- (1) श्रीमती माणेकदेवी चन्द्रकांत मोर, द्वारा कन्स्टी-टयूटेड घटनी होल्डर श्री हरेण ग्राय० मोर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लिलाबेन झेडू, मुथा, श्री अजीत झेडू, मुथा, श्री अभय झेडू, मुथा, श्रीमती विजाता झेडू, मुथा और श्रीमती मिना ए० मुथा (अन्तरिती)

को वह स्थान जारी करके वृत्तिक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ज भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की जबिध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी आक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में पीरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सक्षा है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 6 जो पहली मंजिल, विश्व को०-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सी०-रोड, चर्च गट, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-1/37-ईई/8158/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 6-11-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बद्ध

विनांक : 10-7-1986

प्रकार बाह्", टॉ. एन . एस . ------

शावकार गिथिनियंभ, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/8890/85~86--अत: मुझे, अ०प्रसाद,

विवादकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें दिसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से तिथक हैं

ग्रीर जिसकी स० दुकान नं० 4, 5 ग्रीर 6 जो, गोकुल मॉडनं भुलेश्वर को०-अप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आहमा राम मचेंण्ट रोड, भुलेश्वर, बम्बई-2 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिनका करारवामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिल्द्री हैं, दिनांक 20-11-85,

को पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को सिए बन्तरित की पहुँ है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण हूँ कि बधापूर्वोक्त बम्मरित का उचित वाजार मूख, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकत से निधक है और नंतरक (जंतरकों) कोर अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जंतरक की सिए तम पामा चया प्रतिकल, निम्मलियित उद्वोक्स से द्वार अंदरण जिल्लित में वास्त्रीक रूप से कीचत नहीं किया जा है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उत्तरत अधिभिष्यम के अधीन कार दोने के अन्तरक के -दायित्व में कमी कारने या उत्तरसे अधने में स्मृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने यें सुविधा अधिए;

नतः नग, उत्ततं अधिनियमं की पारा 269-न सं समृत्यस्य भें, में, उत्ततं मीधिनियमं की पारा 269-व की उपधारा (1) में सधीन : निम्मीविक्ति स्वयिक्ताम्, सधीतः हु---- (1) दि वभव को०-अ।प० बैंक लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रो गणेश नारायण साबू श्रीमती सितादेवी साबू। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकारी।

न्यस्तिकरण :~--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., को उक्द। अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 4, 5, और 6, जो, तल माला, गोकुल इमारत, माडर्न भुलेश्वर को०-ऑप० हाउसिंग सोसायटो लि०, 86, आरमाराम मर्चेण्ट रोड, भुलेश्वर, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई--1/37-ईई/8375/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1986

प्ररूप बाइ . टॉ . एन . एस . ------

भाथकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1986

निर्दोश सं० अई-1/37-ईई/8698/85-86--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके एरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं भ्रांप जिसकी सं० फ्लेंट नं० 5,5, जो, 5वी मंजिल, निल कमल इमारत, प्लॉट नं० 4, पदम टेकरी, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रींप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रींप पूण रूप से विजित हैं), श्रींप जिसका करायनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, दिनांक 8-11-1985,

की प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रति-कल निम्नलिकित उक्षरिय से उक्त अंतरण निकित में बास्तिकक कप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाँध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बर्टिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 1)) वा अक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, स्थिपने में स्विभा न्दे लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती मीना शर्मा क्राँर श्रीमती शरता कुमारी । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रकाम एम० सखारानी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन, की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्त्वी

फ्लैट नं० 55, जो, 5वी मंजिल, निल कमल इमारत, ब्लाट नं० 4, पदम टेकरी पेडर रोट, बम्बई~26 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8190/85-86 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-1985 को रिजिस्टर्ङ किया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक । 9-7-1986 मोहर । प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8945/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० पलैट सं० ए-21, जो, दूसरी मंजिल, चिनार इमारत, प्लाट सं० 336 श्रोर 506, दादर नायगांव डिविजन, सिवरी ऋास रोड श्रोर रफीक किदवई रोड, वडाला बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 25-11-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नितिचत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है कु---

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बायल, उक्त बिजियम के अभीन कर दोने के अभारक बी दायित्व में करने या उससे अवने मी कदिक के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वय, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की बनुसरण वा, मां. उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वधीन, निम्नतिविद व्यक्तियों, वर्षात व्र— (1) मैसर्स दिनेशचन्द्र विजयकुमार ।

(अन्तरक)

(2) श्री पट्टीलाजराय आय० रूपानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिथ कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस तुष्मा जो राजपत्र में प्रकासन की तारीख़ हैं
 45 विमृकी सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूषना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, वो भी
 सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्थान के राजपथ में ग्राकाशन की तारीत य 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकाय ।

स्मच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया शया हैं।

नन्स्वा

फ्लैंट सं० ए-21, जो, दूसरी मंजिल, चिनार इमारत, प्लाट सं० सी० एस० नं० 336 श्रीर 536, दादर नायगांव डिविजन, सिवरी कास रोड श्रीर रफीक किदवई रोड, वडाला, अम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8430/85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 10-7-1986

प्रकप आहाँ, टी. एन. (स. -------

भागकंश अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की का 269-च (1) के अधीन स्वतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8889/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेंट सं० 43, जो, गितांजली, रेडिको क्लब के पास, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्खा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिल्स्ट्री हैं, दिनांक 20-11-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित भाषा हु भूक्य से कम के ध्रममान अतिफन को लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित नाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित के वास्त्रिक क्य से क्यियत नहीं भाग मना है है—

- (क) भन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षणने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कियी बाब का किसी एन या बन्च बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर बांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. स्थिपाने से स्विका में बिका

क्तः जबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक की, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शेवक राम एम० मनसखानी।

(अन्तरक)

(2) स्टनफोर्ड होल्डिंगज प्राह्वेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

का मुद्द सुण्मा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से मर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तः संग्रित् के अर्थन् के संबंध में कोई भी कार्सण :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय भी 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचन व्यक्तियों में से किसी करिकत द्वाराः
- (क) इत स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितकपृथ किसी नन्य स्थावत द्वारा, जभोड्स्ताकारी के गांव सिवित में किस का सकेंगे।

स्वच्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों ब्रीड पदों का, वा शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ननुसुची

पलैट सं० 43, जो, गितांजली, रेडियो क्सब के पास, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8374/85-86 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 20-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-7-1986 मोहर प्ररूप माहरू, दी. पुन., युस., व्यावावावावा

नामकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

नारत सहकात

कार्याक्षय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण) अर्जेश रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/8904/85-86---अतः मुझे, अ० प्रसाद,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिन्नकी सं० प्रिमायसेम्र जिसका नं० 61, जो, 63ो मंजिल, साखर भवन इमारत, प्लाट नं० 230, ब्लाक-3, बक्बे रेक्ले-मेशन, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीभ, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिसांक 22-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उजित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित कों गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्यापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अर्तिफान, निम्नमिनित उद्योग्य से उन्त बन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया बया है ——

- (क) शंतरण श्रं हुए किसी साम की बाबत, उबस अधिनियम के सभीत कार योगे को संतरक के दासित्य मो कामी कारने या उससे वचने में सुनित्रधा के सिए: अपि/गा
- (क) वृंसी किसी बाब वा किसी धर रा क्रम्य क्रांमिस में को, बिन्ही सारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अचन क्रियानियम, या धरन्कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांकनार्थ बन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का निया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः सब, उक्त किथिनियमं की भारा 269-म के बनसरक के, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपध्या (1) में क्षीत निस्तिसित व्यक्तिकों

9-196 GI/86

- (1) 1. श्री जयंती लाल लालचन्द, 2. पुष्पा जे० शहा, 3. रमन एल० जैन, 4. हिरा आर० जैन, 5. नरेन्द्र कुमार एल० जैन, 6. सुन्दर एन० जैन, 7. निमल एन० जैन, 8. आरती एन० जैन, 9. चंपक एल० जैन, श्रौर 10 कल्पना सी० जैन। (अन्तरक)
- (2) ग्वालियर रेयॉन सिरुक मैन्युफैक्चरिंग (वीविंग) कम्पनी लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्म्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप क्र−--

- (क) इस त्यमा के राजपण में प्रकाशन की हारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वातः;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवबुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकींचे।

स्थव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिसा यस हैं।

अनुस्ची

प्रिमायमेस जिसका नं० 61, जो, ६ठी मंजिल, साखर भवन इमारत, प्लाट नं० 230, ब्लाक-3, ब्रकबे रेक्लमेशः।, बम्बई-21 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8389/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिशांक 22-11-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज→1 बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

प्ररूप बाद .टी.एन.एस .-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) इ.ज.च रेज-1,बस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8737/85-86---अतः मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिनकी सं व कार्यालय सं व 102, जो, पहली मंजिल, निलम इमाएल, एकीम 58, प्लाट सं व 108, जरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीप इसमें उपाबद्ध अनुमुखी में श्रीप पूर्णक्ष्य से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनाम आयवर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पिएट्री है, दिनांच 11-11-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पेवह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप भी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के समित्य में कमी अधन या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- ंब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में सिविधा के निए.
- अनः ४६, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थे, से, उक्त क्षितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) से अधीर, जिन्निहित कावित्रमें, कथीत् '--

- (1) फ्रांसीस क्लिन एण्ड कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड। (अ±नरक)
- (2) भसर्स सामधेद विडिग्रो प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दिकरण:---इसमें प्रयुक्ध शब्दों सौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला गया है।

वन्स्ची

कार्यालय सं० 102, जो, पहली मंजिल, िलम इमारत, रिष्म 58, प्लाट सं० 108. वण्ली, बम्बई-18 में रिष्य है। अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/8228/ 85-86 श्रीरजो सक्षम शाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां र 11-11-1985 को रिजिस्टर्ड रिया गया है।

> २० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहाय र आयमर आयुक्त (किरीक्षण), अर्जास रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

भिदेश सं० अई-1/37-ईई/8905/85-86--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रिमायसेस नं 61, जो, 68ो मंजिल, साखर भवत इमारत, प्लाट नं 230, ब्लाक-3, बकबे रेक्लमणन, बम्बई-21 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-11-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उकत जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिता का, जिल्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को उपधारार (1) के अधीन, निम्मिनियत स्थितवाँ, अर्थात्—

- (1) जयंतीलाव लालचन्द,(2)पुष्पा जे० शहा,(3)रमण एल० जैन, (4)हीरा ग्रार० जैन, (5) नरेंद्र मुमार एल० जैन, (6) सुन्दर एल० जैन, (7) निर्मल एल० जैन, (8) ग्रास्ती एन० जैन (9) चंपक एल० जैन, (10) कल्पना सी० जैन। (ग्रान्तरक)
- (2) इंडियन रेयान कार्पोरेशन लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में कितस्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखिस में किए जा सकता।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्ची

प्रिमायसेस सं० 61, जो, छटी मंजिल, माखूर भवस इमारित, प्लाट नं० 230, ब्लाक-3, बक्के रेक्लेमेशन, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8390/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जंभ रेंज-1,यम्ब**ई**

दिनांक : 11-7-1986

प्रकृत वार्षः श्री. एवः एवः ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पाछ 269-व (1) के बचीन न्**चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9012/85-86---अत: मुझे, अ० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलेट नं 47, जो 4थी संजिल अनिता माउंट त्लेक्षंट रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण क्या से विणत हैं), भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीत बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकिट्री है, धिनंक 29-11-1985,

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित वाजार मुख्य से कम के अस्वमान प्रतिफम के बिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्स, उत्तके वश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गमा प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विशेषत में वास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) कंप्यरण से हुई किसी नाम की, नामस, उत्तर वीधीनका को अधीन कर दोने के अन्सरक की वानित्य में कभी करने वा उससे वचने में सूर्विधा के सिह; बार/वा
- (क) इति किसी कान या किसी भन ना अध्य कारितायों को निमहे भारतीय आयकर वीभीनयन, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियन, या धन- कर अधिनियन, या धन- कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनाथ अन्तरिती इवारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में तुविधा केरिक्ट,

सतः अव, उक्त निवित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री णिरीण माणेकलाल संघवी ग्राँप श्रीमती प्रतिभा णिरीण संघवी ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी भिक् रुस्तम ईुगाजी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिकी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पृथीक्त सब्यक्ति के अर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राज्यका में प्रकाशन की ठारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुवास;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकासिक में किए या सकरें।

स्पारीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पर्यों का, जो उचक अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना यो उस बध्याय में दिना नया ही:

अनुसूची

"पलैट सं० 48, जो, 4था मंजिल, "अनीता", माउंट प्लेशंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि स० अई-1/37-ईई/8497/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1985 को रजिस्टई किया गया है।

³'० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

प्राक्य आईं.टी.एम.एह

काशकार मीर्थीनयम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 म (1) के मधीन सुमान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986 स्मं० अर्ध-1/37-ईई/8597/85-86--

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8597/85-86--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० वायां लय प्रिमायसेस जिस्का सं० 5 श्रीर 6, जो, तीसरी मंजिल, एल्फोन्स्टन हाउस, 17, मझबान रोड, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिन्हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 फख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्टी है, विनांक 1-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिज्ञल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिन्तिस में वास्तविक रूप से किथित नहीं कथा गया है हिल्ल

- (क) बन्तरक से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिक में कमी कड़ने या उससे वचने में सुविधा में सिए; आदि/या
- (क) एोसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिन्नाने में सुविधा व जिन्हों;

जताः शव, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-प को जनुतरक काँ, काँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविचित स्पनित्यों, अधीत् अ—

- (1) भे सर्स विश्वाल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स मकंटाइल पन्लिसिटी सर्विस । (अन्तिरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तार्री से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (श) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्दिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त श्रीधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका वया है।

अनुसुची

कार्यालय प्रिमायमेस असका नं० 5 फ्रीर 6, जो तीसरो मंजिल, इमारत-एस्फीस्टम हाउस, 17, मझबाम रोड फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित हैं।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8096/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजम रेंज-1, बम्बई

दिमोक : 11-7-1986

भाषका विभिनित्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीद स्पना

हारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर नामुक्त (निरक्षिण)

अजम रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986 निवेश मं० अई-1/37-ईई/8614/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसंद,

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विकास करवें कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गावार मूस्य 1,00,000/- रू. ते अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 107, जो, मेरुबर्स-6, नरीमन पांइट, बम्बई-21 में स्थित है) और इससे उपाबढ़ अनुसुची में अरेर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-मामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-11-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रीक्षित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया शिक्स दिम्मीस्थित स्थानेस्य ने स्वत जंतरण किविता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अ—

- (क) मन्त्रहरू ने हुन हिन्दी हान की बान्त्रहा करते महिनान्त्र के बन्दित हाड़ बोने की सन्दर्श की दास्त्रिक में करी करने वा उसने क्षाने में सुविधा की सिंह; महिन्दा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें अहरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा तंबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने जें स्विधा के लिए;

बसह बाब ; उन्न सिनियन की धारा 269-न न बनुसरक मं, मं, उन्न अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :- (1) मेहना धिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री स्थीर बहल, श्रीमती सरोण बहल, श्रीमती रम्मी बहल श्रीर श्रीमती इंदू जसुजा । (अन्तरिती)

को वह सूचना पारी करके पूर्वोक्त कंपरित के कर्चन के 'सब् कार्यश्राहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 👢

- (क) इस मुचना के राज्यन में प्रकाइन की तारीत से 45 दिन की संबंधि का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की ताबील से 30 दिन की संबंधि, या भी संबंधि नार में संवाद्य होती हो, के भीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इत् सूचना के राष्प्रम में प्रकाबन की तारीब के 45 बिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्रवृद्ध किसी स्त्य व्यक्ति द्वारा नभोहत्वाकरी के पास सिक्ति में किए जा सकति।

नग्त्रपी

कार्यालय तं० 107, जो, मेकर चेंबर्स-6, तरीमत पांइट, बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8113/85-86 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1985 को रिजस्टर्ङ किया गया है ।

> अ०प्रसादः सक्षम प्राधिकरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षाण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-7-1986 मोहर

प्रस्थ बाद्दे ही एवं एतं. -----

हरमाध्य विधितियव, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन स्थाना

बारले सरकार

भार्याखव, सहायक आयकर आयुक्त (विरामिक) अर्जन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

मिदेश सं० अई-1/37-ईई/8885/85-86--अत: मुझे, अ॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० पलैट नं० 1601, जो, 16वी मंजिल, अवंती आहेंमेंट, फलैंन्ड रोड, सायन (पूर्व), बस्बई--22 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसता करारनामा आयकर अधिक्यम, 1961 की धारा 269 वाल के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिलांक 20-11-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्ति प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया प्रया प्रतिकात, निम्निकित उद्देशय से सकत अंतरण सिवित में वास्तरिक कम, निम्निकित उद्देशय से सकत अंतरण सिवित में वास्तरिक कम में किए तब प्रया प्रतिकात कम कम में किए नहीं किया बना है है——

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बॉथ-निवत के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासिक वें कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कर भारती;
- क्स. अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ज में', मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मन्दलाल एच० वालीया ।

(अन्तरक)

(2) श्री कितीं अनन्तराय मेहता श्रीर श्रीमती जयश्री कितीं मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

नत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की वर्षीय या उत्त्वक्ष्मानी व्यक्तियाँ तेषु क्ष्माच्या की उनि की वर्षीय, जो भी वर्षीय व्यक्ति में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांवरणों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति प्वारा क्योहस्तालरी के गास लिखित में किए जा सकों ने ।

स्पष्टीकरण. इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पत्रैट सं० 1601, जो), 16वी मंधिल, अर्थती अपार्टमेंट, फर्नैरा रोड, सायत (पूर्व), बम्बई~22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई:-1/37—ईई/8370/85— 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसाँक 20-11-1985 को र्राजस्टिई रिया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन ठेंज-1, बम्बई

दिमांक : 11-7-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---- -

ज....कर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बार्क चडकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8603/85-86--अत: मुझे, अ॰ प्रसाद.

श्रीयकर बाधानियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सकत प्राधिकारी की बहु विकास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार सम्भ 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी ब्लाक नं ० 605, जो, 6 ठी मंजिल, कामर्स हाउस, 140, नागिन दास मास्टर रोड, बम्बई-23 में स्थित हैं (श्रांर इसमे उपाबड अनुसुची मंद्रार पूर्ण रूप से विणक्ष है), श्रांत जिल्हा जरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-1985

प्रे प्वांक्त नम्पत्ति के जियत राषार मुख्य से कम के स्ववाध कियत को गई है और नुभे यह निक्वाध करने का कारण है कि यमापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित नामार म्ह्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का निक्क प्रतिकृति के निष्क है और नंतरक (बंतरकों) और नंतरिती (बन्तरितिकों) के जीय एसे नन्तरम के निष्ण तय पाया समा प्रतिकास, निम्मितिकों उद्यवस्त है स्वयस्त निक्क के सामारिक कम के स्वित्त वहीं किया गया है हम्म

- (क) नंतरण से हुए किसी बाद की गावस, उक्त करिय-विषय की अधीन कर दोने के नंतरक के दावित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/वा
- (व) एंसी किसी जाव या किसी थन वा जम्ब व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर निभिन्नवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निभिन्नवन, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ वंतरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मसर्स एम० एम० बिलानी एण्ड वस्तनी । (अन्तरक)
- (2) मौर्सा के० सी० ट्रेनिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट इसानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यभ में प्रकाशन की तारीय से 45 विज की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जयभि, वो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स स्थानस्थों में से किसी स्थानस द्वारा:
- (क) इन्त क्षमा को राजपण में अकावन को तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्व में किए का वृक्षिये 1.

स्वक्कीकरणः —-इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो न्यंक्स विभिन्नियम के बभ्याय 20-क में पहिलाणित इं, वहीं वर्ष होगा को उस बभ्याय में विका बना इं.॥

वन्सूची

ब्लाक सं० 605, जो, 6ठी मंजिल, कामर्स हाउस, 140, मागिनदास मास्टर शेड, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसुची औसा कि ऋ० मं० अई--1/37--ईई/8102/85--86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिलांक 1--11-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर अधुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तिनांक : 11-7-1986

शक्य बाह्री,शुन्,एस्य बन्न-स्थानस्थन

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त ([नर्राक्रक)

अर्जन रेंज-1, वस्अई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश स॰ अई-1/37ईई/8701/85-86--अतः मुझे, अ॰ प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहे से अधिक ही

श्रौरिजिसकी सं० पलैट नं० 7, जो, दूसरी मंजिल, विपूल इमारत, 225ए, रिज रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौ जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिसांक 8-11-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुख, उसके दश्यमान प्रतिफास से एसे दश्यमान प्रतिफात के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफास, निम्नतिबित उद्देश्य से उच्त बन्तरण जिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है कुन्न

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य क्षित्सचीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा.

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को, अनूसरण बौ, बौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधील. नियमितिखत व्यक्तियों, अधित ६—— 10—196GI/86 (1) श्री संगीता धीरजलाल शहा ।

(अन्तरक)

(2) 1 भरत कें भंसाली, 2 भाग्ती बी० भंसाली, श्रीर 3 जसूदवें कें भंसाली।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थम के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप इ----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्किन में किए जा सकते।

स्थलकीक रण: --- इसमें प्रयुक्त करूवों और पर्वो का, जो उनस् विधिनियम के संध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस कथ्याय में दिया नेवा हैं।

अनुसूची

प्लैट स० ७, जो, दूसरी मंजिल, विपूल इमारत, 225ए, रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं ।

उत्तुस्ची जैसा कि कि से अई-1/37-ईई/8192/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राग दिनांक 8-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेण-1, बस्बई

दिनांक: 11-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकार अधिपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वस्बई, दिमांक 11 जुलाई 1986

चिदेश सं० अई-1/37-ईई/8999/85-86--अत मुझ, अ० प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्पात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास आरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रींए जिसकी स० यूनिट सं० 414, 416 श्रीर 417, जो, 4थी मंजिल, शहा-महार (वरली) लाईट इंडस्ट्रयल इस्टेंट, डा० इ० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिमांक 28-11-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का यद्गह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीय: जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अधित क्

- (1) भेससं भ्रष्टा एण्ड ग्रहार डब्ह्लिंग्भेंट स । (अन्तरक)
- (2) मेमसं सुभेर बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अअन के लिए कार्यवाहियां बुक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुस्थी

यूनिट सं० 414, 416, और 417, जो 4थी मंजिल, ''ग्रहा -नहार (बरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ई० मोजेस रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/8484/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 28-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

मोहर:

प्ररूप बाईं टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई अम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

मिदेश सं० अई-1/37-ईई/8633/85-86-अत मुझे, अ० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भूगेर जिसकी सं जाला सं ज 150, जो, पहली मंजिल, शहा एण्ड महार इंडस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई—12 में स्थित है (भ्रार इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूण रूप से विणित है)/श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5—11—1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ब से कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अौर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल से एसे दस्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिस्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर उधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उत्तरः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराष्ट्र (1) के अधीन, निम्निचिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सून्दर सी० खटार।

(अन्तरक)

(2) मेसस गितांजलो एक्सपोटस कारपोरेशन । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला सं 150, जो, पहली मंजिल, शहा एण्ड महार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-12 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8131/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 5-11-1985, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

दिमांक : 10-7-1986

माहर ह

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

STREET STREET

कार्याभव्य सहायक नायकर नायुक्त (निर्णाक्रक)

अजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9002/85-86-अत: मुझे, अ० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकाल सं० 6 श्रीर 7 जो, असर श्रृहत्त्व को०— आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कडैल रोड, माहीम, बम्बई— 28 में स्थित हैं) श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, दिनांक 28—11—1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त सिंपितगर के अधीन कह दोने में बन्तरक को कहिएक में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा में लिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी बार या किसी वन वा बच्च कारिकारी को जिन्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या चन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री शकुन्तला वि० मल्होक्ता ।

(अन्तरक)

(2) मेसस परमार टरीअस ।

(अन्त रिती)

को यह प्राना आरी करके प्रवीतत सम्महित के वर्षन के स्थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दर सम्बन्धि के कर्नन को संबंध में कोई भी आक्रोप ह

- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो औं वविभ नाम में समाप्त होती हो, के बीतर प्रविक्त का विश्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की शारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकते।

स्पन्धक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पद्यों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में किया पया ही.

अनुसूची

दुकान सं० 6 भ्रौर 7 जो, अमरकुन्ज को०-आए० हासिंग सोसायटी लि०, फडल रोड, माहिम, बम्बई-28 में स्थित है। अनुमुची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37-ईई/8487/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1985 को रजिस्टड किया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1 बम्बई

दिमांक : 10-7-1986

मोहर:

प्रकल बाह्य टॉउ एनउ एउ.स------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाल 269-व (1) के वर्षीय सूत्रका

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कामजर कामुक्त (निरक्षिक)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं अई-1/37-ईई/8626/85-86-; ब्रतः मुझे, भ्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार भूक्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट सं० 8ए, जो, पहली मंजिल, मोहता भवन, श्राफ़ डा॰ इ॰ मोजेस रोड, वरली, बम्बई—18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5—11—1985,

को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दिश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथा प्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतीरितियों) के बीच उसे, जंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नसिकत उद्योख से उक्त कर्नरण विविक्त में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्यपन से शुष्ट किसी साथ की साबत जस्त स्विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की वायित्व में कभी करने या उसते सचने में सुविभा नी सिन्ने: और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का बाबाकिया जाना चाहिए था ज्याने में सुविका से विद्या

सतः अबं, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है सधीन, निम्निजितिक व्यक्तियाँ, क्ष्यांस रु~~

- (1) श्री रूपकुमार एल० श्राफ़ और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मेससं ओरीएण्टल इण्टरप्रायजेस । (ग्र-तिरिती)

की यह यूचना वारी कहके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पर्हित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से थे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि विध्या करित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट सं० 8-ए, जो, पहली मंजिल, मोहता भवन, श्राफ़ डा० इ० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्राई $\sim 1/37-$ ईई/8124/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रिजस्टडं किया गया है ।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकरम्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

मोहर 🦠

प्रस्य आहे ् टी । एव । एस .------

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) में अभीव सुद्धारा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्त्र)

भ्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8949/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 7, जो, तीसरी मंजिल, हिमालय को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट सं० 109, ग्रार० एस० थडानी मार्ग वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाब इ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-11-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितवा) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की वायत, उत्तर किथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रीद/या
- (क्) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, या धनकार विभिनियम, या धनकार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, किया सुविभा के स्वार

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एस० चक्रवर्ती।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री निवन कें० चिनीवाला और श्रन्य। (श्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीध या धरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उबसे अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट सं० 7, जो, तीसरी मंजिल, हिमालय को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट सं० 109, श्रार० एस० थडानी मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र श्र $\xi-1/37-\xi\xi/8434/85-86$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनांक 25-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्च० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

मोहर :

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के जभीन स्वना

नारतं तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आवृक्त ([नर्राक्रण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986 निवेश सं० म्रई-1/37-ईई/9000/85-86--मतः मुझे, म० प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउा 269-इ के अधिन सक्षमं प्राधिकारी को यह विख्यात करने का आरंग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार बुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 112 और 117, जो, पहली मंजिल, "णहा-नाहर" (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० इ० बोजेस रोड, वरली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-, नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 28-11-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझै यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित वाजार पृम्य, उसके ख्यमल प्रतिफल के, एंचे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से स्थिक है और अंतरक (बंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंडे अन्तरल के सिए तम पाया नया प्रतिफन, निम्नसिवित उच्चेत्रय से अन्तर अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्र—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की आजत, अक्ष अभिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के विप्ताय में अभी करने या तससे यचने में भृतिका के विप्ता बार बार
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण मों, मैं शक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मेसर्स शहा एण्ड नहार डेव्हलोपमटस।

(भ्रन्तरक

(2 मेसुर्म सुमेर कारपोरेशन।

(ब्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह ध्याना बाड़ी कड़के प्योंक्स संपरित के सर्वन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नार्शन इ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एउ सूचना की ताबीस से 30 दिन की व्यथि, यो भी जनीब वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के शस जिल्ला में किए का सकरेंगे।

स्वक्यक्रिकरणः--इतमें प्रवृक्त क्रम्यों बीर पदों का, जो उनत अभिनियम को अभ्याय 20-क में परिभावित ही, बहु अर्थ होगा है उस अभ्याय में दिवा गया है,

अनुसूची

यूनिट सं० 112 और 117, जो, पहली मंजिल, "शहा-नहारॅं (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा. इ० मोजेस रोड, वरली, वम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37—ईई/8485/85—86 और जो. सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-7-1986

मोहर:

प्रकृष काइं. दी .एन .एप .-----

आयक्षण अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज∸1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/8665/85-86--श्रतः मृझे, अ० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट सं 58, जो, दूसरी मंजिल, कैलाश-नगर को ; श्राप हाउसिंग सोसायटी लि , 658, ताडवेय रोड, वम्बई – 87 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूण रूप से व जित हैं) हैं और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 7–11– 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिद्वात से विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) बीच अंतरिती (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के द्रिप्त तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उच्चरेय से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कांश्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के बिष्; और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य असित्यों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री रमेश कांतीलाल नानायटी और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयंत हसमुखलाल पौराना । (भ्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के क्षिए. कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (का) इस स्थाना के राजधन को प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हिस्तक्ष किसी मन्य व्यक्ति ह्यारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थळितरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, को जक्त विभिनियम, को अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुमुची

पलट मं० 58, जो, दूसरी मंजिल, कैलाश नगर को० ब्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 658, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि 'क० मं० ग्राई-1/37-ईई/8160/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्धारा दिनांक 7-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-1, बम्बई-

दिनांक: 11-7-1986

मोहर :

प्ररूप वाहै. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यालयः, सहायक आयकर आध्वत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37—ईई/जी/5340/85—86—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 802-डी, दादर, जो स्ट्रबचर्ह के साथ, सो० एम० नं० 512--डी/10, माटुंगा डिविजन,

वम्बई है, तथा जो, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, प्रिक्षकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-11-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

जितः जित्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन जिल्लीसिय स्यक्तियों, अधीन हिल्लीसिय स्थापित स्थापित अधीन हिल्लीसिय स्थापित स्

- (1) श्री बापूलाल पुरुषोत्तम घाटालिया । (मन्तरक)
- (2) श्रीमती शांताबेन गुलाव चन्द्र शहा और श्रन्य । (श्रन्नरिती)
- (3) भाडूत । (यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती एस० जी० एम० दूस्ट।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हिनब्रब हैं)

को यह स्थाना आर्था करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के कर्षक के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितिसों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^न, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्ताट सं० 802-डी जो दादर स्ट्रक्चर्स के साथ, सी० एस० सं० 515;डी/10, माटुंगा डिविजन बम्बई में स्थित है ।

श्रतुमूची जैमा कि विलेख सं० बाम-852/85 और जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बस्बई

दिनांक : 11-7-1986

ोहर :

प्रकृष वाद . दी. एच्, एस्, -----

लायकार क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. बम्बर्ड

वम्बई, दिलांक 10 जुलाई 1986 मं० अई-1/37ईई/8770/85-86.--अत: मुझे, भ्र० इसाद,

जायकर अधिनिदम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2 जो तथ माला, श्रीर गॅरेज, जयवन्त अनार्टमेंटस्, तुल्सीवाडी, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 14-11-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल क्ष्म पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से किया नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कारितायाँ को शिन्ह भारतीय वायक र सिमिनयम, 1922 (1922 का 1) या उचत अधिनियम, या धनक र अभिनियम, या धनक र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- 1. मैसर्स जयवन्त डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री हिरो एघ० भागचन्दानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: --इसमें प्रयंक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, तलमाला, धौर गरेज, जयवन्त अनार्टमेंटस्, दादरकर कम्याउण्ड, तुलसीवाडी, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्ष सं० अई-1/37ईई/8262/ए/85-86 क्षीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बर्फ

दिनांक: 10-7-1986

मोहर

संब लोक सेवा ध्रायोग

नोटिस

भागुलिपिक परीक्षा, 1987

नई दिल्ली, विर्ताक 16 भगस्त, 1986

स॰ एफ० 11/2/86 प०-1 (ख)—भारत के राजपत वितांक 16 अगस्त, 1986 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार नीचे विये गये पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं और पतों की अस्थाई रिक्तियों में भर्ती के लिए संघ लीक सेवा आयोग द्वारा अगस्ता, श्रह्मदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, अयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, महास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, श्रीनगर तिक्रपति, सिवेन्द्रम, उवयपुर, विभाग्वापत्तनम तथा विवेश स्थित कुछ चने हुए भारतीय मिशनों में 1 फरवरी, 1987 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी :--

प्रायोग यदि चाहे जो उकत परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारी खों में परिवर्तन कर सकता है। यदापि उम्मीदवारों को उकत परीक्षा के लिए उनकी परान्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे तो भी धायोग परिस्थितिया किसी उम्मीदवार की प्रपंती विवक्षा पर श्रवर्ग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (शनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर जिन सेवाओं प्रौर पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम प्रौर विभिन्न सेवाओं प्रौर पदों से संबंधित रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्निलिखित है :---
 - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) :-- (मासुतिपिक संबर्ग का ग्रे**ण** -Ы)
 - (ii) रेलवे बोर्ड म्यानिसलय स्टेनोग्राफर सेवा ग्रेड ग (उक्त ग्रेड की चवन सूची में सम्मिलित करने हुतु)
 - (iii) केन्द्रोय सचिवालय भागुलिपिक सेवा ग्रेड ग (उक्त ग्रेड की चयन सुची में सम्मिलित करने के लिए)
- (iv) समस्त्र सेना मुख्यालय प्रामृक्षिपिक सेवा-- ग्रेड ग 7 (प० जा० के उम्मीदवारों के लिए प्रारक्षित 2 रिक्तियों सिंहत)
 - (v) भारत सरकार के कुछ मन्य विभागों/संगठनों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में माशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल कोई सचिवालय प्राशुलिपिक सेवा/केग्बीय सचिवा-लय भाशुलिपिक/सशस्त्र सेना मुख्यालय ग्राशु-लिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं है।

रिक्तियां सरकार द्वारा सुवित नहीं की गई हैं।
 उपर्यक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

 उम्मीववार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवामों/पद्मां में से एक या इससे प्रधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु शावेवन भेज सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से प्रधिक सेवामों/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही भावेदन पन्न भेगने की प्राय क्यकता नहीं है। नीचे पैरा 7 में उल्लिखित गुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए प्रलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह सावेदन कर रहा है।

दिष्पणी:--इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले भारत सरकार के कृष्ठ विभागों/हार्यालयों को केवल अंग्रेजी आप्मुलिपिक की ही आवश्यकता होगी, और इस परीक्षा के पिणाभों के आधार पर इन विभागों/कार्यालयों में आमुलिपिक के पवों पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जायेगी जिन्हों लिखात परीक्षा तथा अंग्रेजी के आमुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुमंसित किया जाता है (ब्रष्टवयः नियमावली के परि-

4. जम्मीदवारों को अपने भावेदन पत्र में बहु साध्य छव ने बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/परों के लिए विचार किये जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए निमुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली मांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्विष्ट उन सेवाधों/पदों के वरीयता कम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जायेगा जब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीववार को निर्धारित आवेदन प्रपत्न पर सन्वित, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली110011 को प्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण निवरण को रुपये भेजकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सन्वित्त, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआई रया सन्वित्त, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन प्रपत्न आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वार। भी प्राप्त किये जा सकते हैं। दो काये की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेगी।

टिप्पणी: -- उम्मीवनारों को चेतावती वी जाती है कि वे भ्रपने भावेदन पक भागुलिपिक परीक्षा, 1987 के लिए निर्धारित मृद्रित अपल में ही प्रस्तुत करें। ग्रामुलिपिक परीक्षा 1987 के लिए निर्धारित प्रपत्तों से इतर अपलों पर भरे हुए ग्रावेदन पत्रों पर विधार नहीं किया जायेगा।

6. सरा हुआ आवेदन पत्र आव्यव्यक प्रतेखों के साथ सिवय, संध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली न110011 को 13 अक्तूबर, 1986 (13 अक्तूबर, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, में भालय, अस्णाचल प्रदेश, मिओरम, मणिपुर, नागालैंड, बिपुरा, सिविकम, जम्मू और कंपमीर, राज्य के लहाच्य प्रधाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्वीति जिले तथा चम्बा जिल के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकाबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप भौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदावरों के और जिन उम्मीदावरों के और जिन उम्मीदावरों के आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके में दाल द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 27 श्रव्यूवर, 1988) तक या उससे पहले खाक द्वारा अवस्य मिजवा दिया जाये या स्वयं प्रायोग के काउन्टर पर आकर जमा कर दिया जाये। निर्वारित तारीख के बाद प्राप्त होने काले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जायेगा।

श्रमम, भेषालय, श्रक्णाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिनिकम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लहाब प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्ना जिले के पांगी उपमण्डल अष्टमान और निकोबार द्वीप समृह या समदीय श्रीर विदेशों में रहते या के

उम्मीदबारों से आयोग यदि चाहै तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 13 अक्तूबर, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, भेषालय, अवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, क्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाज प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समृष्ट या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i): जो उम्मीववार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की अस्सुति हेतु अतिरिक्त समय के हकवार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकवार इलाके था क्षेत्र का नाम अर्थीत असम, में आलग, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाब प्रमाग आदि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाम न मिले।

टिल्पणी (ii): उम्मीदवारों को सलाह वी जाती है कि वे प्रपने भावेदन पत्न को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउन्टर पर जमा करायें भयवा रिलस्टर्ड डाक बारा भेजें। भायोग के किसी भ्रन्य कर्मवारी को दिये गये भावेदन-पत्नों के लिए भायोग उत्सरवायी नहीं होगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदावारों को भरे हुए प्रावेदन-पक्ष के साथ धायोग को द० 12.00 (बारह क्पये) का मुल्क घेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा धायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धाउँर या सचिव, संघ लोक सेवा धायोग की नई दिल्ली के स्टेट बैंक श्रांफ इण्डिया की मुख्य साखा पर देय स्टेट बैंक धांफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

भ्रतुसुचित जातियों/भ्रनुसुचित जनजानियों के उम्मीदवारों को कोई भी गुरुक श्रदा नहीं करना है।

विवेश में रहने जाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त, राजवून या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में इस प्रमुदोध के जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा प्रायोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये, प्रौर उन्हें प्रावेदन पत्र के साथ उसकी सिद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन बानेदन पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्त्रीकार कर विया जामगा । यह उन उम्मींदवारों पर लागू नहीं होता जो नी बे के पैरा 8 के अण्तर्गत निर्धारित शृल्क से छूट जाहते हैं।

8. भायोग यदि चाहे तो वह उस स्थित में निर्धारित गुल्क से छूट वे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि भावेदक या तो 1 जनवरी 1964 से भौर 25 मार्च, 1971 के बीच की भविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देंग) से भारत भाया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति है भौर 1 जूम, 1963 को या उसके बाद भारत माया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है, जो प्रक्तूबर, 1964 के भारत की जंगा समझौते के भंतर्गत 1 मवस्वर 1964 को या जसके बाद भारत भाया है या माने वाला है या त्रकां लीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 भौर 31 मार्च, 1973 के बीच की

अवधि के बीरान भारत प्रशानन कर आया था और निर्धारित शुल्क वेने स्थिति में नहीं है या निभन परिभ पा के भनुसार भूतपुर्व सैनिक है—

"भूतपूर्व सैनिक" ना अभिष्ठाय उस न्यक्ति से है जिसने संघ की नणस्त्र सेनाओं (संघ की नौसेना, यल सेना, या वायू सेना) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सशस्त्र मेना सम्मिलित है, तथा असम राइकत्य सेना रक्षा कोर जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और कम्मीर मिलीशिया लोक सहायक सेना, प्रावेशिक सेना सम्मिलित महीं है, किसी भी रैंक (लड़ाकू या गैर लड़ाकू) में मापथ ग्रहण के बाद 13 अक्तूबर 1986 को कम से कम छह माह की अवधि तक लगातार सेवा कर ली है, और

- (1) जो कदाचार या अक्षमता के कारण बखास्ति या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थान स्तिरत न होकर अध्यया निर्मुक्त हुआ है, अध्या
- (2) जिसे निर्मुक्त होने तक या रिजर्व में स्थानान्तरित होने का हकदार यनने के लिए धावश्यक सेवाबध पूरी शरने हेतु 13 धनतुबर, 1986 को 6 मास या इससे कम सेवा करनी है।
- (3) जो संघ की सशस्त्र सेनाओं म पांच वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद भपनी प्रार्थना पर निर्मुक्त हुआ है।
- 9. जिस उम्मीदबार ने निर्धारित णुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे प्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे र० 3.00 (तीन रूपये) की रामि वापिस कर दी जायेगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर प्रस्य किसी दावे की स्थिति में श्रायोग को भुगतान किये गये मुल्क की वापसी के किसीभी दावे पर न तो विचार किया जायेगा भीर न मुल्क को किसी मृत्य परीक्षा या चयन के लिये धारक्षित रखा जा सकेगा।

- 10. यदि कोई उम्मीदवार 1986 में ली गई प्राणुलिपिक परीक्षा में बैठा हो भीर अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना नाहता हो तो उसे परीक्षाफन या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही अपना आवेदन पत्र अवयय भेज देना नाहिए ताकि वह निर्धारित तारी ब तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाये। यदि वह 1986 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्त हेतु अनुसंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोख पर 1987 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह कर वी जायेगी और उसकी उसी प्रकार शुक्क लौटा दिया जायेगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता वंशलें कि उम्मीदवारी रह करने भीर शुक्क वापस करने का अनुरोख प्रायोग के कार्यालय में 1986 की परीक्षा के अन्तिम परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्तर या इससे पूर्व प्राप्त हो जाय।
- 11. प्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की बापसी के लिये उम्मीदवार के लिमी प्रकार के प्रनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में बिचार नहीं किया जायेगा ।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था सामान्य अंग्रेजी और सामान्य आन के प्रश्न पद्मों में बस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्न सिंहत बस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए अपया "उम्मीदाबार मुचना-विवरणिका" के अनुबन्ध II का प्रथमोकन करें।

निर्मल एम्ड्रगुक उप सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

धनुबन्ध- 1

जम्मीववारों को अनुदेश

1. उम्मीवनारों को चाहिए कि भावेशा-नव भरो से पहने नोटि भीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देखा लें कि वे परीक्षा में बैठने के वाल हैं भी या नहीं । निर्धारित मार्तों में छूट नहीं दी जा सकतो । प्रावेधन-पल भेजने से पहले उम्मीदनार को नीटिस के पैरा 1 में विये गये केन्द्रों में से किसी एक को जहां नह परीक्षा देने का इच्छुक है, प्रन्तिम रूप से चुन लेमा चाहिए ।

जो उम्मीबबार किसी विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना बाहता हो उससे भागुलिपिक परीक्षण के लिए भ्रपने ही अर्थ पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण भायोजिन करने के निए भावस्थक प्रवस्थ उपलब्ध हो।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना पाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध प्रतुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जायेगा । किन्तु जब कोई उम्मीवार भपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उकर परीक्षा हेतू भपने भावेदन में निर्विष्ट जिया था तो उसे सचिन, संग लोक सेवा भायोग को इस बात का पूरा भौजित्य बताते हुए एक पत्र रिजल्ड डाक से भवय्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चहता है । ऐसे भनुरोधों पर गुणवता के भाधार पर विचार जिया जायेगा किन्तु पहली जनवरी 1987 के बाद भाष्त भनुरोधों को किसी स्थिन में स्वौकार नहीं किया जायेगा ।

 उम्मीदेवार को मावेदन-पत्र तथा पावती लार्ड प्रपंते हाथ से ही स्थाही से मा बाल प्वाइट पैन से भरने चाहिए। प्रभूरा या गलत भरा हुआ प्रावेदन-पत्र भस्वौकार कर दिया जायेगा।

टिप्पणी :— उम्मीववारों को उक्त परीक्षा की नियमावलों के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के मनुसार भ्रमने भावेदन-पत्न के कालम 8 में स्पष्ट क्ष्प से उस भाषा का उल्लेख कर बेना चाहिए जिसमें वे निवन्ध के प्रका-पत्नों का उत्तर देने के उच्छुक हैं तथा भाषानिषिक परीक्षण बेना चाहते हैं। एक बार विवा गया विकल्प भ्रम्तिम माना जायेगा और उक्त कालम में परि-वर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी भनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान जिल्ला चालेगा कि उक्त प्रका-पत्नों का उत्तर तथा भाषानिष्क का परीक्षण मंग्रेजी में दिशा जायेगा।

सम्मीवनार यह ज्वान रखें नि श्रावेदन पत्नों को भरते समय भारतीय श्रंकों के श्रन्तर्राष्ट्रव रूप का प्रयोग किया जाना है। जाहे माध्यमिन विज्ञालय छोड़ने के प्रमाणपत्न वा इसके समकक्ष प्रमाणपत्न में जरम की तारीख हिन्दी संकों भें दर्ज हो तो उम्मीदवार को सनिश्चित कर लेना बाहिए कि जो श्रावेदन-पत्न वह प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय श्रंकों से श्रन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाये जायें। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि श्रावेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर मुपाट्य हों। यदि प्रविष्टियां भ्रपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निवर्चन में होने वाले 'म तथा संदिग्धता के लिये उम्मीदवा उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि मायोग द्वारा भावेदन-पत भे उनके द्वारा की गई प्रविध्धियों को वदलने के लिए कोई पत मावि स्वीकार नहीं किया जायेगा । इसलिए उन्हें मावेदन-पत सहीं रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ।

सभी उम्मीदावारों को नाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी धौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या ग़ैर-सरकारी संस्थामों में नियुक्त हों प्रपने प्रावेदन-पत्र प्रायोग को सीधे भेजने चहिएं। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना श्रावेदन-पत्र नियोक्ता के बारा भेजा हो धौर वह संभ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया आयोग। में ही वह नियोक्ता को आवारी तारीख के पश्री प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहते से सरकारी नौकरों ने जाकि हिए हैं या दैनिक दर कर्म-बारी से इतर स्थायी या प्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्म-बारियों की हैसियत से काम कर रहे हों, या वे लीक उद्योगें में से सेवारत हों, उन्हें यह परिवचन (प्रंडरटेकिंग) प्रमुद्दन करता होगा कि उन्होंने लिखिस रूप से प्रभने कार्यालय/विभाग के प्रज्यक्ष को मुनित का दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना चाहिए कि यवि झायोग को उनके नियोकता से उनके उक्त परीक्षा के लिए धावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध भनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका झावेदन-पत्र झस्त्रीकृत कर विया जायेगा/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी आएगी।

- उम्मीदवार को धपने भ्रावेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित अलेख भ्रयथ्य भेजने चाहिएं :---
 - (i) निर्धारित शुल्क के तिए रेखाँकित भारतीय पोस्टल झाडेर या बैंक श्रापट अथवा शुल्क में खूट का दावा मारने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्न की पमाणित/प्रतुप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीवे परा 8)।
 - (ii) मायु के भमाण-पन्न की मनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि ।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्न की ऋनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iv) उम्मीववार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × गर्से० मी०) के फोटी की दो एक औसी प्रतियां जिनमें से एक प्रति ग्रावेदन-प्रपत्न पर चिपकी हो भौर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रका पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो।
 - (v) जहां लागू हो बहां अनुसुचित जाति/अनुसुचित जन जाति का होने के वाने के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (वेखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हो वहां अध्य में छूट के दावे के सनर्थन में प्रमाण: पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि [देखिए नीचे पैरा 5 (ख)]
 - (vii) उपस्थिति पत्रक (ग्रावेदन-पत्र के साथ विधिवत् भरकर संलग्न) ।
 - (viii) बिना टिकट लगे हुए दो लिकाने (लगभग 11.5 स० मी० ×27.5 सें० मी) जिन पर प्रपना पता लिखा हो।

टिप्पणी (i)--सम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद(ii),

(iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्न की केवल प्रतिलियिया ही प्रस्तुन करनी हैं जो सरकार के किसी राजपन्नित मधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हों।। स्वयं उम्मीदवारों द्वारा, सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर भागुलिपिक परीक्षण के लिए श्रर्हता प्राप्त कर लेते. हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरस्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों को मूल प्रतियां, प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1987 के मई माम में बोषित किए जाने ी संमाजना है। उम्मीबवारों को इन प्रमाण-समय वैयार रखना चाहिए सया लिखिन परीक्षा के परिणान की घोषणा के तुरन्त बाद, उन्हें भायोग को प्रस्तुत कर दना चाहिए । जा उम्मो-दबार उस समय प्रवेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रह करेदी जाएनी ग्रीर में उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का वाया नहीं कर सकेंगें।

- टिप्पणी (ii):--- उम्मीववारों से यह प्रपेक्षा की जाती है कि प्रावेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्नों की प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर प्रपने हस्ताक्षर भरके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।
- मद (i) से (iv) मैं उल्लिखित प्रसेखों के विवरण नीचे विए गए हैं और मद (v) और (vi) मैं उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 भीर 6 मैं दिए गए हैं :--
- (1) (क) निर्धारित गुरक के लिए रेखांकित किए गए भारतीय भोस्टल भार्कर:—

प्रत्येक पोस्टल ग्रार्डर श्रनिवार्यतः रेखांकित किया जाएं तथा उस परः "सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को दिल्ली' के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए ।

किसी भ्रन्य डाकवर पर वेय पोस्टल भ्राडर किसी भी स्थिति में स्वीकार महीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल ग्राडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल मार्बरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भौर जारी करने वाले ढाकवर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीवबारों को भवत्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गएहों भीर न सचिव, संघ लोक सेंबा आयोग को नई विल्ली, प्रधान डाकचर पर देय किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

(ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित बैंक क्राफ्ट:

बैंक द्रापट बैंक छाफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना जाहिए धीर सचिव, संघ जोक सेवा प्रायोग को स्टेट बैंक छाँफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी झन्य बैंक के नाम वेय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

- टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्न प्रस्तुत करते समय बैंग ब्राफ्ट की पिछली भोर सिरेपर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पोस्टल आर्बरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टब आर्बर के पिछली भोर इस अयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर भपना नाम तथा पता लिखें।
- (ii) प्रायु का प्रमाण पत्न : प्रायोग जन्म की यह तारोख स्वीकार करता है जो में द्रिकुलेशन, या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न था किसी भारतीय विषवविद्यालय द्वारा, मेंद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विषवविद्यालय द्वारा धनुरक्षित मेंद्रिकुलेटों, के रिजस्टर में वर्ज की गई हो भीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृधित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीववार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा यो उसकी समकक्ष परीक्षा उतीर्ण कर बुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

मायु के सम्बन्ध में कोई भ्रम्य वस्तावेज. जैसे जन्म कुण्डली, शपथपक , नगर निगम, सेवा भ्रभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्घरण तथा भ्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

श्चनुवेशों के इस भाग में प्राए हुए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र वाक्यांग के भन्तर्गत, उपर्युक्त, वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होतो या प्रायुक्ष केवल पूरे वर्ष या वर्ष धीर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे गामलों मैं उम्मीदवारों की मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, उप-संस्थान के हैं इनास्टर/प्रिसिपन से लिए गए प्रमाण-पन्न, की अनुप्रनाणित/प्रम-णित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने में ट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उतीर्ण की हो । इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के वाखिला रिजस्टर में वर्ज की मेथी उसकी जन्म की नारोख या बास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए ।

उम्मीबयारों को चैताबनी दी जाती है कि यदि भावेदन पत्न के साथ इन अनुवेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्न अस्त्रीकार किया जा सकता है ।

- दिष्यणी (1) -- जिस उम्मीदशार के पाम पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त मारुपमिक विद्यालय प्रमाण-पद्म हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रति-जिपि भेजनी चाहिए ।
- टिप्पणी (2) -- उस्मीदवार यह घ्यान वें कि श्रायोग उस्मीदवार की जन्म की उसी नारीख को स्वीकार करेगा जो कि श्रावेदन पत प्रस्तुत करने की तारीख को मैं ट्रीकुलेशन/उक्वतर माध्यमिक प्रीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी शनुरोध पर म सो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी (3) -- उम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने भीर भाषीग द्वारा उसे धपने अभिलेख में दर्ज कर लोने के बाद में या कि नि गरीक्षा में परिवर्जन करने की धनुमति नहीं दी जाएगी ।
- टिप्पणी (4)—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्याधियों को तैयार करने वाले किसी
 मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरिबन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा
 केन्द्र, पीडिचेरी का हायर सैकेण्डरी कोसे या (iv
 विस्ती पालीटैक्नीक के तिकनीकी उच्चतर माध्यमिक
 विद्यालय की वसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध
 स्कूल के जिसीपल, से पैरा 3 (iii) के नीचे नीट 3
 के अधीन निर्धारित प्राप्त पर निपा गया सायु का प्रमाण
 पक्ष स्वस्य भेजना चाहिए सौर उसके सितिरिक्त सायु
 के प्रमाण के रूप में कोई धन्य प्रमाण पक्ष सपेकित नहीं
 होगा ।
- टिप्पकी (5) ज्जो, उम्मीदनार पहले से ही, स्थायी सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख भीर शैक्षिक थोग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।
- (iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पतः—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप अवस्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाये ता उन्मीयनार की उन न भेजने का कारण अवस्य बताना चाहिए और प्रोधित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समयन में किसी प्रन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनो चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी स्थानना के आधार पर विचार करेगा, किस्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणीं 1—जो उम्मीवबार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ बुका हो जिसमें उतीर्ण होने पर वह ब्रामीग को इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किस्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है भौर यह ऐसी झहुंक परीक्षा में बैठने का दरादा रखता है तो वह द्यायोग की इस परीक्षा में प्रदेश पने के लिए पान नहीं होगा ।

िष्पणी 2--जिस उम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विकालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो उसे प्रमाण-पत्न की भनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस• एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविव्हियों वाले पुष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी वाहिए 1

टिप्पणी 3—जो प्मीववारं (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इण्डियन स्कूल सर्टिकिकेट एग्जामिनेशन विद्यालयों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री धरिवन्ध धन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पीडिपेरी का हायर सैकेन्डरी कोर्स या (iv) विल्ली पोलीटेकिनीक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की वसवीं कक्षा में उतीण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिसीपल हिंडमास्टर से नीचे टिप्पणी में मिर्घारित कार्म पर लिया गया श्रीक्षक योग्यना प्रमाण-पत्न भवस्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्न का फार्म दृष्टक्य वैरा 3 (ii) के नीचे टिप्पणी 4 भीर उपर्युक्त टिप्पणी 3।

प्रमाणित किया जाता है कि :--

(1) श्री/श्रीमती/क्मारी*
मुपुत/मुपुति* श्री
इस विद्यालय कीकक्सा में जो कि हायर
सैकेन्डरी इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन श्री प्ररिवन्त प्रस्तराष्ट्रीय
शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर मैकैन्डरी पाठ्यक्रम* दिल्ली पोलीटेकनीक
तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम की उपांतिस कक्षा है
में जतीर्ण है।

(2) इस विद्यालय के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख ——————हैं इस तारीख की स्थानीतरण प्रमाण-पद्म विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी स्रोर से प्रस्तुत किये गये विवरण से पुष्टि पर ली गई है।

तारीख	
	हैडमास्टर/प्रिसीपल* हस्ताक्ष ः
स्यात्	(विद्यालय का नाम <u>)</u>
	(।उन्यासन का साम

***जो शब्द लागून हों उन्हें फाट वें**।

(iv) फोटो की दो प्रतियां -- उम्मीदवार को ग्रपने हाल ही के पास-पोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें मी० × 7 सें० मी०) फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भवष्य भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति भावेदन-पक्ष के पहले पृष्ठ पर ग्रीर (ग्रन्थ प्रति उपस्थिति प्रतक्ष में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिएं) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊगर उम्मीधवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ह्यानः -- उम्मीदशार को चेतावनी दी जाती है कि यदि धावेदन पक्ष के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) श्रीर 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पद्ध छादि में से कोई एक संलब्द न होंगा भीर उसे भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न दिया गया होंगा तो सावेदन पत्न सस्वीकार किया जा सकता है श्रीर इस सस्वीकृति के विषद कोई धनील नहीं मुती जानेगी।

4 यदि कोई उम्मीवार किसी अनुसूचिन जानि या अनुसूचिन घा हो। होने का दावा करे तो उसे अपने दाये कं मनयंन में उस जिले के जिनके माला-पिना (या जीविन माला या पिना) आमनौर से रहने हों जिला अधिकारों या उप मण्डल अधिकारों या नीचे उस्लिखिन किसो अन्य अधिकारों या उप मण्डल अधिकारों या नीचे उस्लिखिन किसो अन्य अधिकारों से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्तम प्राधिकारों के रूप में पद नामिन किया हो नीचे दिये गये कामें में प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और विना दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के अधिकारों में लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिका से भिन्न किसी अन्य प्रयोगन से आमतीर पर रहता है।

भारत सरकार के ब्राधीन पत्नों पर नियुक्ति के लिये धावेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीववारों प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्मः⊸-सुपुत्न/सुपुत्नी* श्री -----जो गांव/कस्वा* ------जिला/ संघ राज्य* क्षेत्र----------- भाति/जनजाति के/ की है जिसे निम्नलिखित के प्रधीन अनुसूचित जाति/जन^क जाति के रूप में मान्यता दो गई है:--संविधान (भनुसूचित जातियां) ग्रादेश 1950।@ संविधान (प्रनुसुचित जनजातियां) ग्रादेश 1950।@ संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) मावेश 1951@ संविधान (ग्रनुसूचित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) म्रावेश 1951 @ [(भ) अनुचित जातियां और अनुसूचित अनजातियां सूची (भाशो-धन) पादेश, 1956, बम्बई पुनर्राठन भधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्राठन ब्रिधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रिधिनियम, 1970 उत्तर

सुचित जनजातियां घावेश संशोधन घ्रधिनियम, 1976@ द्वार। यथा संशोधित ।] संविधान (जम्मू भीर कश्मीर) धनुसूचित जातियां धावेश विद्यान (ग्रण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह) ग्रनुसूचित जनजातियां द्यावेश 1959@ प्रनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां प्रावेश (संशोधन) प्रधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित) @ संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति ग्रादेश 1962@ संविधान (दादरा भीर नागर ह्वेली) भनुसूचित जन जातियां भादेश 1962@ संविधान (पांडिचेरी) प्रनुमूचित जातियां ब्रादेश 1964@ संविधान (धनुसुचित जन जातियां) उत्तर प्रदेश आदेश 1967@ संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियु) भ्रनुसूचित जातियः भावेग, 1968(2), संविधान (गोवा, दमन भौर दियु) भनुसूचिन अनुस्राधिया प्राप्तेश 1968(2) संविधान (नागालैण्ड) ऋतुस्चित जनजातियां श्रादेण 1970@ संविधान (सिक्किम) भनुसूचित जाति भादेश 1978@ संविधान (सिक्किम) प्रनुसूचित जनजाति भादेश 1978@ ।

क्षेत्र (पुनराठन) प्रविनियम, 1971 प्रीर प्रनुसन्ति जातियां तथा प्रनु-

 धनुमुचित जातियों/धनुसुधित जनजातियों के जो व्यक्ति एक राज्य% संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से प्रवजन कर चके हैं उनके मामले में लाग ।

यह प्रमाण-पन्न श्री/श्रीमती कुमारी*
निवासी ग्राम/मस्बा*
जिला/मण्डल*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र *
जाति/जनजानि *
जिसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*
में द्वारा दिनांक
को जारी भादेशों के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचिन जन जाति* के
रूप में मान्यता प्राप्त है, के पिना/माता श्री/श्रीमती* को जारी श्रनुमुजित
जाति/प्रनुसूचित जनजाति में प्रमाण-पत्न के ग्राधार पर जारी किया जाता
₹ (
% ३० श्री/श्रीमती/कृमारी*
भौर/या जनका परिवार श्रामतीर से गांव/कस्वा*
जापूर्वा उनका परिवार आसत्तार स नामुकास्था उनका निवार
जिला/मण्डल* — राज्य/-
संघ राज्य श्रेत्र*
भें रहते/रहती* हैं।
हस्ताक्षर
**पवनामः
(कार्यालय की मोहर सहित)
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
स्यान
शारीख

*जो सब्द लागू म हों उन्हें कृषया काट दें। @कृषया राष्ट्रपति का विशिष्ट ध्रावेश उद्धृत करें।

%नो पैरा शागू न हो उसे काट वें। टिप्पणी:-"ग्रामतौर पर रहता/रहतो है गड्यों का ग्रंथ वही होगा को रिप्नेजेंटेशन ग्राफ वि पोपुल एक्ट, 1950 को घारा में है। **ग्रनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिये सक्षम

प्रधिकारी ।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रातिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/बिस्टी कीम-इतर/एडिणतल किस्टी किम्इतर/किस्टी फलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/रिटी मैजिस्ट्रेट/सब किविजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्सट्टा ग्रसिस्टेंट किम-क्तर।
 - †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैंजिस्ट्रेट के बोहवे से कम नहीं)।
- (ii) चीफ प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेकेन्यू प्रफसर जिसका घोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाफे का सब डिविजनल श्राफिसर जहां उम्मीदवार भौर या उसका परिवार श्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऎडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सविव/डेवलपमेंट सकारा । द्वीप।
- 6. (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आधु में छूट का दावा करने काले आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है) (क्लर्जी/ स्टेनोटाइपिस्टों) को अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखिन प्रपत्न पर एक प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

यह भी प्रशाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा धायोग द्वारा धायोजित परीक्षा के परिणामों के धाधार पर के० स० धा० से०/ रे० बो० स० धा० से०/धाई० एफ० एस० बी० धाशृनिषिक उप संवर्ग/ सगस्त्र सेवा मुख्यालय धाशृनिषिक सेवा* में नियुक्त नहीं तुए हैं।

(ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृमारी के कार्यालय जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र* —का विभाग/कार्यालय है, में नियमित कप से क्लकं/स्टेनोटाइपिस्ट/रेल डाक सेवा के मार्टर/प्राश्नुलिपिक के पद पर लगातार कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1987 को क्लकं/स्टेनोटाइपिस्ट/रेलवे डाक सेवा के मार्टर/प्राश्नुलिपिक की हैमियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है|से कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे ।

विनांक	हस्ताक्षर		
संख्या	पदनाम		
स्यात	मंत्राक्षय/व	हा याल य	
•	वायलिय	की मोहर	

*जो लागू न हो उसे इत्पया काट दें।

- खं(i) नियम 6(ग) (ii) या 6 ग(iii) के जन्तांत निर्धारित ज्ञामु सीमा में छूट का धौर/या उक्न मीटिस के पैश्वप्राफ 8 के प्रधीन गुल्क में छूट का वावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देक्र) से विस्थापित व्यक्ति की निम्निलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये/ प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्राया दुषा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रविध के दौरान प्रजजन कर भारत भाया वा,—
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों श्रयवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहन णिविरों के कैम्प कमार्डेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) श्रवने-अपने जिलों में भरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब डिविजन का सब डिविजनल ग्रफसर ।
 - (5) उप शरणार्थी पुनर्वाम भ्रामुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (ii) नियम 6(ग) (iv) भ्रषण 6(ग) (v) के भ्रस्तगंत निर्धारित भागु में छूट का भौरू/या उकत नोटिस के पैराग्राफ 8 के भ्रधीन गुल्क म छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावीतत या प्रत्यावीतत होने वाले मूलत: भारतीय व्यक्ति श्रीलंका में भारत के उन्न भ्रागुक्त के कार्यालय से लिये गये इस भ्राग्य के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जा भ्रक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के भ्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उनके बाद भारत श्राया है या भारत भाने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग) (vi) प्रथवा नियम 6(ग) (vii) के प्रन्तर्रांन आयु, सीमा में छूट चाहने वाले फीनिया, उगांडा तथा संपुत्रन गण राज्य तंत्रानिया, (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्राये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलाबो, जेरे और दिखयोपिया से प्रत्यावितन भारन मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहा वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की एक प्रनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिधि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह वासार में उन्निकत देशों से प्राया है।
- (iv) नियम 6(ग) (viii) प्रयवा (6) (ग) (ix) के प्रत्नगंत निर्धारित भागु सीमा में भीर/या उक्त नीटिस के पैराग्राल 8 के भड़ीन शुक्क में छूट चाहते वाले बर्मा से प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा विथे गये पहचान प्रमाण-पत्न की एक प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह खिलाने के लिये प्रस्तुन करनो चाहिए

कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत भाया है अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैं जिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखालाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह नर्मा ते प्राणा हुन्ना वास्त-विक प्रत्यावर्षित व्यक्ति है भौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत भाया है।

(V) नियम 6 (ग) (x) प्रयमा 6 (ग) (xi) के प्रस्तांत प्रायु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंज्ञालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस प्राथम का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेशी शत्नु वेश के साथ संघर्ष में प्रथवा प्रशांतिग्रस्त केता में फार्य कार्रवाई के दौरान विकलांग हुमा और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत

दिनांक -----

*जो शब्द लागून हो उसे इत्पया काट दें।

- (vi) नियम 6(ग) (xii) भ्रयवा नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गंत भायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिल्हाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिणि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से भाया हुआ वास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति है भीर वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं भाया है।
- (vii) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त भ्रधिकारी (भ्रापात-काखीन नेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/श्रस्यकालीन सेवा कभीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 6(ग) (xiv) या 6(ग) (xv) की शतों के भ्रधीन भ्रायु सीमाओं में छूट का बावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिका-रियों से निम्नलिखित निर्भारित प्रपत्न में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्न की, एक प्रमाणित/श्रनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्य मुक्त/सेवा निवत्त कार्मिकों पर लागू

							 ?'षर		
नाम ने,	 जिसकी ,	जन्म	 की	तारी	 -	 		 	 ₹,
सेना		यु सेन	मं				निम्नलि ख त		

(क) उन्होंने पांच या पांच से आधिक यथों तक सैनिक सेवा की है ग्रीर कार्यकाल के समापन पर कवाचार या भ्रक्षमता के कारण इन्द्रित या कार्यमुक्त होने के भ्रखावा घण्य भ्राधार परकार्य मुक्त हुए हैं।

(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक प्रयंगता या प्रतन
के कारणको कार्यमुक्त हुए हैं।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम मुहर
स्थान
धारीब
(ख) सेवारत कार्मिको पर लागू
प्रमाणित किया जाला है कि सं०
रेंक
जिसकी जन्म सिथि
सेना/नौ सेना/वायु सेना
में सेवा कर रहे हैं।
· -
2. उन्हें से कार्य मुक्त/
सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
तक समाप्त होने की
र्सभावना है।
सक्षम प्राधिकारी का नाम
तथा पदनाम मृहर
स्यान
Wi Cital
प्रमाण-पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं:
(क) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (मापातकालीन, कमीशन प्राप्त

सेना:--मिलिटरी सेक्नेटरी की शाखा सेना मुख्यालय, नई विल्ली । नौसेना--कार्मिक निर्वेशालय, नौसेना, मुख्यालय, नई विल्ली। वायु सेना--कार्मिक निर्वेशालय (प्रधिकारी) वायु सेना मुख्या-लय, नई विल्ली।

सहित) के मामले मः—

- (ख) नौ सेना तथा वायु सेना के जूनियर कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/
 प्रत्य रेकों तथा समकक, प्रधिकारियों के मामले :-सेना--विभिन्न रेजीसेन्टल रिकार्ड, कार्यालयों द्वारा
 नौसेना,-बी० ए० बी० एस०, बम्बई।
 वायु सेना--वायु सेना रिकार्ड (एन० ई० प्रार० डब्स्यू०)
 नई बिल्ली।
- (viii) नियम 6 (ग) (xvi) या 6 (ग) (xvii) के अन्तर्गंत आयु में रियायत का और/या नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गंत गृहक में कूट का वावा करने वाले तत्कालीन परिचमी पाकिस्तान से निस्थापित व्यक्ति को निम्न प्राधिकारियों से इस भागय के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह पश्चिमी पाकिस्तान से नास्त-विक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की भवधि में भारत प्रक्रजन कर आया था:---
 - (1) विभिन्न राज्यों में स्थित ट्रांजिट केन्द्रों, या राहन शिथिरों के कैम्प कमार्डिट।
 - (2) जहां वह फिलहाल रहता है उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (3) प्रयते-प्रयते जिलों के गरणायीं पुतर्वास के प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट।
 - (4) अपने प्रभार के भन्तर्गत सब डिवीजन के श्रन्दर सब डिविज-नल भफसर।
 - (ठ) उप ग्रारणार्थी पुनर्वास मायुक्ता

(ix) नियम 6 (ग) (xviii) भ्रथवा 6 (ग) (xix) के अन्तर्गत भाग सीमा में छूट का वावा करने वाले असम के निवासी को उस जिल् । मिलस्ट्रेट से जिसके क्षेत्राधिकार में वह सामान्यसया रहा है भयवा इस संबंध में भ्रसम सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी भन्य प्राधिकारी से प्राप्त उस प्रमाण-पत्न की एक सत्यापित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी होगी जिसमें यह स्पष्ट हो कि उम्मीदवार 1 जनवरी, 1980 से 15 भगस्स, 1985 की भ्रवधि के धौरान धसम राज्य का निवासी रहा है।

उम्मीदवार दारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

यह प्रमाणित किया जाता सुपुत्र/मृपुत्री/श्री		<u>-</u> .	जो	
गवि/कस्ता		-		
मैं पहली जनवरी, 1980 से	15 झगस्त,	1985	नक व	ी ग्राविध के
दौरानसे ये।	तिक	प्रस म	राज्य	के निवासी
मोहर	,	দিলা	मजिस्ट्रे	ε
		जिला		
		उपमंडल	জিলা	मिश्रिकारी

जारी करने की नारीख

8. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 6(ख), (i), (ii), (iv), धौर (viii)में से किसी भी वर्ग के धन्सर्गत नोटिस के पैरा 8 के धनुसार शुल्क में छूट का वावा करता है, उसका किसी जिला प्रधिकारी या सरकार के राजपतिस धिकारी या संसव सदस्य या राज्य विद्यान मण्डल के सवस्य से, यह विद्यानों के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में महीं है, इस धाशय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होनी।

उक्त मोटिस के पैरा 8 के धन्तांत णुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूव सैनिक को स्थल भेना/बायु सेना/नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूव सैनिक होने के परिणामस्वरूप दिये गये सेवा मुक्ति प्रमाण-पत्न की एक धनुप्रमाणिल/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चालिए। इस प्रमाण-पत्न ने उसकी मणस्त्र सेना में सम्मिलित होने वाला वास्तविक तारीख, तथा सेना से निर्मृक्त या सणस्त्र सेना के रिजवं में स्थानान्तरण की तारीख य निर्मृक्ति या सणस्त्र सेना के रिजवं में स्थानान्तरण की सम्भावित तारीख प्रवर्ष सिखी हो।

- 7. जिम जम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण-पत्न ग्रावक्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेण दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्त प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत संग्कार द्वारा उसे श्रावक्यक पालता प्रमाण-पत्न जारी कर दिया गया हो।
- अम्मीदनारीं को चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रावेदन-पत्न भरते समय कोई झुठा ब्यौरान दें भ्रथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को ना छिपार्ये।

उम्मीववारों को यह भी नेतावनी दी जाती है कि वह अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि की किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें, और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें यदि ऐसे दो या अधिक प्रलखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशुद्धि अथवा विसंगति हो तो, विसंगति के सम्बन्ध में, स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया आए।

9. झाबेदन पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्न ही समुक तारील को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्न का भेजा जाना ही स्थतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो गया है। 10. भायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक श्रावेदन-पन्न (विलम्ब से प्राप्त भावेदन-पन्न सिहत) की पावती दी जाती है तथा भावेदन पन्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को भावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्स परीक्षा भावेदन-पन्न प्राप्त करने के लिए निधारित भन्तिम नारीख से एक मास के अप्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल भायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को झावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने झाप यह अर्थ नहीं है कि झावेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण हैं तथा झायोग द्वारा, स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीववार को उसके प्रावेदन-पत्न के परिणाम की भूचना यथाणीझ वे ती जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब भूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के सुक होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीववार को प्रपंने प्रावेदन-पत्न के परिणाम के बारे में, संघ लोक सेवा भायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे भायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीववार ने ऐस। नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के बावे से वंचित हो जायेगा।

12. संघ लोक सेवा ध्रायोग ने संघ लोक सेवा घ्रायोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीयवार विवरण का शीर्षक से एक सभूल्य पृष्टिनका छापी है इस प्रकाशन का उदेश्य यह है जिससे संब् सोठ सेठ घायोग की परीक्षाधों या चयनों के घायी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका ग्रौर पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा परस्परागत प्रश्न पत्नों का उल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाशन
सियंत्रक, सिविल लाइन्स, बेहली-110054 के पास बिकी के लिए सुलक्ष
हैं भौर इन्हें उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया
जा सकता है। इन्हें, केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिकोसी
सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़गसिंह मार्ग,
नई दिल्ली-110011 भौर (ii) उद्योग मवन, नई दिल्ली-110011
स्थित प्रकाशन शाखा की बिकी काउण्टर भौर (iii) गवर्नमेंट माफ इण्डिया
बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकला-700001 से भी लिया जा
सकता है। मैनुग्रल,पैन्फ्लेट मारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल
शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

- 13. परीक्षा में मिम्मिलित होने के लिये संघ लोक सेवा मायोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।
- 14. मावेदन-पत्न में सम्बद्ध पत्न-ज्यवहार: मावेदन पत्न से सम्बद्ध सभी पत्न ज्यवहार, सिवन, संघ लोक सेवा भायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 से किया जाये तथा उसमें नीचे लिखा व्योरा मिन-वार्थ रूप से दिया जाए।
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना भौर वर्ष
 - (3) उम्मीववार को ग्रावेदन पंजीकरण संख्या/ग्रनुकर्माक ग्रथवा जन्म की तारीख यदि भावेदन पंजीकरण संख्या/भ्रमुकर्माक सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) जम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े झक्षरों में)
 - (5) भावेदन पन्न में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान (i) जिन पत्नों में यह ब्यौरानहीं होगा, संभव है कि उन पर

ड्यान नहीं दिया जाएगा।

पिशेष ध्यान (ii) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्न/प्रेषण परीक्षा हो
चुकने के बाद प्राप्त होना है तथा उसमें उसका
पूरा नाम व प्रनुक्रमीक नहीं है इस पर स्वान न
देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की आएगी।

15. पते में परिवर्तन :--- उम्मीदनार को इस बात की व्यवस्था कर लेमी चाहिए कि उसके प्रावेदन-पन्न में उस्लिखित पते पर भेजे गये पन्न पाकि, प्रावश्यक होने पर, उसको बवले हुए पने पर मिल जाया करें। पते में किसी की प्रकार का परिवर्तन होने पर प्रायोग को उसकी मूचना उपर्युक्त परा 14 में उस्लिखित व्यार के साथ यथाशीझ की जानी चाहिए। प्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर व्यान वेने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है। किसु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

धनुबन्ध-II उम्मीदयारों की सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षाः

श्राप सामान्य श्रंथेओं श्रीर सामान्य ज्ञान में जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "यस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में श्रापको उक्षर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको श्रागे प्रश्नाक कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा श्राएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिये श्रापको एक इक्तर बुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य झापके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भ्रापको कोई हानि न हो।

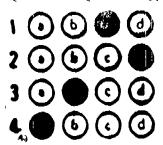
(ख) परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न पल "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 भादि के कम में प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, द्वी, सी, डी चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। ध्रापका काम एक सही या यदि भापकी एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एकक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधिः

परीक्षा भवन में घापको अलग एक उत्तर प्रक्रक (जिसकी एक नमूना प्रति भाषको प्रवेश प्रमाण-पन्न के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा। आपको धपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पक्रक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोडकर अन्य किसी कागज पर सिखें गए उत्तर नहीं जांने जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रथनोशों की संख्यायें 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रथनोश के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न बाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रथन, पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश की पढ़ मेने ग्रीर यह निणंय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है प्रापको उस प्रत्युत्तर के प्रक्षर वाले वृत्त को पेमिल से पूरी सरह काला बना कर उसे ग्रीकित कर देना है, जैसा कि (श्रापका उत्तर दक्षनि के लिए) नीचे दिवाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह अरूरी है कि:--

 प्रग्नांशों के उत्तरों, के लिए केवल भ्रष्की किस्म की एच● बी● पंतिल (पेंसिलें) ही लाएं श्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. गलत निणान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निणान लगा दें। इसके लिये धाप धपने साथ एक र्यक् भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी भसावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलवट धादि पड़ जाए जो वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम:

- भापको परीक्षा भारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही भपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षा शुरू होंने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं होने दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की धनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका भीर उत्तर पक्षकं, मिरीक्षकं, पर्यवेक्षकं को सौंप वें। भ्रापको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की भ्रमुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. धापको परीक्षा भवन में उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण भरना होगा। धापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण कूटबढ़ भी करना होगा। इसके बारे में धनुशेश धापके प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दिये जाएंगे।
- 6. प्रश्न पुस्सिका में दिये गये सभी अनुदेश आपकी सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सायधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पढ़ाक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नाग के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर, न मिलेगा। प्यंवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब प्यंवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहे, तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. श्राप धपना प्रवेश प्रमाण-पल, साथ लाएं, धापको प्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिस, एक व्याइ एक पेंसिस, शार्षनर श्रीर नीली या काली स्वाही वाली कलम भी लानी |होगी। शापको सलाह दी जाती है कि श्राप श्रपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं गिस पर कुछ नहीं लिखा हो। श्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का दुकड़ा या पैमाना या श्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये श्रापको एक श्रमण कागज दिया जाएगा। श्राप कच्चा काम शुरू करने से महने उस पर परीक्षा का नाग, श्रपना रोल नम्बर और परीक्षा की तारीड लिखें श्रीर परीक्षा समाप्त होने के बाव उसे श्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर वें।

(ङ) विशेष 'रनुदेश:

परीक्षा भान में प्रपत्ने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरोक्षक प्रापको उत्तर-पत्नक देंगे। उत्तर-पत्नक पर अपेक्षित सुचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरोक्षक प्रापको परोक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुरितका मिलने पर प्राप्य पह प्रवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है प्रान्यया उने बदलवालें। प्राप्य पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर प्रपत्ने प्रकृषकों कि खिये। प्रापकों परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की प्रमुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसे करने के लिये न कहाँ।

(भ) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि, इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका गुद्धता को जीकता है, फिर की यह कररी है कि आप धपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के नाथ आप जितनी जल्दी काम कर मकते हैं करें, पर लापरवाहीं न हो। अग्य समां प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पासे हो तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन माल्म पड़े उन पर समय व्यथं न करें। दूसरे प्रश्नों की ग्रोर बढ़ें ग्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में बिकार करें।

सभी प्रश्नामों के प्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दं। आपके द्वारा प्रंक्तित सहो प्रत्युत्तरों को संख्या के आधार पर हो आपको प्रंक दिये जायेंग। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं कार्ट आयेंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षण आपको लिखना बन्द करने को कहे, आप लिखना बन्द कर वें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवस्थण वस्तुएं ले जार्ये और आपको हाल छोड़ने की अनुमति वें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रथनांश (प्रश्न)

्(टिप्पणी--*सही/सर्वीतम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करता है)। 1- सामान्य अध्ययन :

बहुत उंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है :--

- (a) रक्त का वास वायु मण्डल के बाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का बाद बायु मण्डल के दास से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्वरूपी तथा बाहरी शिराधों पर वाब समान होता है।
- (d) रक्त का बाब नायु मण्डल के दाब के अनस्य घटता बढ़ता है।
 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3⊷ (कृषि)

अरहर में फूलों का शहना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काव।
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना ।
 - (c) सही चट्ट में पौधे लगाना।
 - (d) बोड़े-बोड़े फासले पर पौधे लगाना।

4 (रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाईड्राइब निम्नलिखित में से भग होता है :---

- (a) VO₃
 - (b) VO₄
 - (c) V_2O_3
- *(d); V₂O₅

5. अर्थशास्त्र

श्रम का एकाधिकारी शोपण निम्नलिखित में से किस स्थित में होता है।

- (a) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मज्धूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनों बराधर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य जल्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (विश्वत इंजीनियरी)

एक समक्ष रेखा अपेक्षित पैरावचुतांक रा 9 के पैरावचुत से सम्पूरित किया गया है। यदि सी मुक्त अन्तराईल में संचरण वेग वर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (मू-विशान)

बेमाल्ट में प्लेजियोम्लेस क्या होता है ?

- (a) आलिगोक्लोज
- *(b) सैबोबोराइट
 - (८) एल्बाइट
- (d) एनायदिट

८ (गणित)

संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निदिष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y=ae^x \times be^x$
- *(d) y+ao*--a

9. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊष्मा इंजन 400° के ० 300° के ० तापक्रम के मध्य कार्य करता है । इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- $(a) 3_{1}4$
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10 (सोक्यिकी)

थवि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्न-लिखित में से क्या होगा?

- (a) 4/2
- *(b) з
- (c) ∞
 - (d) = -5

11. (भूगोल)

धर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित भें से क्या है ?

- (a.) यहां पर खनिञ साधनों का विपृत भंडार है।
- *(b) बर्माका अधिकांश निवयों का खेल्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन मभादा है।
- (d.) या के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में है।

12. भारतीय इतिहास

काह्मणवाद के संबंध में निम्नलिंग्ति में ते क्या सत्य नहीं हैं?

- (a) बौधधर्म के उत्कर्ष काल में भी शाक्ष्मणवाद के अनुपायियों को संख्या सनुप्त अधिक थी।
- *(b) ब्राह्मणवाक बहुत अधिक कर्मकाण्ड और आडम्बर से पूर्ण धर्मथा।
- (c) क्राह्मणप्यत्य के अभ्युष्य के साथ बॉल संबंधो यज्ञ कमें का महत्व कम हो गया ।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशामों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (वर्शन)

निम्निकिखित में से निरीय्वरवादी दर्शन समृह कौन सा है?

- (a.) बौद्ध, न्याय, चार्भाक, मीर्माना
- (b) न्याय, वर्णेषिक, जैन भीर मौद्ध चार्वाक
- (c) अद्वेत, बदातस्त, साख्य, चार्काक, योग
- *(d) बौड, सांख्य, मीमांसां, चार्वाक

14. (राजनीति विशान)

वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निविचिन ।
- *(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
 - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव ।
 - (d) अभिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवस्यकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थान्त्रों की निम्न में से कौन सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को भौपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त तुआ है।
- (b) खुआछात कम हुई है।
- (c) अंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी— उम्मीयवारों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उपर्धुक्त नमूने के प्रकाश (प्रका) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं। ध्रीर यह जरूरी नहीं है कि से इस परीक्षा की पाठ्यकर्या के अमुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th July 1986

No. P. 208/Admn. III.—On reversion from deputation from Delhi Electric Supply Undertaking, New Delhi, Shri Kashmiri Lal, has joined as Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 18th July, 1986.

Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 22nd July 1986
No. R-26/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sinha, Sup.lt. of Police to officiate as Dy. Inspr. Genl. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on ad ioc basis with effect from the forenoon of 25th June, 1986 and until further orders. orders.

No. A-19014/1/84-AD.V.—The services of Shri Samiran Mukherjee, IPS (WB-SPS-1970) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW Calcutta Branch are placed at the disposal of the Govt. of West Bengal with effect from the afternoon of 30th June, 1996 1986, on repatriation.

> Administrative Officer (E)
> CB1 D. P. BHALLA

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 21st July 1986

No. O.II-2235/86-Estt-I.—The President is pleased appoint Dr. Ranjit Singh as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1986 till further orders.

The 22nd July 1986

No. O. II-448/69-Estt.—The services of Shri S. B. Lall, Assistant Director (Adm), Directorate General, CRPF, New Delhi are placed at the disposal of Oil and Natural Gas Commission on deputation basis with effect from the afternoon of 11th July, 1986.

No. O.P. VII-1/85-Estt. I (Vol. III).—The President is pleased to appoint on promotion, the following inspectors of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till fur her orders.

2. They took over charge of the post in the unit on the dates indicated against their names :-

Sl. Name of Officers No.		Unit to which posted	Date of taking over charge
1 2		 3	4
1. Shei Chander Deo Si	ngh	35 Bn	3-4-86 (FN)
2. Sh'i Jitender Singh		22 Bn	3+5-86 (FN)
3. Sh i G.B. Tiwari		8 Bn	1-4-86 (FN)
4. Sh'i B.K. Kalia .		78 Bn	17-4-86 (FN)
5. Sh i Harinder Singh	Khatri	7 Bn	3-5-86 (AN)
6. Shei Hoshiar Singh		21 Bn	12-4-86 (FN)
7. Sh i Ram Niwas .		27 Bn	14-6-86 (FN)
8. Shri E. Nirmalraj		23 Bn	9-4-86 (FN)
9. Shri Satinder Singh		1 Bo	23-4-86 (FN)

1 2		3	4
10. Shri R.K. Deswal	,	30 Bn	11-6-86 (FN)
 Shri Sardara Singh . 		12 Bn	22-4-86 (FN)
12. Shri Jas Ram Singh Rawat		12 Bn	1-4-86 (FN)
13. Shri R.L. Joshi .		42 Bn	25-4-86 (AN)
 Shri Bhubaneswhar Pd. 		21 Bn	15-4-86 (FN)
15. Shri Vijai Kumar .		38 Bn	17-4-86 (FN)
16. Shri H.N. Singh		44 Bn	1-4-86 (FN)
17. Shri C.B.S. Rathore .		30 Bn	12-4-86 (AN)
18. Shri Raj Bhan Singh .		80 Bn	17-4-86 (FN)
19. Shri Rajender Singh		71 Bn	19-5-86 (FN)
20. Shri K.K. Velu .	-	68 Bn	1-4-86 (FN)
21. Shri Arjun Singh Rawat		13 Bn	4-4-86 (FN)
22. Shri Ranjit Rai	-	43 Bn	7-5-86 (FN)
23. Shri Sohan Singh Bisht		78 Bn	19-5-86 (FN)
24. Shri R.K. Yadav		43 Bn	7-4-86 (FN)
25. Shri S.N. Yadav		· 85 Bn	7-4-86 (FN)
26. Shri Ramadhar Rai		61 Bn	1-4-86 (FN)
27. Shri S.S.N. Nair		30 Bn	10-4-86 (FN)
28. Shri Ram Bali Mishra .		22 Bn	15-4-86 (FN)
29. Shri K.N. Rao		84 Bn	25-4-86 (FN)
30. Shri M. Abdul Hakim .		27 Bn	29-4-86 (FN)
31. Shri P.V. Pillai		46 Bn	4-4-86 (FN)
32. Shri M. C. Krishnaiah .		80 Bn	27-4-86 (FN)
33. Shri Bachan Yatee .		70 Bn	11-4-86 (AN)
34. Shri R. C. Pant		72 Bn	17-4-86 (FN)
35. Shri Gurbax Singh .		81 Bn	15-4-86 (FN)
36. Shri Hari Singh		70 Bn	16-4-86 (AN)
37. Shri V. K. Mishra .		83 Bn	23-4-86 (FN)
38. Shri Shailendra Pratap		23 Bn	28-4-86 (FN)
39. Shri N. P. Minocha .		21 Bn	30-4-86 (FN)
40. Shri Surendra Singh .		85 Bn	18-4-85 (FN)
41. Shri Ram Singh		31 Bn	7-4-86 (FN)
42. Shri Kanwar Singh .		49 Bn	23-5-86 (FN)
43. Shri Datta Ram .		50 Bn	29-4-86 (FN)
44. Shri C. P. Mishra .		50 Bn	26-4-86 (AN)
45. Shri S. P. Pathak .		87 Bn	25-4-86 (FN)
46. Shri Gurmit Singh Dod		77 Bn	10-4-86 (FN)
47. Shri V. Y. Neadhailce		69 Bn	3-4-86 (FN)
48. Shri T. S. Negi		85 Bn	8-4-86 (FN)

No. O. II.2236/86-Estt. I .-- The President is pleased appoint Dr. E. Lakanadhan as General Duty Officer, Gd.-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 3rd July, 1986 (FN) till further orders.

The 23rd July 1986

No. O. II. 2237/86. Estt.I.—The President is bleased to appoint Dr. Chandra Prakash Banodha as General Duty Officer, Grace-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPI in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th July, 1986 till further orders.

KIS'HAN LAL Dy. Director (Estt.)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 11th June 1986

No. A. 12011/2/85-Admp-IL-President is pleased appoint the following permanent Extra Assistan Directors of Directorate of Coordination (Police Wireless) as Assistance Directors in Directorate of Coordination (Folice Wireless) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—401100-50-1300/- in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 6th June, 1986 until further order.

- 1. Shri L. B. Panja
- 2. Shri K, Saifullah
- 3. Shri K. K. Sharma
- 4. Shri Sher Singh.

B. K. DUBE Director, Police Telecomns.

DIRECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st July 1986

No. E-32015(2)/14/84-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri M. A. Jabbar, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the rank of Deputy Commandant CISF Unit, HFCL Durgapur with effect from the forenoon of 27th June, 1986 on regular basis.

No. E-32015(3)/15/84-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri V. Louis Raj, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the rank of Deputy Commandant. CISF Unit, MPT Madras with effect from the afternoon of 30th June, 1986 on provisional basis.

No. E-32015(3)/9/85-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri M. L. Abrol. Deputy Commandant in the rank of Commandant, CISF Unit, HFCL, Barauni with effect from the forenoon of 10th July, 1986 on regular basis

No. E-32015(2)/2/86-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri R. S. Samanta, Asstt. Commandant on promotion as Commandant, CISF Unit, SPM, Hosangabad with effect from the forenoon of 1st July, 1986 on regular basis.

The 22nd July 1986

No. E-28017/10/84-Pers II-1230.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superanguation. Shri Shyamal Roy relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit HEC, Ranchi in the afternoon of 30th June, 1986.

D. M. MISRA Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) JAMMU & KASHMIR

Stinagar, the 18th July 1986

No. Admn, I(A&E)/60(28)86-87/1513.—Corrigendum to Notification Published in the Gazette of India, Part III at P. 17986 (English) of week ending 3-5-86.

Date of Promotion of Sh. Omkar Nath Muku, as Accounts Officer may be read as 27-2-86 (F.N.) instead of 24-3-86.

Sd. ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th July 1986

No. A.G.(Audit)-I/Admn./13.7/543.—Following Audit Officers have retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the date noted against them.

 Rameshwar Dayal Srivastava of the Office of the Accountant General (Audit)-II, U.P. w.e.f. 31 March 1986 (AN).

- 2. Shri Ram Autar Agrawal of the Office of the Accountant General Audit-I U.P. w.e.f. 30 April 1986 (AN)
- Shri A. I. Maheshwari of the Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P. w.e.f. 30 April 1986 (A.N.).
- Shri Madhav Vidya Dhar Gore of the Office of the Accountant General (Audit)-II U.P. w.e.f. 30 April 1986 (AN).
- 5. Shri Ram Krishan of the Office of the Accountant General (Audit)-I U.P. w.e.f. 31 May 1986.
- 6. Shri S. U. Sissiqui of the Office of the Accountant General (Audit-I), U.P. w.e.f. 30 June 1986.
- 7. Shri H. L. Mishra of the Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P. w.c.f. 30 June 1986.
- 8. Shri M. P. Srivastava of the Office of the Accountant General (Audit)-I U.P. w.e.f. 30 June 1986.
- Shri M. C. Srivastava of the Office of the Accountant General (Audit)-II, U.P. w.e.f. 30 June 1986.
- 10. Shri K. D. Singh, of the Office of the Accountant General (Audit)-II, U.P. w.c.f. 30 June, 1986.

No. A.G. (Audit)-I/Admn/13.7/543.—Following Asstt. Audit Officers have been appointed to Officiate in the grade of Audit Officers w.c.f, the dates shown against their names:—

S/Shri

- 1. Anand Swaroop Mishra w.e.f. 1-5-1986
- 2. Radhey Shyam Mishra w.e.f. 8-5-1986
- 3. Mohd. Yakub w.e.f. 15-5-1986
- 4. Swaraj Shankar Shukla w.e.f. 14-5-1986
- 5. Vishambhar Nath Sharma w.e.f. 1-5-1986
- 6. Mohd. Yahya w.e.f. 5-5-1986.

No. A.G. (Audit)-I/Admn./13.7/543.—Following officiating Audit Officers have been appointed substantively in the grade of Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) U.P. with effect from the dates noted against their names:—

S/Shri

- 1. S. U. Siddiqui w.c.f. 1-1-1986
- 2. A. N. Ganguli w.c.f. 1-1-1986
- 3. G. K. Tandon w.e.f. 1-1-1986
- 4, S. V. Bhargava w.e.f. 1-1-1986
- 5. R. C. Saxena w.e.f. 6-1-1986
- 6. M. M. Rajpurohat w.e.f. 1-2-1986
- 7. S. P. Srivastava w.e.f. 1-3-1986
- 8. G. N. Dubey w.e.f. 1-5-1986
- 9. Ramji Srivastava w.e.f. 1-5-1986
- 10. S. C. Srivastava w.e.f. 1-5-1986
- 11. K. B. L. Verma w.e.f. 1-5-1986
- 12. K. P. Srivastava w.e.f. 1-6-1986.

B. K. CHATTOPADHYAY Sr. Dy. Accountant General/Admn,

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 25th July 1986

CORRIGENDUM

No. 55/G/86.—In this office Gazette Notification No. 32/G/86 dated 26-6-86, the following amendment is made:—

For: 30th June 1985 (AN).

Read: 30th November 1985 (AN).

D. SEN It. Director (Est.)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 23rd July 1986

No. 15/33/82-Fstt.—The Head of Department Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute Bombay is pleased to appoint Suri Joseph S. Manoharan as Assistant Research Officer, Regional Labour Institute, Madras under the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay in an efficiating canacity with effect from the foreneon of 14th July 1986 until further orders.

S. B. HEGDE PATIL Dy. Director General & Head of Department

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd July 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/17/86-Admp.(G)-3729.—The President is pleased to appoint Kum. Maniula Subramaniam. Deputy Secretary in the Department of Personnel and Training, as Joint Chief Controller of Imports and Exports on pay as for Deputy Secretary in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi with effect from the forenoon of 26th June 1986 until further orders.

 $\begin{array}{c} R.\ J..\ MISRA \\ Chief\ Controller\ of\ Imports\ and\ Fxports \end{array}$

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

. Bombay-400 020, the 18th July 1986

No. 2(15)/EST.I/86/2863.—Shri O. L. David, Assistant Enforcement Officer, Grade I, Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on superannuation from the afternoon of 31st May 1986.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 5th July 1986

No. A-6/247(536)/65.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Sathe, Assistant Inspecting Officer (Engineering) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engineering Branch) with effect

- from the foretoon of 19th May 1986 in the pay scale of R: 700-40-900-7 B-40-1100-50-1300, on ad-hoc basis for a period of six menths or till the regular arrangements are nude whichever is earlier.
- 2. Shri A. N. Sathe relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer on the forenoon of 19th May 1986 in the office of Director of Inspection, Rombay and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) in the same office on the same day.

No. A-17011/35/71/A-6.—The President is pleased to appoint Shri M. Santhoor, Assistant Inspecting Officer (Engineering) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch with effect from the forenoon of 2nd June 1986 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Shri M. Santhoor relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) at Jaipur on the afternoon of 30th May 1986 and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engineering) in the Headquarters office on the forenoon of 2nd June 1986.

The 21st July 1986

No. A-6/247(419)/63.—Shri S. S. Purl, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Assistant Director of Inspection (Engineering) Group 'A' of Indian Inspection Service) in this Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi expired on 31st May 1986.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 21st July 1986

No. EI-12(77)/86(.).—Shri B. N. Mondal who was appointed as Assistant Iron and Steel Controller against leave vacancy. (now on leave) with effect from 11th March 1986 (F.N.) is hereby reverted to the substantive post of Superintendent in the scale of pay of Rs. 700/- to 900/- with effect from 2nd June 1986 (F.N.) due to resumption of duty by Shri C. R. Mondal, Assistant Iron and Steel Controller.

D. K. GHOSH Iron and Steel Controller

(KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 22nd July 1986

No. 4705B/A-19012(PDM)/86-19A.—Shri P. D. Mahanta, Scnior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-40-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th May 1986, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

Calcutta-16, the 22nd July 1986

No. 4665B/A-19011(1-JRP)/79-19A.—Shri J. Raymond Peter, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Jr.) in Geological Survey of India on resignation with effect from 8th December 1985 (AN).

No. 4676B/A-19011(1-SRK)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Sona Ram Kisku to the post of Gcologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/—in an officiating capacity with effect from the foremoon of the 8th April 1986, until further orders.

No. 4690B/A-19011(1-RK)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Kumar to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-4100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30th April 1986, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

(INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 15th July 1986

No. A-19011(349)/86-Estt.A.—With reference to the Ministry of Planning, Department of Statistics O.M. No. 12015/3/85/ISS dated 20th May 1986 Shri P. R. Sarkar, Assistant Mineral Feonomist (Stat.) an officer of I.S.S. Grade-IV Indian Bureau of Mines is appointed to the post of Deputy Mineral Feonomist (Stat.) I.S.S. Grade III in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon 4th June 1986.

The 21st July 1986

No. A.19011/303/85-Estt.A.PP.—On his voluntary retirement on 10-10-1985 (Afternoon) Shri G. S. Reddy, permunent Assit. Mining Engineer and officiating Assit. Controller of Mines has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from forenoon of 11th October 1985 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 16th July 1986

No. A.19012(216) /85-Estt.A.Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee. Shri E. R. Chari, Senior Technical Assistant (Geo.), Indian Burcau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the afternoon of 16th June 1986.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th July 1986

No. 17/4/86-S.IV.—Consequent upon his promotion, Shri K. R. Sastry, SEA has token over the charge of the post of Assistant Engineer in the Office of Chief Engineer (West Zone). AIR & Doordarshan, Bombay on 20th June 1986 (FN).

B. S. JAIN Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 21st July 1986

No. 6/71/56-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri Saiyed Ahmed relinquished charge of the 13—196 GI/86

post of Director in the Films Division, Bombay in the afternoon of 30th June 1986.

N, N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 25th July 1986

No. A-31014/1/86-A.I.—The Agricultural Marketing Advisor to the Govt. of India has appointed the following officers substantively to the permanent posts of Chief Chemist in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from the dates indicated below against each:—

S/Shri

- 1. S. R. Mukhcriee-7-4-1985.
- R. Ramakrishnan—7-4-1985.
- 3. G. C. Singh-7-4-1985.
- 4. S. N. Mohindru-7-4-1985.
- 5. G. C. Joshi-14-10-1985.

The lien of the above officers in the lower post, if any stands terminated w.e.f. the date of their substantive appointment in the post of Chief Chemist.

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 8th July 1986

No. PA/81(3)/86-R-IV/77.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. G. Hatkar, a temporary Foreman (B) of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre with effect from the forenoon of February 1, 1986, in an officiating capacity, until further orders.

No. PA/81(3)/86/R-IV/178.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers grade 'SB' in the same Research Centre with effect from the forenoon of February 1, 1986 in an officiating capacity until further otders:—

SI. No.	Name			Post held at present
 1	2			3
1.	Shri A. G. V. Prasad .	<u>-</u>	·	SA/C
2.	Shri K. K. Patil			SA/C
3.	Sari A. B. Mane			SA/C
4.	Shri R. C. Senapati .			SA/C
5.	Shri U. Sridhar			SA/C
6.	Shri D, S, Harite			SA/C
7.	Shri N. J. Shah			SA/C
8.	Shri M. P. Moga!			SA/C
9.	Shri M. M. K. Suri .			SA/C
10.	Shri K. P. Eappen			SA/C
11.	Shri K. Gangadharan .			SA/C
12.	Smt. Sugandhi Venkateswarar	ı.		SA/C
13.	Shri N. S. Iyer			SA/C

1	2		 	 3
14.	Smt. A. A. Argekar			SA/C
15.	Shri P. S. Khodade	,		SA/C
16,	Shri J. Radhakrishna			SA/C
17.	Shri V. L. Sant			SA/C
18.	Shri R. C. Sharma			SA/C'
19.	Shri S. S. Rangneka	Г		D'Man/C
20.	Shri M. Y. Walke			SA/B
21.	Shri G. P. Gupta			SA/B
22.	Shri B. G. Naik			SA/C
23.	Shri L. D. Gode			D'Man/C

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th June 1986

Ref. No. DPS/41/2/85-Adm./3647.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy a permanent Store-keeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 28-04-1986 (FN) to 06-06-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri V. B. Prabhu promoted as Stores Officer (ad-hoc).

B. G. KULKARNI Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 18th July, 1986

No. NPB/3(236)/86-E. 1/6047—Director, (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints the undermentioned personnel of this Board as Scientific Officer/Engineer grade 'SB' in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1986 until further orders.

SI. No.	Name			Present Grade
1. S	hri Jacob Abraham	,		Scientific Assistant 'C'
2. S	Shri T. A. Palnivelu			Scientific Assistant 'C'

R. S. TALPADE Asstt. Personnel Officer. for Director (Engineering)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 24th July 1986

No. 14/86.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise Group 'B' Shri K. S. Patil, D.O.S. Level-I has assumed his charge as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Central Excise, Division—Chandrapur in the afternoon of 30th June 1986.

No. 15 86.—Shri D. W. Manitekar Administrative Officer Central Excise Group 'B' of Nagpur Collectorate having attained the age of superannuation retired from Govt. service car 30-6-1986 in the afternoon,

The 25th July 1986

No. 16/86.—Consequent upon his promotion, vide Ministry's Order No. 16/86 dated 14-7-1986 (F. No. A.12026/2/85-Ad.IIB) Shri P. V. Thakare Administrative Officer C. Ex. Group 'B' has assumed his charge as Chief Accounts Officer Group 'A' in the afternoon of 18th July 1986.

R. K. AUDIM Deputy Collector (P&E)

CFNTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the July 1986

No. A-19012/1136/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Krishna Kumar Srivas, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier with effect from the forengon of 16th August 1985.

The 23rd July 1986

No. A-19012/1141/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Hari Dayal, Junior Engineer to officiate n the grade of Extra Assistant Director/Assistant Pingineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 17th September 1985.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Bricks & Ceramics Private Limited

Hyderabad, the 25th July 1986

No. 1005/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bricks & Ceramics Private Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Muruganund Agencies Private Limited

Hyderabad, the 25th July 1986

No. 1716/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Muruganand Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s T. K. Mudallar Agencies Private Limited

Hyderabad, the 25th July 1986

No. 1717/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. T. K. Mudaliar Agencies Private

Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Caldyn Apparatus Fabrication Private Limited

Hyderabad, the 25th July 1986

No. 3275/T.A.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Caldyn Apparatus Fabrication Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> R. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

OFFICE OF THE

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-IX

New Delhi, the 18th June 1986

INCOME-TAX

- F. No. CIT/IX/Juris/86-87/598.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 61 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IX, New Delhj directs that the following Income-tax Wards/Circles shall be created w.c.f. 23-6-86.

 - 1, Distt, V (A). 2, Distt, V (B). 3, Distt, V (C). 4, Distt, V (D).

 - 5. Distt. V (E). 6. Distt. V (F).

 - 7. Distt. V (G). 8. Distt. V (H).
 - 9. Distt. V (1).
 - 10. Distt. V (J).
 - 11. Distt. V (K).
 - 12, Distt. V (L).
 - 13. Distt. V (M).
- F. No. CIT/1X/Juris/86-87/599.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-

- 1X. New Delhi hereby directs that the following Income-tax Wards/Circles shall be created w.e.f. 23rd June 1986.
 - 1. Distt. VIII (A). 2. Distt. VIII (B).

 - 3. Distt. VIII (C).
 - 4. Distt. VIII (D).
 - 5. Distt. VIII (E). 6. Distt. VIII (F).

 - 7. Distt. VIII (G). 8. Distt. VIII (H).
 - 9. Distt, VIII (1).
 - 10. Distt. VIII (J).
 - 11. Distt. VIII (K). 12. Distt. VIII (L).
 - 13. Distt. VIII (M).
- F. No. CIT-IX/86-87/600.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IX, New Delhi enceby directs that the following Income-tax Wards, Circles shall be abalished with effect from 23rd June Circles shall be abolished with effect from 23rd June 1986 :-
 - 1. Distt. V
 - 2. Distt. V (2).
 - 3. Distt. V (3).
 - 4. Distt. V (4).
 - 5. Distt. V (5).
 - 6. Distt. 7. Distt.

 - 8. Distt. V 9. Distt. V (10)
 - 10. Distt. V (11).
 - 11. Distt, V
 - 12. Distt. V (13)

 - 13. Distt. V (14). 14. Distt. V (15).
 - 15. Distt. V (16).
 - 16. Distt. V (18). 17. Distt. V (19).

 - 18. Distt. VIII (1). 19. Distt. VIII (2).
 - 20. Distt. VIII (4). 21. Distt. VIII (6).

 - 22. Distt. VIII (7). 23. Distt. VIII (8).
 - 24. Distt. VIII (9) 25. Distt. VIII (10

 - 26. Distt. VIII (11). 27. Distt. VIII (12).
 - 28. Distt. VIII
 - 29. Distt. VIII (14).
 - 30. Distt. VIII
 - 31. Distt. VIII (17).
 - 32. Distt. VIII (17 Addl.).

BALWANT SINGH Commissioner of Income-tex Delhi-IX, New Delhi

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/3EE/8775/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 10th floor, Jayant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsiwadi Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Comtent Ruthority at Bombay on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Jayant Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Yashoomati P. Shah & Mr. Parmod Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th floor, Jtyant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, unter No. AR-I/37EE/8264/85-86, on 14-11-1985.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1986

and the state of t FORM ITNS-

(1) M/s. Jayant Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Surekha M. Shah, Hashmukh R. Shah, Bhupendra R. Shah, Danesh R. Shah, Rekha D. Shah, K. Shah & Apsara B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8632/85-86.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 17th floor, Jayant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as anforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arbing from the transfers and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1. 17th floor, Jayant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8130/85-86, on 5-11-1985

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1986

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajeshkumar J Dani.

(Transferor)

(2) Yogesh J Shah, Jitendra J Shah, Dilip J Shah & Bipin J Shah.

(Tranferee)

(3) Transferors.

(Ptrson in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8694/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 33, 10th floor, Matru Mandii, 278,
Tardeo Road, Bombay-400 007

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Comtent Authority at Bombay on 8-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arests which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the mid Act, or the Weelth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 10th floor, Matru Mendir, 278, Tardeo Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8186/85-86, on 8-11-1985.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1986

Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8656/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 705, B Wing, /th floor, Shreepal Nagar, Junction of N. S. Road and J. M. Mchta Road, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 6-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (1) Mr. Manubhai H. Shah, Navinchandra H. Shah.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Priti B Mehta, Smt. Chandravati K. Mehta, Mr. Bharat X Mehta, Mr. Kirtilal I Mehta

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said 'ct, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Flat No. 705 on the 7th floor, B Wing, Shreepal Nagar, 12

Burkness Road (J. Mehta Road) Bombay-6.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EL/8152/85-86, on 6-11-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 9-7-1986

Seal:

FORM ITNS-

(1) R. Kantilal & Co

- (Transferor)
- (2) Urban Development Institute.
- (Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/3806/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 27 the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 73 on 7th floor A Wing of Mittal Tower, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule appeared basets).

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect ; of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offict No. 73 on 7th floor, A Wing of Mittal Towers, Plot No. 210, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8294/85-86, on 15-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5138/85-86---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises No. 156, 15th floor, Maker Chamber VI,
Nariman Point, Economy-400 021
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-196 GI/86

(1) M/s. Peejay Mata Exports.

(2) M/s. Pressman Advertising & Marketing Pvt. Ltd.

(Transferor)

22063

(Transferee)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 156, 15th floor, Maker Chamber VI, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8402A/85-86, on 22-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EF/8801/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 304 on 3rd floor. Maker Chambers V, Plot No. 221, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered.

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;--

- (1) Mr. Mohan, S/o Kundomal Parwani Mr. Ghanshamdas Parwani, Father & Natural Guardian of Master Rajesh Kumar and Mr. Bharat Kumar (alias Bharatmal or Rajkumor).
- (2) Mazda Leasing Limited.

(Transferor)

(Transferee) (3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 304 on the 3rd floor in the building known as Maker Chambtrs V on plot No. 221, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8289/85-86, on 15-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1986

PART III—SEC. 11

FORM NO. I.T.N.S.-

- (1) M/s. Ferani Developers.
- (Transferor)
- (2) M/s. Auto Controls Pvt. Ltd.

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8799/85-86.--Whereas, I. Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, 1st floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8289/85-86, on 15-11-1985.

A. PRASAD Competent' Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nervous, namely .--

Date: 10-7-1986

Seal:

FORM ITNS-

- (1) M/s. Ferani Developers.
- (Transferor)
- (2) Housing Development Finance Corpu. Ltd. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8834/85-86.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 503 on 5th floor, Udyan Darshan,
Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25
(and more fully described in the Schedule anuexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the under section 269 AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such temperature as agreed, to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on the 5th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, vuder No. AR-1/37EE/8321/85-86, on 18-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-sald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1986

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8866/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603 on 6th floor Udyan Darshan Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the consideration?

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Housing Development Finance Corpn. Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 on the 6th floor in the building known as 'Udyan Darshan' Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8352/85-86, on 19-11-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1986

FORM ITNE

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Dr. Asha Potnis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE//8615/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st fig. 7, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabharley, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respedting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8114/85-86, on 4-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 10-7-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) M/s, Hira Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8652/85-86.--Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 403, 4th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Pra-

bhadevi, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Ast, to the following persons, namely --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8148/85-86 on 6/11/1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10/7/1986

FORM ITNE

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Housing Development Finance Corpn. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

AR-I/37EE/8832[85-86.—Whereas I, Ref. No. A. PRASAD.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 604 on 6th floor, Udyan Darshan, Sayani Road,

Prabhadevi, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transforred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the communiment or any increase or any moneys or other assots which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days on the service of notice on the respective perso Whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8319 85-86 on 18-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the said aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/7/1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Housing Development Finance Corpn, Ltd. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8833/85-86.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Pra-

ned/ort

hindevi, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compenent Authority at Bombay on

18/11/1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (n) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for t'ne purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aircressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

15-196 G1/86

Objections if any to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, Udyan Darshan, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8320/85-86 on 18 / 11 / 1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10/7/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8657/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor Parag building, 27, Paddar Road, Bombay-400 026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

Authority at Bombay on

6/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Navalben N Vora and Shri Nimish J Vora.
- (2) Mr. Chandur U Thadani.

(Transferor) (Transferec)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor Parag building, 27, Paddar Road, Bombay-400 026

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8153/85-86 on 6/11/1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10/7/1986

LANGE OF THE LANGE CONTRACTOR OF THE PARTY O

FORM ITNS -

(1) M/s.Dineshchaudra Vijaykumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jaikishin A Rupani and Nanik A Rupani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8730/85-86.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-121, 14th floor, Chinar Building, C.S. No. 335 & 506 Dadar Naigaum Division Sewri Cross Road & Rahe Kulwai Road, Wadala, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

11 '11/Í985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft except. of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-121, 14th floor, Chinar Building, C.S. No. 336 & 506 Dadar Naigaum Division Sewri Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8221 85-86 on 11-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10/7/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8762/85-86 -- Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 15th floor, Avanti Apartments, B Wing, Flank Road, Sion, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compreted. section 269AB of the said Act in the Office of the Compete at Authority at Bombay on

14/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Nalini Harsukhal J Jinjuwadia.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rashmi Shah and Mr. Rashmi Ratilal Shah.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used her in as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 15th floor, Avanti Apartments, B Wing, Flank Road, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8271 85-86 on Authority, 14/11/1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10/7/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Bhupendra K. Kamdar and Smt. Suhasini B Komdar,

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti H Dave and Mr. Harish M Dave.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8637/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, B Wing, 7th floor Tehmi Terrace, Dr. B. A.

Road, Kohdadad Circle, Bombay-14.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5, 11/1985.

an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, B Wing, 7th floor Tehmi Terrace, Dr. B. A. Road, Kohdadad Circle, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8134/85-86 on 5/11/1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10/7/1986

NOTICE UNDER SECTOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8881,85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2A, 1st floor, Vasant Bldg, in Vasant Villa CHSL, 3-B, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), the have transformed and the agreement is a constrained under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Hormazd K Sethna

(Transferor

(2) Homi Mehta — Sons Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Tulsiani C Chhabria,
Arjun C Chhabria,
Naraindas C Chhabria
(Person in accupation of the property)

(4) Mrs. Rani N Chhabria,
Ainy N Chhabria,

Ajay N Chhabria, Vijay N Chhabria and Sanjay N Chhabria

(Person in accupation of the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2A, 1st floor, Vasant Bldg. in Vasant Villa CHSL, 3-B, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8366|85-86 20/11/1985.

> A. PRASAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10/7/1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8964/85-86.—Whereas I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

an.I bearing
Flat No. 45 on the 9th floor Ameeta, 7, Gen. J. B. Marg,
Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

26 11/1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the haid Act, to the following persons, namely: (1) Mr. Dinesh J Dalal

(Transferor)

(2) Smt. Pushpadevi A Bisani and Kamalkishor H Bisani

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in accupation of the property)

(4) Transferees

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7. Gen. J. B. Marg, Bombay-21.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8448/85-86 on 26/11/1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 9/7/1986

(1) Shri Haresh Assnani

(Transferor)

(2) M/s Deepak Enterprises

(Itanstorce) -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8732/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office unit No. 517, 5th floor Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11/11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 517, 5th floor Dalamal Towers, 211, Point, Bombay-400 021. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FE/8223|85-86 on 11/11/1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 9/7/1986 Scau:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8787/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the incompetation believe to fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Marble Arch, 52, Pedder Road, Bombay 26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competant

Authority at Bombay on 15 11/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accresition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

16-196 GI/86

(1) Kamaljit Singh (HUF)

(Transferor)

(2) H. V. I. Insulators Pvt. Ltd. H. L. Rechat Engg. Pvt. Ltd.

(3) Transferor

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Marble Arch, 52, Pedder Road, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8276/85-86 on 15.711/1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Onte : 10 7/1986

(1) Mrs. Saroi Diwan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. Madhu R Mardia and Mr. Rakesh S Mardia

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8982/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 7th floor, Sky Scrupper B, Sind Work Co-op.

Hsg. Soc. Ltd., Warden Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Corporator section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 26/11/198**5.**

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 7th floor, Sky Scrupper B,Sind Work Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Warden Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/8467/85-86_on

THE SCHEDULE

26/11/1985.

A. PRASAD Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 10/7/1986

(1) B. K. Arora.

(3) Transferor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Leena Chokshi & Rajendra Chokshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-J/37EE/8647/85-86.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'aid Act'), have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,009/- and bearing Flat No. 14, 2nd floor, New Sagar Darshan CHSL, Bhulabhai Desai Road, Rombay 36. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under castion 269 AB of the Sold Act in the Office of the Company 189. section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, New Sagar Dorshan CHSL, 81/83,

The 180, 14, 2nd noof, New Sagai Dorsnan CHSL, 81/83, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent tent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8143/85-86, on 5-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGEL, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8974/85-86 .- - Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, 7th Poer, Skyscrapper E, Bhulabbai Desai Road,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. it respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Saroj K Diwan

(Transferor)

(2) Madhu R Mardia, Cakesh S Mardia.

(Transferee)

(3) Lind Work CASL.

(Person in occupation of the property)
(4) Membors of the Society.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 7th floor, Skyspranper B, Bhulabhai Desai Rd, Bombay

The agreement has been registered by the Competent tent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EH/8459/85-86, on 26-11-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date . 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37FE/8707/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD

A. PRASALY being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovae's property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Room No. 29, Jolly Makes Chamber II, 225, Nariman Point, Bombay-400 (22).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority st Bombay on 8-11-1985

for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any more it or when assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Marshall Produce Brokets Company Pvt. Ltd.,

(2) Mr. Ramehand Naraindas (on behalf of eight Mr. Ramchand Naramdas (on bei nominees viz. Anish K Ajoomal, Amita K Ajoomal, Girish R Ajoomal, Harshad R Ajoomal, Nandini B Ajoomal, Amitabh B Ajoomal, Chahna K Ajoomal & Manay K Ajoomal).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovals, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Offlee Room No. 29, Jolly Maker Chamber II, 225, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8198 85-86, on 8-11-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1986

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8751/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 806, 8th floor, Raheja Centre, Nariman Point,

Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 A.B of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the mi respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parallely processing proce persons, namely :-

(1) M/s. Surendra Industries Pvt. Ltd. (Prop. of Sunil Transport Company).

(Transferor)

(2) M/s. Ashima Syntex Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Country.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 806, 8th floor, Raheja Centre, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8242 85-86, on 13-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-7-1986

- (1) Marshall Produce Brokers Company Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Ramchand Na aindas.

('Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8711/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Room No. 29, Jolly Make: Chamber No. 2, 223, Nariman Point, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Hombay on 8-11-1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Office Room No. 29, Jolly Maker Chambers No. 2, 223, Naviman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8282|85-86, on 8-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Date: 10-7-1986

ORM HIMS --

WATER UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(1) Prakash K Sura.

・ ORATTEL 12 (3) ま 12 国際できながらから受賞を開発し、所属を持ちませる。 (第14年の第一年) (12年の)では、17年の)では、17年の)

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshankumani S Agarwal Shri Sanjaykumar S Agarwal, Shri Rakeshkutaar S Agarwal.

(Lansferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1,57EL/8952/35-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B or the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 7th floor, Metro Mandir. 278, Tardes fload, Parkley 400.

Bombay-400 007.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 25-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-Ment of transfer with the object of :-

- (a) for Altaring the reduction or evandon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acf, shall have the same meaning as given in that Chapter given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 7th floor, Matru Mandir. 278, Tardeo Road. Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay, under No. AR-I/37FE/8437/85-86, on 25-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-7-1986

(1) Smt. Rasika K. Goradia.

(Transferor)

(2) Shri Devendrakumar D. Jain, Smt. Manju Bhala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9014|85-86.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 121, 12th floor, C Wing, Mittal Court, Bombay-400021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Sad Act in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 29-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 121, 12th floor, C Wing, Mittal Court, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8499|85-86 on 29-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-7-1986

Scal:

17-196 GI/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8786/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 71, 7th floor, Free Press House, Nariman Point Bombay-400021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 29-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are resonated.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the Habfilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Tadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Ashruda B. Patel, Mr. Bipin I. Patel, as Trustees of Manish Trust, Mr. Kanaiyalal K. Mody, Mrs. Frany S. Bunsha and Mr. Jainsinh B. Rakhane.

(Transferor)

(2) M/s. Balkrishna Paper Mills Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 71, 7th floor, Free Press House, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8275/85-86 on 29-11-1985,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-7-1986

(1) Mr. Gopaldas U. Ahuja,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shankar N. Bhoir and Mrs. Manali S. Bhoir,

(Transferee)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8804/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 305 on 3rd floor, Maker Chambers V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 29-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sense meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 305 on the 3rd floor of the building known as Maker Chambers V, on plot No. 221. Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8292/85-86 on 29-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shantidevi Amarnath Singh, Mrs. Aruna Bhasker Shetty.

(1) Mrs. Urbana Ad/o Agapito F. Paul D'Souza, Carmo S/o Agapito F. Paul Desouza, Joseph S/o Agapito F. Paul Desouza. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8829/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Final Plot No. 821, TPS IV, College Lane, near Portuguese

Church, Dadar, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Romboy on 29 II 1985

Authorty at Bombay on 29-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land hereditaments and promises bearing City Survey No. Final Plot No. 821, TPS IV, College Lane, near Portuguese Church, Dadar, Bombay-400 028

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8616/85-86 on 29-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Bombay

Date: 10-7-1986

(1) Smt. Bhagwanti M. Hemnani.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant C. Shah, Smt. Hemlata R. Shah, Shrì Hemant R, Shah.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8954/85-86,-Whereas, L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Tlat No. 46, 10th floor, Hanuman Sharan CHSL, 87/87-A, Bomanji Petit Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atcressid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette, publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46, 10th floor, Hanuman Sharan CHSL, Bomanji Fetit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FE/8439/85-86 on 25-11-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-7-1986

(1) Mr. K. M. Patel and Mr. D. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Divya Raj Bhojwani and Mr. Arjan B. Bhojwaney.

(Transferee)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-J/37EE/9018/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-2, 21st floor, Prithvi Apartment, Altamount Road, Rombay 4,00026

Bombay-400026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 29-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. B-2, 21st floor in Prithvi Apartment, Altamount Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-137EE/8503/85-86 on 29-11-1985,

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) & Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-7-1986

(1) Smt. Kalavanti D Sheth

(2) Smt. Achla B Gupta & Shri Rudheshyam B Vaish (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8765/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. A/3, 11th floor, Matru Ashish bldg. Napeansea

Road, Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/3 on 11th floor, Napeansea Road, Bombay-400 036. Matru Ashish bullding,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8256/85-86, on 14-11-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 9-7-86

Real:

FORM ITN6-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ramaswamy Doraiswamy

(Transferor)

(2) Mr Rasik J Wadia & Mrs. Hahumati R Wadia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8849/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 31 on 3rd floor, Landmark building, Carmichael Road, Off Pedder Road, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered doller section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 3rd floor, Landmark building, Carmichael Road, Off Peddar Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8336/85-86, on 10.11.85 19-11-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons. namely :---

Dated: 9-7-86

(1) Shri Ulhas S Pai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vilas V Bhande & Smt. Shcetal W Bhande

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be registered in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8735/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
Unit No. 8, 3rd floor, The Enterprises CSL, Prabhadevi
Indl. Estate, Veer Savarkar Marg, Bombay-25
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Unit No. 8, 3rd floor, The Enterprises Co-op. Society Ltd., Prabhadevi Industrial Estate, Veer Savarkar Marg Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8226/85-86, on 11-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---18-196 GJ/86

Date: 10-7-1986

(1) Smt. Meera D Gaitonde

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Minoo Ardeshir Pardiwalla & Mrs Geeta M Pardiwalla

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9004/85-86.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, 7th floor, Abdul Court, Suryavanshi Hall Lane, Off Veer Savarkar Marg, Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the correspond to recipier described.

has been transferred and the agreement is registered duder section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-85

for an apparant consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 7th floor, Abdul Court, Suryavanshi Hall Lane, Off Veer Savarkar Marg, Bombay-28.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8489/85-86, on

28-11-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1986

- (1) Mrs Pushpa V Shewakramani
- (Transferor)
- (2) M/s Persopolis Holdings Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8948/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 1514, 15th fl. Maker Chambers V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered duder.

has been transferred and the agreement is registered duder section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Office No. 1514 on 15th floor, Maker Chambers V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8433/85-86, on 25-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1986 ·

FORM ITNS----

(1) Mrs. Pushpa V Chewakramani

(Transferor)

(2) M/s Flora Fountain Properties P. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8947/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 1513 on 15th fl. Maker Chambers V. Plot No.

221, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered duder section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1513 on 15th floor of Maker Chambers V Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8432/85-86, on 25-11-85.

> A. PRASAD Competent: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1986

(1) Mrs. Nirmala M Punjabi

(Transferor)

(2) Shri Brijmohan H Gupta & Smt, Radhikarani B Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8898/85-86.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 64, 6th floor, Prem Court Co-op. Society Ltd., Pedder Road, Bombay-26

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered dider section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if eary, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, Prem Court Co-op. Society Ltd., Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8383/85-86, on 21-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Dated: 9-7-86

FORM I.T.N.S .-

(1) Mrs. Anjali A Laud

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh R Gupta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8776/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 911 on 9th floor in the building known as Tulsiani Chambers, Plot No. 212, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 911 on 9th floor in the building known as Tulsiani Chambers, Plot No. 212, Nariman Point, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8265|85-86, on 14/11/1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 9-7-86

(1) Mr. Vilochan Keshavlal Dhruve

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kailas P. Joshi & Anr.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8692/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2-A, Ajit Villa, 7, Owendun Road, Govandi, Bombay-400 056 (and more fully described in the Calculation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered duder section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2-A, Ajit Villa, 7, Owendun Road, Gamdevi, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8184/85-86, on 8-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Insometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in surmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1986

(1) M/s S. D. Shethia & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Jatin C Jhaveri & Smt Hasita J Jhaveri

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8822/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 92, Kamal CHSL, 69, Walkeshwar Road, Bombay-6 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered dnder section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18/11/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 92, Kamal Co-op. Housing Society Ltd., 69, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8310/85-86, on 18-11-85,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-7-86

(1) Mrs. Santosh Kumari Jain.

(2) Mr. Kanaiyalal K. Mody & Mrs. Kumud K Mody
(Transferee)

(3) Transferor.

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8958/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 15th floor together with car parking lot No. 53 on ground floor in building called 'Basant' Plot No. 101, Cuffe

Parade, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 15th floor together with car parking lot No. 53 on ground floor in building called 'Basant' Plot No. 101, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8442/85-86 on 26-11-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 19—196 GI/86

Dated: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8973/85-86,--Whereas, 1, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aild Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52. Oceanic Apt. Dr. Rajabali Patel Road, Off Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 26-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nocice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kalyandas R Kanani & Smt. Nalini K Kanani (Transferor)

(2) Shri Rameshchandra N Kothai & Smt Kunjabala B Kothari

(Transferee)

(3) Transferces.

(person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52. Oceanic Apt. Dr. Rujabali Patel Road, Off Bhulabhai Desai Road. Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8458/85-86, on 26-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay,

Dated: 10-7-1986

and the second

FORM ITNS-----

rumanin was il, maskmin,hasilka

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-F BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8809/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Hat No. 34. 6th floor, Darya Mahal No. 2, Napeansea Road,

Bombay-6.

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Dombay on 15-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Valimohamed G Badamia

(Transferor)

(2) Sri Kanaiyalal B Shah & Smt Indica K Shah

(3) Transferor. (Transferor)

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 6th floor, Darya Mahal No. 2, Napcansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8217/85-86, en 15-11-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 10-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

(Transferor)

(2) M, s. Dodsal Private Limited.

(Transferee)

(3) Shri K. P. Sengupta.

(1) Mrs. Lulu Mehboob Ali

(person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8616/85-86.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 92, B Block. Cuffe Parade Sea Lord CHSL, 117,

Cuffe Parade, Bombay-5.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbail) of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfers And/OF
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 92, B Block. Cuffe Parade Sea Lord CHSL, 117, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37E1/8115/85-86, on 4-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sais Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Miras Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Lalbhai Kalidas & Co.

(Transferee)

(3) Transferor,

(person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986.

Ref. No. AR-I/37EE/8894/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office premises No. 1308, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 1308, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-I/370E/8379/85-86 on 21-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the eaid Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1986

Scal:

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Maaekdevi Chandrakant Mor. through constituted attorney holder Shri Haresh

(Transferor)

(2) Smt. Leelabon Z Mutha, Shri Ajit Z Mutha, Shri Abhay Z Mutha, Smt, Vijata Z Mutha & Smt. Meena A Mutha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-5 **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8663|85-86.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 6, 1st floor, Vishwa Co-op. Hsg. Soc. Ltd. C Road,
Churchgate, Bombay-20.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal'h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Vishwa Co-op. Hsg. Soc. Ltd., C. Road, Churchgate, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/57EU/8158/85-86, on 6-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) The Vaibhay Co-op. Bank Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganesh Narayan Saboo & Smt. Sitadevi Saboo. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Bombay-38, the 10th July 1986

cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-1/37EE/8890/85-86.—Whereas, J, A. PRASAD,

> EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Shop Nos. 4, 5 & 6, Gokul, Modern Bhuleshwar CHSL, Atmaram Merchant Road, Bhuleshwar, Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1924) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop Nos. 4, 5 & 6. Ground floor, Gokul building of Modern Bhuleshwar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 86, Atmaram Merchant Road, Bhuleshwar, Bombay-2,

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8375/85-86, Authority, on 20-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1986

- (1) Mrs. Meena Sharma & Mrs. Sharta Kumari. (Transferor)
- (2) Mr. Prakash M. Sakhrani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 9th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8698/85-86,-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 55 on 5th floor, Neel Kamal, Plot No. 4, Padam Tekri, Peddar Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto;) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 55 on the 5th floor, Neel Kamal Building, Plot No. 4, Padam Tekri, Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. under No. AR-J/37EE/8190/85-86, on 8-11-85. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :-

Date: 9-7-86

PART III-Sec. 1]

FORM ITNS---

(1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar.

(Transferor)

22111

(2) Pahilarai I Rupani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38 the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8945|85-86.-Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-21, 2nd floor, Chinar Building, Plot No. 336 & 506 Dadar Naigaum Div. Sewri Cross Road &Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 25-11-85

at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII, New Delhi in Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given to hat Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A-21 on 2nd floor, Chinar Building, C. S. No. 336 & 536 Dadar Naigaum Div. Sewri Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8430|85-86, on 25-11-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 20-196 GI/86

Date: 10-7-1986

FORM ITNS ----

(1) Mr. Shewak Ram M. Mansukhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Stanford Holdings Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8889/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 43, Gitanjali, near Radio Club, Colaba, Bombay-490 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reusen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-1923 Act, 1957 (27 of (1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Gifanjali, Near Radio Club, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent ulhority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/8394/ Authority, Bombay, 85-86, on 20-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8904|85-86.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises bearing No. 61(6th floor, Bldg. known as 'Sakhar Bhavan', Plot No. 230, Block-III, Backbay Reclamation, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 22-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fatter of the apparent consideration and that than fifteen per cent of such appatent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the aransfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Jayantilal Lalchand,

2. Pushpa J. Shah, 3. Raman L. Jain,

4. Hira R. Jain,

Nareindrakumar L. Jain,

6. Sunder N. Jain,
7. Nirmal L. Jain,
8. Arti N. Jain,
9. Champak L. Jain and
10. Kalpana C. Jain.

(Transferor)

(2) M/s. Gwalior Rayon Silk Mfg. (Weaving) Co. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 61, 6th floor Bldg, known as 'Sakhar Bhavan', Plot No. 230, Block-III, Backbay Reclamation, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/8389/85-86 on 22-11-1985.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Francis Kiein & Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Samvaad Video Pvt. Ltd.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Francis Kiein & Co. (P) Ltd. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.1/37EE/8737/85-86.--Whereas, I,

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 102. 1st floor, Neelam Building situated at Scheme 58, Plot 108, Worli, Bombay-400 018

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)t

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 102, 1st floor, Neelam Building, situated at Scheme 58, Plot No. 108, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/8228/85-86 on 11-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the pseculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Date: 11-7-1986

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Mr. Jayantilal Lalchand & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Indian Rayon Corpn. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8905/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Portion of premises bearing No. 61 on 6th floor of "Sakhar Bhayan" on Plot No. 230, Block-III, Backbay Reclamation, Rombay-400 021

Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 22-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair unriket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; 404/ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing No. 61 of 'Sakhar Bhayan" Plot No. 230, Backbay Reclamation, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/8390/85-86 on 22-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/9012/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 48, 4th floor, 'Anita', Mount Pleasant Road, Rombay-6

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Shirish Maneklal Sanghvi and Mrs. Pratibha Shirish Sanghvi.

(2) Miss Bhicoo Rustom Doongaji.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 4th floor, 'Anita', Mount Pleasant Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/8497/85-86 on 29-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1986

- (1) M/s. Vishal Impex Pvt. Ltd.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Mercantile Publicity Service,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, EOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8597/85-86.—Whereas, I.

A. PRASAD:

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 5 & 6, 3rd floor, "Elphinstone House" at 17. Marzban Road, Fort, Bombay-400 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pe sens, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises bearing No. 5 & 6, 3rd floor of "Elphinstone House" at 17, Marzban Road, Fort, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/8096/85-86 on 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1986

(1) M/s. Mehta Builders.

(Transferor)

(2) Mr. SudhirBahl & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Rtf. No. AR.1/37EE/8614/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 107, Maker Chambers-VI, Nariman Point, Bombay-

400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 107, Maker Chambers-VI, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/8113/85-86 on 4-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1986 Seal

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, bemain :---

(1) Mr. Nandlal S. Valia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirti Anantrai Mehta & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8885/85-86.—Whereas, I.

PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1601, 16th Floor, Avanti Apartment, Flank Road, Sion (East), Bombay-400 022.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1601, 16th floor, Avanti Apartment, Flank Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/8370|85-86 on 20-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely: 21-196 GI/86

Date: 11-7-1986

(1) M/s. M. M. Bilaney & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. K. C. Trading & Investment Co. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8603/85-86.—Whereas, I,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 605, 6th floor, Commerce House, 140, Nagindas

Master Road, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferi BBQ/01

Block No. 605, 6th floor, Commerce House, 140, Nagindas Masyer Road, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.III/37EE/8102/85-86 on 1-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 11-7-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Sangita Dhirajlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bharat K. Bhansali & Others.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8701|85-86.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7 on 2nd floor "Vipul", 225-A, Ridge Road, Malbar

Hill, Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, "Vipul", 2nd floor, Vipul CHS Ltd., 225-A, Ridge Road, Bombay-400 006.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-I/37EE/8192/85-86 on 8-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1986

Scal:

(1) M/s. Shah & Nahar Developments.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sumer Builders.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8999/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 414, 416 and 417 on 4th floor at "Shah-Nahar (World) Light Tad Entata" Dr. E. Mores, Road World

(Worli) Light Ind. Estate", Dr. E. Moses Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit Nos. 414, 416 and 417 on 4th floor at "Shah-Nabar (Worli) Light Industrial Estate", Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8484/85-86 on 28-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1986

- (1) Shri Sunder C. Khatar.
- (Transferor)
- (2) M/s, Gitanjali Exports Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8633/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 150 on 1st floor Shah & Nahar Indl. Estate, Lower

Parle. Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 150 on 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8131/85-86 on 5-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1986

(1) Shri Shakuntala V. Malhotra.

(Transferor)

(2) M/s. Parmar Interiors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9002/85-86.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 6 & 7. Amarkunj CHSL, Cadell Road, Mahim, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 & 7, Amarkuni CHSL, Cadell Road, Mahim, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/8487/85-86 on 28-11-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1986

Scal:

PORM ITNS...

(1) Shri Roopkumar L. Shroff & Ots.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Oriental Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8626/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1,00,000/- and bearing

Industrial Unit No. 8A, 1st floor, Mohta Bhavan, Off. Dr. E. Moses Road, Worli Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 5-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by market than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the seld Act, in respect of any income arising from the transfers ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 8-A, 1st floor, Mohta Bhavan, Off. Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/3124/85-86 on 5-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in purmance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8949/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, 3rd floor of HIMALAYA CHS LTD. Plot No. 109, R. S. Thadani Marg, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **电影仪/U**Y
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. Chakraborty.

(Transferor)

(2) Shri Navin K. Chiniwala & Anr.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on the 3rd floor of Himalaya Co-operative Housing Society Limited on Plot No. 109. R. S. Thadani Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FE/8434/85-86 on 25-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1986

The second control of the second control of

FORM ITNS-

(1) M/s, Shah & Nahar Developments.

(Transferor)

(2) M/s. Sumer Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9000/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 112 & 117 on 1st floor at "Shah-Nahar (Worli)
Light Indl. Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-18
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Said Act in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 28-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tensfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 112 & 117 on 1st floor at "Shah-Nahar" (Worli) Light Industrial Estate", Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8485/85-86 on 28-11-1985

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

22-196 GI/86

Date: 11-7-1986

(Transferce)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-[BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8665.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 58, 2nd floor, Kailash Nagar CHS Ltd., 658, Tardeo Road, Bombay-400 007.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Rembers on 7, 11, 1985.

Bombay on 7-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the constant sometimes the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section 35 of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely :--

(1) Shri Ramesh Kantilal Nanavati & Anr. (Transferor)

- (2) Shri Jayant Hashmukhlal Pourana.
- (3) Vendors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 58 on 2nd floor, Kailash Nagar Co-op. Housing Society Ltd., 658, Tardeo Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8160|85-86 on 7-11-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ref. No. AR-I/37-O/5340/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 802-D of the Estate of the Corporation at Dadar together with structures, C.S. No. 515-D/10 of Matunga

Division, Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 22-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sais. Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bapulal Purushottam Ghatalia.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Gulabchand Shah & Others. (Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)
(4) Smt. S. G. M. Trust.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

Plot No. 802-D of the Estate of the Corporation at Dadar together with structures, C.S. No. 515-D/10, of Matunga Division, Bombay.

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 852/85 and registered on 22-11-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-7-1986

Scal:

(1) M/s. Jayant Development Corporation,

(Transferor)

(2) Shri Hiroo H. Bhagchandani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8770/85-86.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on ground floor Garage, Jayant Apartments, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term; and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the manufer; and/or

Flat No. 2 on ground flest and garage, Jayant Apartment, Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo, Bombay-34

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8262/85-86, on 14-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1987

New Delhi, the 16th August 1986

No. F. 11/2/86-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission, at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CAL('UTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUITACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR, VISHAKHAPATNAM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 1st February, 1987 in accordance with the Rules published by the Deptt. of Personnel & Training in the Gazette of India, dated the 16th August, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:—
 - (i) Indian Foreign Service (B)— (Grade II of the Stenographers Cadre)
 - (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service— Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select)
 List of the Grade)
 - (iv) Armed Forces Headquarters

Stenographers' Service— Grade C (Including 2
Vacancies
reserved for
SC Candidates)

(v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S.(B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

*Vacancies not intimated by Government.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he needs send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

Note—Some departments/offices of the Government of India making recrument through this examination will require only Engage Sumographers and appointments to posts or Stenographers in these departments/offices on the residue of this examination will be made only from amongst chose who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shormand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify cleany in the application form the Services/posts for which he wisnes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No. request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination, in the Employment News.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Proble Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of K. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Dethi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Dethi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office, This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
MUST SUBMIT TILLIR APPLICATIONS ON
THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1987—APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1987 WILL NOT BE
ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 13th October, 1986 (27th October, 1986, in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division, of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobai Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 13th October, 1986 and whose applications are received by post from one of areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Astem, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur Nagaland Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub division of Chamba district of Himochal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and

- a candidate residing abroad, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 13th October. 1986.
- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan (now Bangla Desh) who had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz., Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Secutity Corps, General Reserve Engineer Force Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 13th October, 1986, and

- (i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 13th October, 1986 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or
- (iii) has been released at his own request after completing five years service in the Armed Forces of the Union.
- 9. A refund of Rs. 3.00 (Rupees Three) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1986 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commissions' Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1986 vided that the request for cancellation of candidature and be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1986 Examination in the Employment News.
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective Type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

NIRMAL ANDREWS
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE 1

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 1st January 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries/answers should be in words not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Note:—Candidates should clearly specify in column 8 of the application form the Language in which they wish to answer the question paper on essay and take the stenography tests vide paragraph 4 of appendix 1 to the rules of the examination the option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column it will be assumed that the paper will be answered and the shorthand tests taken in english.

Candidates should note that only international form of Indian numers are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its epulvalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses. International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore take special care to fill up to application form correctly.

All candidates. Whether already in Government Service or in Government owned, industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, repuired to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in supprot of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certifled copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical of recent passport size (5 em × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
 - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of Claim for age concession where applicable [See para 5(b) below].
 - (vil) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in).
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cm₃ × 27.5 cm₃.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE. ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT, CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULT IS LIKELY TO BE DECLARAED IN THE MONTH OF MAY, 1987. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CFRTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) given in paras 4, 5 and 6:

(i)(a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee--

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.'

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidate must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secerctary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India. Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note-Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of Submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates, maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an acquivalent cetificate.

No other document relating to age horoscopes, vits, bir'h extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examina-tion Conflored to continuous the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to

the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of the Matriculation/Higher of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institu-tion from where he passed the Matriculation/Higher Second-ary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION. AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION. TION.

Note 4—A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education. Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 5-In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(ii) Certificate of Educational Qualifications-A Candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the caudidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to supnort his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would tender him educationally qualified for the Commission a convention but has not been informed of the result as one that a mindate who intends to appear at such a qualifying that the will NOT be eligible for admission to be a convention.

Note 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need relianit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned:—

The form of certificate to be produced by the candidate [cf.: Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that:---

- (2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of his School is

 This has been verified trom the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

*Strike out whichever is not applicable.

- (iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5cm×7 Cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warred that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3 (ii), 3 (iii) and 3 (iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the District, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.@ the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950.@ the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951.@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951. [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956.@ the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.@ the Constitution Nagar Haveli) Scheduled (Dadra and Castes Order, 1962.@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962.@ the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964.@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968.@ the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968.@ the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.* the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.@

%2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe certificate issued to Shri/Shrimati*
Father/mother of Shri/Shrimati/Kumuri*
of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste
Scheduled Tribe*
in the State/Union Territory*
dated —
%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of
Signature
**Designation
(with seal of Office)
Place
Date
State/Union Territory*

- *Please delete the words which are not applicable.
- @Please quote specific Presidential order.
- %Delete the Paragraph which is not applicable.
- Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the people Act, 1950.
 - **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe Certificates.
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/+Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 - (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadween).
- 5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form:—
- *(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari*

 is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of and has rendered/would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer/Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1987 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS 'RBSSS/IFS(B) stenogragraphers Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographer's Service.*

*(ii) Certified that S	hri/Shrimati/Kumari*ularly appointed Clerk/Steno-Typist/
R.M.S. Sorter* employe which is a Department, Union Territory* of — would render not less th Clerk/Steno-Typist/R.M	d in the Office of the 'Office of the Government of India/ and has rendered/ and years continuous service as a S. Sorter/Stenographer* on 1st nues/would continue to be employed
Place —	
Date	
No. ————	
	Signature
	Designation —
	Ministry/Office
	Office Stamp

*Strike out whichever is not applicable.

- (b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/Certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta,
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6 (C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A condidate who has migrated from Kenya. Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanzaniyka and Zanzibar) or who is a renatriate of Indian origin from Zambia. Malawi. Zaire and Ethionia claiming are concession under Rule 6 (C) (vi) or Rule 6 (C) (vii) should produce an attested /certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a home file migrant from the countries mentioned above
- (iv) A regularizate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6 (C) (iv) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India. Rangoon, to show

that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatrlate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x), or 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Date

*Strike out whichever is not applicable.

- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xii) or Rule 6(C) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (vil) Fx-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(C) (xiv) or 6(C) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned:
 - (A) Applicable for Released Retired Personnel

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is has rendered service from in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions:—

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

Seal

(B) Applicable for serving personnel.

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force from

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Seal

Date :

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:--

(a) In case of Commissioned Officers including ECO₅/SSCO₅.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel (Officers), Air Hars., New Delhi.

In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force,

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (viii) A displaced person from erstwhlle West Pakistan claiming age concession under Rule 6 (C) (xvi) or 6 (C) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in Charge of Rehabilitation in their respective District;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division to his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

-Sub-Division

(ix) A resident of Assam claiming age concession under Rule 6 (c) (xviii) or 6 (c) (xix) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate within whose jurisdiction he ordinarily resided or from any other authority designated in this behalf by the Government of Assam, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August 1985.

The Form of Certificate to be produced by the candidate:

This is to certify that Shri/Shrimati/Km.

Son/daughter of _____had been a resident of the State of Assam in the Village town _____ Folice Station _____ of District _____ from to _____ during the period from 1st day of January, 1980 to the 15th day of August, 1985.

District Magistrate _____ District Sub Divisional Officer

Seal.

Date of Issue

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), ii), (iv) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificatee must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment should be given only after the necessary eligibility certificate is usued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknewledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, upso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate 10, this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. Let if a candidate does not receive from the Union Public derve. Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations. This publication is designed to be assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Deth-110004 and may be obtained from him direct by Miad Graces or on eash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal. Opposite ravoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba emand Singla Marg. New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Fublications Branch at Udyog Bhayan, New Deihi-110011 and (iii) The Government of India Book Depos, 8, Apr. 5. Roy Road, Caicutta-700 001. The Manual and pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Candidates are not catried to receive any Travelling Allowance from the canon Public Service Commission for attending the examination
- 14. Communication: regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN REPRECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDITIONAL TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SHAVIT COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHIAMAN ROAD, NEW DELHI-110 001, AND SHOULD INVARIABLE CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.
- N.B. (ii)—If a two:/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll hamber, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATION SENT TO HEM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Knowledge will be what is called on 'OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

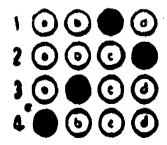
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of TEST BOOK LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3..., etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Auswer Sheet, number of items form 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best; you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blakening the circles on the Auswer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

 You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

- To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring alongwith you and eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or winkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobedy will be admitted to the test 30 minutes after the comencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERLY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may loss marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instruction immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on if before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the ond of the test.

E. Special Instructions

After you have take your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the fact page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*Denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms).

*There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- *(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Cmhiestry)

The anhydride of Ha Voa is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₂
- *(d) V₄O₅

(Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
 - (b) both wage and marginal revenue product are equal
 - (c) wage is more than the marginal revenue proudct
 - (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
 - (d) C/9.

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Laboradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation.

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y=ax+b
- (b) у⊶ах
- (c) $y = ae_x + be_x$
- *(d) y=-ac*x-a

9. (Physics)

An ideal heat of engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its officiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5, the variance is

- (a) 4^a
- *(b) 3
 - (c) a
 - (d) --5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prorsperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are bound in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahminism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
 - (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the athestic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism Nayayā Cārvakā. Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārākva Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislative on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
 - (b) untouchability has decreased
 - (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examples.